kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-238 ❒ मंगलवार, 29 सितम्बर 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

मैं आदरणीय लता दीदी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने अपनी दिव्य गायन प्रतिभा से दुनियाभर में हमारे देश का नाम रोशन किया। नरेंद्र मोदी

निवेश के लिए अच्छा महौल देना सरकार की प्राथमिकता : नवीन 11

मुख्यमंत्री ने दिल्ली उद्योग मित्र पोर्टल का किया शुभारंभ 12

संक्षेप

तीन आईपीएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ। पुलिस विभाग में तबादलों का सिलसिला जारी है। शासन ने तीन और आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले हैं। इनमें प्रतीक्षारत रहे आईजी डा.मनोज कुमार को आईजी पीएसी पश्चिम जोन, मुरादाबाद के पद पर तैनाती दी गई है। डीआईजी यूपी एसआईएसएफ हमेराज मीना को डीआईजी सुरक्षा के पद पर नियुक्ति दी गई है। सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ राजेश द्विवेदी को एसपी चुनाव प्रकोष्ठ डीजीपी मुख्यालय के पद पर तैनाती दी गई है।

खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, तीन मकान ढहे, मासूम समेत चार की मौत

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर में अचानक सिलेंडर फट गया। सोमवार शाम गैस सिलेंडर फटने के बाद हुए तेज धमाके के साथ तीन मकान ढह गए। हादसे में एक मासूम समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हैं। मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की आशंका को देखते हुए देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी रहा।

जानकारी के अनुसार मलवां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी सुरेश गुप्ता के घर में खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना तेज था कि सुरेश के मकान के साथ आसपास के दो अन्य मकान भी भरभराकर गिर गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस, दमकल और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों की मदद से मलबे में दबे लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया गया। अब तक सात लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है। इनमें एक मासूम समेत चार लोगों की मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य का इलाज चल रहा है। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते खोजबीन जारी है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

दूसरे दल में पार्टी के विलय की खबरें झूठी: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी सत्ता के लिए किसी अन्य दल के साथ विलय नहीं करेगी। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान संगठन को मजबूत करने पर है। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं हैं कि राकांपा (एसपी) सत्ता में बैठे लोगों के साथ जा सकती है, लेकिन यह सही नहीं है। राकांपा (एसपी) महा विकास आघाड़ी का हिस्सा हैं और रहेगी। पवार ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा, हम कहीं नहीं जा रहें। अगर आप चाहें तो हमारे साथ आइए। हमने अपने संगठन को मजबूत करने का फैसला किया है।

नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदल रही सपा : योगी

1375 ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिली नियुक्ति, 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री ने मंच पर दिया नियुक्ति पत्र

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- छह महीने में एक लाख सरकारी नौकरी का लक्ष्य, सपा-कांग्रेस के नेता गिनते रहें, हम नियुक्ति पत्र बांटते रहेंगे
- ग्राम पंचायत जितनी बढ़ाएगी अपनी आय, सरकार उतनी ही देगी अतिरिक्त धनराशि, आत्मनिर्भर गांव बनाने पर जोर
- कोई टोटी चोरी कर लेगा तो पानी बहता रहेगा, जिससे गांव की ही क्षति होगीः मुख्यमंत्री
- उप्र में अब नागरिक सीना तानकर और माफिया सिर झुकाकर चलता हैः सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरकारी नौकरियों और गांवों के विकास को लेकर समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने नौजवानों के हक पर डकैती डाली, पिछड़ों-दलितों को योजनाओं से वंचित किया, नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, जिनके लिए विकास का मतलब सिर्फ सैफई था, वही आज नए स्वरूप में नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदलते दिख रहे हैं। इनसे सावधान रहना है। यह भ्रम पैदा कर राज्य को अराजकता की तरफ धकेलने की साजिश करेंगे। सीएम ने सपा-कंग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का हमारा लक्ष्य है। वे गिनते रहें, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 1,375 ग्राम पंचायत अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि मैंने 15 सितंबर के आसपास कहा था कि हर सप्ताह नियुक्ति पत्र वितरण करेंगे और छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देंगे। 20 सितंबर से यह चौथी नियुक्ति पत्र प्रक्रिया संपन्न हुई। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से फिर नियुक्ति पत्र वितरण होगा।

सीएम ने कहा कि सपा शासनकाल में संवेदनहीनता की चरमता थी। बेईमानी से जकड़े वे लोग माफिया के सामने झुकते थे, परंतु अब ऐसा नहीं है। अब कोई माफिया असलहों के साथ गाड़ियों का काफिला लेकर नहीं चल सकता। आज यूपी में नागरिक सीना तानकर और माफिया सिर झुकाकर चलता है। उसे पता है कि गरीब की झोपड़ी पर कब्जा और व्यापारी से फिरौती मांगने जाएंगे तो काम तमाम हो जाएगा। अब माफिया और उनके आका भयभीत हैं। भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने समयसीमा के अंदर निष्पक्ष व शुचितापूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र एक नौजवान प्राप्त कर रहा है, लेकिन खुशी पूरे परिवार व रिश्तेदारों में है। उनके लिए यही होली-दीवाली है। जो राज्य 10 साल पहले बीमारू था, उसे निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ हमने सबसे समृद्ध राज्य के रूप में खड़ा किया है। युवाओं के सपनों को उड़ान और मंजिल प्राप्त करने के लिए प्लेटफॉर्म चाहिए। आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि आपको यह वातावरण मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि हम युवा बल को प्लेटफॉर्म देकर उसकी ऊर्जा-प्रतिभा का उपयोग उप्र की समृद्धि में करने में सफल होते हैं। 2017 के पहले युवाओं में सिर्फ आशंका, हताशा-निराशा थी। योग्यता के बावजूद सिर्फ पहुंच न होने की वजह से गरीब बच्चों से नौकरी कोसों दूर रहती थी। 2017 में हमने इस जकड़न, बेईमानी व माफियाराज से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया था। अब सरकारी नियुक्ति पाने वाले साढ़े 9 लाख युवाओं की प्रतिभा से यूपी विकास की नई कहानी लिख रहा है। मुख्यमंत्री ने साढ़े 9 वर्ष में हुए परिवर्तन को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी सबसे पिछड़े 5 राज्य में था, अब टॉप-3 में हैं। यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था, प्रति ● शेष पेज 11 पर

कच्चे तेल की आग में झुलसा शेयर बाजार

एजेंसी

कोहराम

- सेंसेक्स 1,124 अंक धड़ाम, निफ्टी 360 अंक लुढ़का, निवेशकों के 8.77 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी भूचाल ला दिया। सप्ताह की शुरुआत ही निवेशकों के लिए बेहद खराब रही। चौतरफा बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 1,124 अंक टूटकर 72,771.72 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360 अंक फिसलकर 22,780.25 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 1,179 अंक और निफ्टी करीब 378 अंक तक टूट गया था।

बाजार में आई तेज गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में एक ही दिन में 8.77 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। शुक्रवार को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 483.25 लाख करोड़ रुपये था, जो सोमवार के कारोबार के बाद घटकर 474.48 लाख करोड़ रुपये रह गया। यानी एक कारोबारी सत्र में ही बाजार से करीब पौने नौ लाख करोड़ रुपये साफ हो गए।

बिकवाली का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 29 गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सिर्फ एक शेयर बढ़त में रहा। निफ्टी के 50 शेयरों में भी 48 लाल निशान में बंद हुए। पीएसयू बैंक, पूंजीगत सामान, तेल-गैस, धातु और वाहन कंपनियों के शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव रहा। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ गया है। इसके असर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार तेजी आई। महंगे तेल से भारत के आयात बिल, मुद्रास्फीति और कंपनियों की लागत पर दबाव बढ़ने की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके साथ विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की गिरावट को और गहरा कर दिया। दिग्गज शेयरों में भी रही मारः टीएमपीवी 3 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 2.93 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 2.86 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.83 प्रतिशत और अदानी पोर्ट्स 2.48 प्रतिशत टूटे। हालांकि, डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेटरीज 1.67 प्रतिशत और इंफोसिस 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेवा के 25 साल पर मोदी देंगे कार्यकर्ताओं को भावी मंत्र

एजेंसी

- सात अक्टूबर को वर्चुअल माध्यम से मोदी करेंगे संबोधित
- देश के सभी जिलों में निकलेंगी सेवा ज्योति कलश यात्रा

नईदिल्ली। भाजपा के सेवा संकल्प अभियान में सात अक्टूबर बेहद अहम दिन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में सेवा के 25 साल पूरे होने पर देश भर के जिलों में भाजपा कार्यकर्ता सेवा ज्योति कलश यात्राओं का आयोजन करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी इन सभी जिलों के कार्यक्रमों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री इस मौके पर कार्यकर्ताओं की नई पीढ़ी को भावी मंत्र भी देंगे? भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत की थी। इसके लिए पार्टी ने देशभर में तमाम सेवा कार्यों को पार्टी कार्यतर्ताओं के साथ अंजाम दे रही है। इसका एक बड़ा हिस्सा काशी से वडनगर व वडनगर से काशी की चल रही दो तरफा बाइक यात्रा तो है ही,साथ ही सात अक्तूबर देश भर में सेवा ज्योति यात्राओं के जरिए बड़ा कार्यक्रम भी करेगी। लगभग सभी जिलों में यह यात्राएं निकलेंगी और जिला मुख्यालय पहुंचेगी। इनको सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। पार्टी के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन बेहद अहम होगा, क्योंकि भाजपा ने नई पीढ़ी यानी जेन जी को जोड़ने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रखा है। यहां से भाजपा अपना नया अभियान भी शुरू कर सकती है। यह अभियान अगले 25 साल के लिए होगा, जिसमें 25 साल और उससे कम आयु के युवाओं को राष्ट्रवाद की भावना से विकसित भारत के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं, युद्ध जल्द जीतेंगे : ट्रंप

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भरोसा जताया कि ईरान के खिलाफ युद्ध बहुत जल्द खत्म होगा और अमेरिका इसे जीत जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर फिर से सैन्य हमला संभव है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान के साथ युद्ध खत्म हो जाता है तो दुनिया में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आएगी। ट्रंप ने कहा कि हम यह युद्ध बहुत जल्द जीत जाएंगे और जैसे ही हम इसे जीतेंगे, तेल की कीमतें बहुत नीचे चली जाएंगी। उन्होंने एक बार फिर कहा कि अमेरिका का मुख्य उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है?

जब ट्रंप से सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका के आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर फिर से सैन्य हमले किए जा सकते हैं, तो उन्होंने इस संभावना से इन्कार नहीं किया। उन्होंने अमेरिकी नीति के मुख्य उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। जब ट्रंप से पूछा गया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य दबाव या आर्थिक प्रतिबंधों में से किस तरीके से सफल हो रहा है, तो उन्होंने कहा कि दोनों ही तरीकों से अमेरिका आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम दोनों में जीतेंगे। सैन्य दृष्टि से तो हम वास्तव में पहले ही जीत चुके हैं। हालांकि, उन्होंने साथ ही ● शेष पेज 11 पर

अमेरिका के साथ विनाशकारी युद्ध के लिए तैयार ईरान : अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक कार्यक्रम कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ युद्ध दोबारा शुरू होने की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका की ओर से कोई नया हमला होता है तो ईरान उसका मजबूती से सामना करेगा, भले ही स्थिति 'डूम्सडे वॉर' यानी बेहद विनाशकारी युद्ध तक क्यों न पहुंच जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अमेरिका के मध्यावधि चुनाव की चिंता नहीं है। उनके अनुसार, ईरान के लिए उसके राष्ट्रीय हित सबसे महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, उन्होंने साथ ही कहा कि ईरान कूटनीति के लिए भी तैयार है और अब यह फैसला ट्रंप को करना है कि वह किस रास्ते ● शेष पेज 11 पर

अक्टूबर के बिजली बिल में मिल सकती है पांच प्रतिशत की राहत

लखनऊ। सितंबर के बाद अब अक्टूबर में भी बिजली बिल में राहत मिलने की पूरी उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक अक्तूबर के बिजली बिल में पांच प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। पावर कॉरपोरेशन ईंधन अधिभार शुल्क की गणना कर रहा है, जिसे मंगलवार या बुधवार को जारी कर दिया जाएगा।सितंबर में मिले बिजली बिल में उपभोक्ताओं को 7.93 प्रतिशत की रियायत मिली थी। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि जब से वास्तविक तौर पर अधिभार शुल्क की गणना शुरू हुई है, तब से उपभोक्ताओं को लगातार बिजली बिल में राहत मिल रही है। उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में गणना के पुराने तरीके को चुनौती दी थी। आयोग ने परीक्षण करने के बाद ईंधन अधिभार शुल्क के समायोजन में केवल वास्तविक बिजली खरीद के आधार पर गणना करने के आदेश दिए थे। इसके बाद से जुलाई में 4.43 प्रतिशत, अगस्त में 2.92 प्रतिशत और सितंबर में 7.93 प्रतिशत की राहत मिली।

ईवीएम पर भरोसा नहीं, बैलेट पेपर से हो चुनाव : मायावती

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

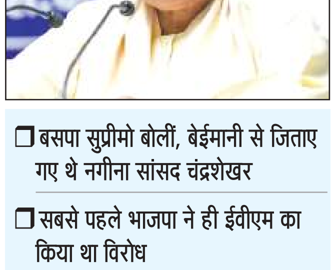

- बसपा सुप्रीमो बोलीं, बेईमानी से जिताए गए थे नगीना सांसद चंद्रशेखर
- सबसे पहले भाजपा ने ही ईवीएम का किया था विरोध

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यशैली व भूमिका पर उठ रहे सवालों के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी ईवीएम पर भरोसा न होने की बात कही है। मायावती ने सोमवार को पूरे देश में बैलेट पेपर के माध्यम से ही चुनाव कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को बेईमानी से चुनाव जिताए जाने का गंभीर आरोप भी लगाया। बसपा सुप्रीमो ने इसे लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला।

मायावती ने कहा कि एसआईआर के मुद्दे को लेकर देश में बिगड़ रही कानून-व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और चुनाव प्रक्रिया को लेकर निर्धारित नियमों व प्रक्रिया का हवाला देते हुए बैलेट पेपर से ही चुनाव कराए जाने की मांग दोहराई। मायावती ने कहा कि एसआईआर को लेकर फैली भ्रांतियों को चुनाव आयोग को समय से दूर करना चाहिए। मायावती ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी से अब लोगों का धीरे-धीरे वोट देने से ही विश्वास उठता जा रहा है। इसका खास उदाहरण आजाद समाज पार्टी के सांसद हैं, जिनका नगीना (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर कुछ भी जनाधार नहीं है। भाजपा ने उन्हें ● शेष पेज 11 पर

चार सप्ताह में सभी पक्षों को दलीलें और दस्तावेज देने का निर्देश, इसके बाद शुरू होगी अंतिम निर्णय की समयसीमा

टीएमसी पर तीन महीने में फैसला करे आयोग : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को तीन महीने के भीतर अंतिम फैसला लेने का निर्देश दिया। न्यायालय ने सभी पक्षों को अपनी दलीलें और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। इसके बाद ही तीन महीने की समयसीमा शुरू होगी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि विवाद पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने का समय पर्याप्त है। न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को चुनाव चिह्न आदेश के अनुच्छेद 15 के तहत मामले का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर विवाद के बीच निर्वाचन आयोग ने साक्ष्यों, हलफनामों और दस्तावेजों की बड़ी संख्या का हवाला देते हुए अंतिम निर्णय के लिए कम से कम छह महीने का समय मांगा था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने इसके बजाय तीन महीने की समयसीमा निर्धारित की। अब सभी संबंधित पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अपनी दलीलें और दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद निर्वाचन आयोग को निर्धारित अवधि में अंतिम निर्णय लेना होगा। विवाद के बीच निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव के लिए तृणमूल कंाग्रेस के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए थे। ममता बनर्जी गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कंाग्रेस' नाम के साथ 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया, जबकि बागी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कंाग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया था। ये व्यवस्थाएं अंतरिम थीं।

सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश के बाद अब निर्वाचन आयोग को दोनों पक्षों की दलीलों, दस्तावेजों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करके अंतिम निर्णय लेना होगा। इस फैसले से तृणमूल कंाग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर जारी विवाद के निस्तारण की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा मिल गई है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग से लिफाफा चुनाव चिन्ह पर किए तीखे सवाल

नई दिल्ली। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) की चुनौती पर सुनवाई के दौरान अधिकारियों को कोर्ट के सामने निष्पक्ष रहना चाहिए। आईएसएफ ने चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा लिफाफ़े वाले चुनाव चिह्न को किसी दूसरी पार्टी को ● शेष पेज 11 पर

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने का आधार बताए केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से यह बताने को कहा है कि यूपीआई से भुगतान करने पर शुल्क लगाने का फैसला क्यों लिया गया और इसके आधार क्या हैं? शीर्ष अदालत में दाखिल केंद्र सरकार द्वारा 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर शुल्क (एमडीआर) लगाने के फैसले को चुनौती वाली याचिका पर केंद्र से यह जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इस मामले में सरकार को हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। पीठ ने याचिका पर विचार करते हुए केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। हालांकि पीठ ने याचिकाकर्ता की केंद्र के फैसले पर रोक लगाने की मांग फिलहाल ठुकरा दी? इससे पहले, सुनवाई की शुरुआत में, केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने पीठ से कहा कि यूपीआई से भुगतान पर ये शुल्क 15 अक्तूबर से लागू होंगे। उन्होंने कहा कि 96 फीसदी भुगतान पर यह शुल्क नहीं लगेगा और जरूरी सेवाओं के लिए शुल्क की अधिकतम सीमा 5 रुपये तय की गई है। उन्होंने पीठ से कहा कि यह न तो टैक्स है और न ही फीस। इस पर सीजेआई ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वेंकटरमन से कहा कि अपा जो कह रहे हैं, हमें ये तथ्य हलफनामे में चाहिए। यह ज्यादातर एक तकनीकी मामला है। जस्टिस बागची ने भी सवाल किया कि क्या यह टैक्स है या शुल्क? यदि यह फीस नहीं है, तो इस वसूली का कार्यकारी आधार क्या है? इसमें कौन सी सर्विस दी जा रही है? केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह कोई जबरदस्ती वसूली नहीं है और यूपीआई से भुगतान पर लगाने वाले शुल्क से भारत सरकार एक भी रुपया नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि यह पेमेंट एग्रीगेटर और बैंकों के बीच एक सेटलमेंट शुल्क है। उन्होंने शीर्ष अदालत को बताया कि जब बैंक इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन करते हैं तो उसमें लागत आती है ● शेष पेज 11 पर

इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखाई दे रही उत्तर प्रदेश की ताकत: योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2026) में उत्तर प्रदेश की ताकत दिखाई दे रही है। यहां उत्तर प्रदेश में निर्मित तमाम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें गोरखपुर के टेराकोट उत्पाद भी शामिल हैं। रविवार को वहां 1.5 लाख से अधिक लोग आए, सोमवार को भी भारी भीड़ उमड़ी है। इस ट्रेड शो में 90 देशों के खरीदार पहुंचे हैं, जो यूपी की सामर्थ्य दिखाता है। शो में शिल्पकारों के उत्पादों की बिक्री और उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखपुर में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित बाल मेला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले भी उत्तर प्रदेश के पास सामर्थ्य था, लेकिन नेतृत्व के पास इच्छाशक्ति नहीं थी। इसके परिणामस्वरूप यूपी बीमारू और बदनाम प्रदेश बनकर रह गया था। इसे देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। किंतु, बीते साढ़े नौ सालों में सम-विषम परिस्थितियों में नेतृत्व के जूझने और अनथक प्रयास का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज बीमारू की छवि से उबरकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में कई चुनौतियां थीं। बाहर के लोग यूपी का नाम सुनकर चौंकते थे। पहचान का संकट ऐसा था कि युवाओं के लिए राज्य, देश या विदेश में नौकरी नहीं थी। कर्फ्यू-दंगे प्रदेश की नियति बन गए थे। पुलिस में दो लाख पद खाली थे तो कानून व्यवस्था कैसे ठीक रहती। सरकार में आने के बाद हमने हर क्षेत्र में रिफॉर्म किए। युवाओं के हित में सरकार ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया, बल्कि प्रशिक्षण और इससे जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी आगे बढ़ाया। साढ़े नौ सालों में प्रदेश सरकार ने शुचिता व पारदर्शिता के साथ 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। इसमें अकेले यूपी पुलिस में 2 लाख 30 हजार नौकरियां दी गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था तीन गुना बढ़ी है। प्रति व्यक्ति आय में भी तीन गुना वृद्धि हुई है। कभी बीमारू के तमगे वाला प्रदेश अब देश की टॉप-थ्री इकॉनमी में है। कर्फ्यू-दंगे से मुक्त होने के बाद यूपी तेज प्रगति की वजह से देश की अर्थव्यवस्था और प्रगति का ग्रोथ इंजन कहला रहा है। यूपी वही है, लेकिन प्रयास से परिणाम की यात्रा में बदलाव हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा। 2017 से पहले राज्य में सिर्फ 130 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 24 हजार से अधिक हो चुकी है।

यूपीआईटीएस ने रचा इतिहास, 5.48 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखे स्टाल और कारोबारी गतिविधियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'लोकल से ग्लोबल' विजन के अनुरूप आयोजित चौथे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) ने व्यापारिक गतिविधियों के साथ जनभागीदारी के मामले में भी नया रिकॉर्ड बनाया है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित पांच दिवसीय ट्रेड शो में 28 सितंबर तक कुल 5,48,881 फुटफॉल दर्ज की गई। इसमें 1,56,523 घरेलू कारोबारी खरीदार और 3,92,358 सामान्य आगंतुक शामिल हैं। ट्रेड शो मंगलवार को संपन्न होगा, जिससे फुटफॉल का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है।

यूपीआईटीएस में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी इस बात को दर्शाती है कि यह आयोजन अब केवल कारोबारियों और उद्योग जगत तक सीमित नहीं रह गया है। प्रदेश के उत्पादों, हस्तशिल्प, हथकरघा, ओडीओपी उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों और आधुनिक विनिर्माण की झलक देखने के लिए बड़ी संख्या में आम लोग भी ट्रेड शो में पहुंच रहे हैं। वहीं, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की मौजूदगी ने प्रदर्शनी को वास्तविक कारोबारी गतिविधियों का मंच बना दिया है। यूपीआईटीएस- चार की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहां कारोबार और जनभागीदारी एक साथ दिखाई दी। जहां एक ओर कारोबारी खरीदार प्रदेश के उत्पादों की गुणवत्ता, कीमत, उत्पादन क्षमता और निर्यात संभावनाओं को समझने के लिए विभिन्न स्टॉल पर पहुंचे, वहीं दूसरी ओर सामान्य आगंतुकों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्थानीय उत्पादों और शिल्प की जानकारी ली। 1,56,523 घरेलू कारोबारी खरीदारों की मौजूदगी ने प्रदेश के उद्यमियों को देश के अलग-अलग हिस्सों के व्यापारियों और संभावित कारोबारी साझेदारों से सीधे जुड़ने का अवसर दिया। इससे स्थानीय उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने और व्यापारिक नेटवर्क को विस्तार देने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'लोकल से ग्लोबल' विजन के तहत उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यूपीआईटीएस इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में सामने आया है। यहां प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उत्पाद एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किए जा रहे हैं। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत तैयार किए जा रहे उत्पादों के साथ हथकरघा, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, कालीन, पीतल, कांच, लकड़ी के उत्पाद और अन्य पारंपरिक एवं आधुनिक उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में ट्रेड शो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बड़ी संख्या में सामान्य आगंतुकों की मौजूदगी ने इन उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का अवसर भी दिया है।

एयर शो की तैयारियों का पुलिस आयुक्त ने लिया जायजा

❐ गंगा के दोनों तटों पर 30 लाख दर्शकों के पहुंचने की संभावना, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। 22, 23 एवं 25 अक्तूबर को प्रस्तावित देश के बड़े और भव्य एयर शो की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल ने सोमवार को पड़ाव चौराहा, रामनगर बाईपास, टेंगरा मोड़, डोमरी गंगा घाट एवं कोदोपुर घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने करीब 90 मिनट तक सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

एयर शो के दौरान सेना के विभिन्न प्रकार के विमान और एयरक्राफ्ट हवाई करतब प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन को देखने के लिए गंगा के दोनों तटों पर करीब 30 लाख दर्शकों के पहुंचने की संभावना है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के जुटने को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने आमजन के सुरक्षित और सुगम आवागमन के साथ व्यवस्थित पार्किंग, प्रवेश-निकास, पैदल मार्ग, बैरिकेडिंग, होल्डिंग एरिया और कतार प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संभावित भीड़ के दबाव वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने तथा वैकल्पिक मार्ग और आवश्यक यातायात डायवर्जन की व्यवस्था पहले से निर्धारित रखने को कहा। साथ ही सीसीटीवी, ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने आपातकालीन मार्ग, इमरजेंसी एग्जिट और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि एयर शो को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय से सभी व्यवस्थाओं की दोबारा समीक्षा करें। कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करने के साथ ही मॉक ड्रिल कर तैयारियों को परखा जाए।

राजस्व से जुड़े प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर

शांति, खुशहाली व सुदृढ़ कानून व्यवस्था नए यूपी की पहचान, इसमें बाधा डालने वालों को सिखाएं सबक : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और पीड़ितों को समाधान का भरोसा दिया। रायबरेली से आए एक बुजुर्ग अपनी पीड़ा कहते भावुक हो गए, इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल दोषियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शांति, खुशहाली व सुदृढ़ कानून व्यवस्था ही नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। इसमें बाधा डालने वालों को कानूनी ढंग से सबक सिखाएं।

कब्जे की शिकायतों पर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जामुक्त कराने के साथ दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

योगी ने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर उनकी पीड़ा जानी। उन्होंने हर पीड़ित को आश्वस्त किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध-पारदर्शी निस्तारण कराएं।

रायबरेली से एक बुजुर्ग भी जनता दर्शन में पहुंचे। शरीर पर लगी चोट मुख्यमंत्री को दिखाते हुए उनका गला रुंध गया। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे पूरे प्रकरण की जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने उन पर अकारण हमला कर दिया है। आरोपितों को लगता है कि वह कहीं बाहर रहते हैं। ऐसे में घात लगाए बदमाशों ने उन्हें पीटा और रुपये छीन लिए। इस पर मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस प्रकरण में सख्त से सख्त तत्काल कार्रवाई करें। कुछ पीड़ितों ने जमीन जबरन कब्जा किए जाने की भी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी दबंग ने किसी गरीब की जमीन हड़पी है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। जमीन अवैध या जबरन कब्जे से मुक्त होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राजस्व से जुड़े प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया।

लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, हिरासत में लिये गये

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के युवजन सभा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने की मांग की। हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार का पुतला लेकर पहुंचे थे लेकिन दहन से पहले ही पुलिस ने पुतला छीन लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक खींचतान भी हुई और फिर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे तमाम कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद मौके पर स्थिति सामान्य रही। प्रदर्शन के दौरान सपा युवजन सभा के विजय चौहान, शिव कुमार के साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनसुनवाई में बिजली, पेयजल और जलभराव की शिकायतें उठीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विद्युत कनेक्शन, बिजली बिल में सुधार, पेयजल, सीवर, जलभराव और नगर विकास से जुड़ी विभिन्न शिकायतें सामने आईं। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग से जुड़ी शिकायतों में नए बिजली कनेक्शन, विद्युत बिल में सुधार और अन्य उपभोक्ता समस्याएं प्रमुख रहीं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से विभागीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। पेयजल, सीवर और जलभराव से संबंधित शिकायतों पर भी मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

गोमती नगर विस्तार निवासी अंजू वार्ष्णेय ने क्षेत्र में साफ-सफाई और अतिक्रमण से संबंधित समस्या मंत्री के सामने रखी। मंत्री ने शिकायत का तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त गौरव कुमार से फोन पर बात की और संबंधित समस्या के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर करने तथा अतिक्रमण की शिकायत पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मौके पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान शासन की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ शिकायतों को सुनें और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें।

अतिवृष्टि से बर्बाद फसलों का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अखिल भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र, फसली ऋण वसूली पर रोक और ब्याज माफी की भी उठाई मांग

सरोजिनी नगर, लखनऊ। प्रदेश के कई जनपदों में अतिवृष्टि और बाढ़ से खरीफ की फसलों को हुए भारी नुकसान को लेकर अखिल भारतीय किसान संघ, उत्तर प्रदेश ने किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रभावित किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि विगत दिनों प्रदेश के पूर्वांचल, तराई एवं बुंदेलखंड समेत कई क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। खेतों में लगातार जलभराव से मूंग, उड़द, अरहर, तिल, ज्वार-बाजरा और सब्जी वर्गीय फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर फसलें खेतों में ही सड़ गई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि छोटे एवं सीमांत किसान कर्ज लेकर खेती करते हैं। फसल बर्बाद होने से उनके सामने कर्ज चुकाने और परिवार का भरण-पोषण करने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। अखिल भारतीय किसान संघ ने मांग की है कि बाढ़ प्रभावित जनपदों में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीमें भेजकर फसल क्षति का तत्काल और पारदर्शी सर्वे कराया जाए। जिन किसानों की 33 प्रतिशत से अधिक फसल नष्ट हुई है, उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं राज्य आपदा राहत कोष के तहत जल्द उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा प्रभावित किसानों के फसली ऋण की वसूली पर रोक लगाने और ब्याज माफी पर विचार करने की मांग भी की गई है। राजेश सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री से किसानों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

दिव्यांगजनों को विधायक ने बांटे सहायक उपकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोराँव,प्रयागराज। सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह अभियान के तहत क्षेत्रीय विधायक राजमानि कोल ने बतौर मुख्य अतिथि रिद्धि सिद्धि उत्सव भवन में १३५दिव्यांगजनो को सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित साइकिल,हाथ,पैर व वहील चेयर आदि कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण बाटे विधायक ने इन अनुपकरणों से दिव्यांग जनों के जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल बताया इस दौरान मुख्य रूप से बबुआन द्विवेदी अखंड प्रसाद पांडे अरुण कुमार चतुर्वेदी उर्फ पिंटू संतरा देवी आदि लोग मौजूद रहे।

जनता दरबार में नगर पंचायत अध्यक्ष ने सुनी समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोराँव,प्रयागराज प्रत्येक सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय पर आयोजित जनता दरबार में नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने फरियादियों से सीधे संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनता की अधिकांश जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया व शेष समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी तरीके से निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से वार्ता की। उनसे आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने जनकल्याणकारी योजनाओं और नगर पंचायत की मूलभूत सुविधाओं का लाभ हर एक नागरिक तक पहुंचाने लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य रूप से राजकुमार केसरी सुमित देव पांडे रामकृष्ण केसरी आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अन्तर्गत मद की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण–

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ–226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है.

क्र0	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56265146A	Traction Motor type IM 3302AZ complete with pinion as per BHEL Drg. No. 04450009051. Make: BHEL or equivalent.	04 Nos	27.10.2026

निविदा शर्ते – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

निविदा नोटिस सं0 ईपीएस/56/2026

ईमेल पता. dycmmcb15@gmail.com 3368/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अन्तर्गत मद की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ– 226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है.

क्र०	निविदा सं०	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56265886A	SECONDARY VERTICAL DAMPER FOR VANDE BHARAT TRAIN TO M/S ITT KONI DRG NO. OFF16730 REV-B OR ZF DRG NO. 40130004471 or any other	92 Nos	27.10.2026
02	56265886A	PRIMARY VERTICAL DAMPER FOR VANDE BHARAT TRAIN SET M/S ITT KONI DRG NO. OFF 16728 REV-C OR ZF DRG. NO. 401300004470 or any other	184 Nos	27.10.2026
03	56265886A	Yaw damper for VB/Train set to M/s ITT KONI Drg no. OFF 16809 REV-D or ZF Drg No 401300004473, or any other. ITEM TO BE AS PER M/S EC ENGINEERING DAMPER SPECIFICATION No MT18Br2 001466-05.	92 Nos	27.10.2026
04	56265886A	Horizontal damper for VB Train set to M/s ITT KONI Drg no. OFF 16729, REV-B or ZF Drg No401300004472----.ITEM TO AS PER M/S EC ENGINEERING SPECIFICATION No. MT18Br2 001466-05 or latest	76 Nos	27.10.2026

निविदा शर्तें. 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नही की जायेगी।

निविदा नोटिस सं०. ईपीएस/56/2026 ईमेल पता. dycmmcb15@gmail-com 3373/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अन्न की बर्बादी रोकना किसान की मेहनत और प्रकृति के संसाधनों का सम्मान : डॉ. राजेश्वर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय खाद्य हानि एवं बर्बादी जागरूकता दिवस के अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अन्न की बर्बादी केवल भोजन का नुकसान नहीं है, बल्कि इसके साथ किसान का श्रम और पानी, भूमि तथा ऊर्ज़ा जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन भी व्यर्थ होते हैं। उन्होंने कहा कि अन्न के प्रत्येक दाने का सम्मान किसान की मेहनत और प्रकृति के संसाधनों का सम्मान है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार दुनिया में उत्पादित भोजन का करीब 13 प्रतिशत हिस्सा खुदरा बाजार तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध भोजन का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा खुदरा बाजार, भोजन सेवा केंद्रों और घरों में बर्बाद होता है। यह बर्बादी करीब 1.05 अरब टन भोजन प्रतिवर्ष के बराबर है। खाद्य हानि और बर्बादी से होने वाला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन वैश्विक स्तर पर करीब आठ से दस प्रतिशत तक माना जाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि खेत से बाजार और बाजार से थाली तक उपज को सुरक्षित पहुंचाना उत्पादन बढ़ाने जितना ही महत्वपूर्ण है। भोजन की बर्बादी कम करना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की दिशा में आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि बेहतर भंडारण व्यवस्था, शीत श्रृंखला, परिवहन, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना जैसी पहलें आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने में सहायक हैं।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अन्न की बर्बादी रोकने की शुरुआत प्रत्येक घर और प्रत्येक थाली से हो सकती है। जरूरत के अनुसार ही भोजन लेना, भोजन का उचित भंडारण करना, बचे हुए भोजन का उपयोग करना और जैविक कचरे से खाद तैयार करने जैसी आदतें अपनाकर भोजन की बर्बादी को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'शून्य कार्बन सरोजनीनगर' के व्यापक दृष्टिकोण में प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग महत्वपूर्ण है। सौर ऊर्ज़ा, स्वच्छ परिवहन और जल संरक्षण के साथ भोजन की बर्बादी रोकना भी टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल भविष्य की दिशा में जरूरी कदम है। डॉ. सिंह ने कहा कि अन्न का हर दाना किसान की मेहनत, प्रकृति के संसाधनों और आने वाली पीढ़ियों से जुड़ा है।

'सेवा संकल्प अभियान' : जन भवन के आदर्श माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत सोमवार को जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

स्वच्छता कार्यक्रम में विशेष सचिव राज्यपाल श्रीप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में जन भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए विद्यालय परिसर एवं उसके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विशेष सचिव ने विद्यालय के कक्षों एवं परिसर का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों के मध्य विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय के 358 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान कबड्डी, खो-खो, टाइम सर्कल, ऑब्सटेकल तथा कंप्लीट सर्कल सहित विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, शारीरिक दक्षता, अनुशासन, टीम भावना एवं खेल भावना का विकास करना है। खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, परस्पर सहयोग तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वच्छता एवं खेल गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। साथ ही, विद्यार्थियों एवं जन भवन के अधिकारियों-कर्मचारियों के मध्य स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक सहभागिता के प्रति जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजाजीपुरम स्थित गौरीशंकर पार्क में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास आचार्य मनोज कृष्ण महाराज के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का रसपान कराया गया। कथा के क्रम में भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन, गोपियों एवं ब्रजवासियों के विरह, कंस वध, भगवान श्रीकृष्ण एवं बलराम के गुरुकुल गमन, उद्धव जी एवं गोपियों के संवाद तथा अक्रूर जी को हस्तिनापुर भेजे जाने सहित विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह का भव्य एवं धार्मिक आयोजन किया गया। विवाह उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विवाह प्रसंग के दौरान कथा स्थल भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। आयोजक विजय सिंह ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जैसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना और संस्कारों का प्रसार होता है।

चोरी का एक माह बाद भी खुलासा नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- पीड़ितों ने मुख्यमंत्री और डीजीपी को भेजा पत्र
- सीसीटीवी फुटेज खंगालने से लेकर चोरी के जेवर बरामद कराने की मांग

बख्शी का तालाब, लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के कठवारा गांव में अलग-अलग दिनों में हुई चोरी की दो घटनाओं का करीब एक माह बाद भी खुलासा नहीं होने पर पीड़ितों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डीजीपी को पत्र भेजकर जल्द कार्रवाई की गुहार लगाई है। दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। पीड़ितों ने विवेचना में तेजी लाने, चोरों की पहचान और गिरफ्तारी करने के साथ चोरी गए लाखों रुपये के जेवरात व नकदी बरामद कराने की मांग की है। कठवारा निवासी हरिभान सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया कि उनके घर में हुई चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित के मुताबिक चोर घर से 35 हजार रुपये नकद और करीब आठ लाख रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। उनका कहना है कि घटना के बाद पुलिस को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के बावजूद अब तक अज्ञात चोरों की पहचान और चोरी के सामान की बरामदगी नहीं हो सकी है।वहीं, कठवारा निवासी चंद्रभाल रावत पुत्र छोटे लाल के घर हुई चोरी के मामले में 17 अगस्त 2026 को अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। चंद्रभाल के मुताबिक उनके घर से 20 हजार रुपये नकद और करीब पांच लाख रुपये कीमत के जेवरात चोरी हुए हैं। उन्होंने पत्र में कहा है कि घटना को लगभग एक माह बीतने के बाद भी आरोपियों का पता नहीं चल सका है। दोनों पीड़ितों ने मुख्यमंत्री और डीजीपी को भेजे पत्र में घटना स्थल के आसपास तथा आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल सुरक्षित कराकर जांच कराने की मांग की है। साथ ही फुटेज के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की पहचान करने, मोबाइल व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने तथा उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया है।हरिभान सिंह ने चोरी के जेवरात की बरामदगी के लिए जेवर खरीदने-बेचने वाले ज्वैलर्स और अन्य संभावित स्थानों पर जांच कराने की मांग की है। वहीं चंद्रभाल रावत ने भी चोरी के सामान की बरामदगी के लिए प्रभावी सुरागरसी-पतारसी कराने की मांग की है।

पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने विवेचना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कराने, विवेचक को अज्ञात आरोपियों की जल्द पहचान और गिरफ्तारी के निर्देश देने तथा यदि विवेचना में लापरवाही या अनावश्यक देरी सामने आए तो संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण लेने की मांग की है। साथ ही वरिष्ठ अधिकारी से विवेचना की निगरानी कराने और प्रकरण में हुई कार्रवाई की जानकारी उन्हें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।दोनों शिकायतों में पीड़ितों ने आशंका जताई है कि देरी होने से चोरी का सामान खुर्द-बुर्द किया जा सकता है और महत्वपूर्ण साक्ष्य भी प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने मामले में समयबद्ध कार्रवाई कर अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी और चोरी की संपत्ति बरामद कराने की मांग की है।बीकेटी क्षेत्र में हाल के महीनों में चोरी की अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनमें ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

बीबीएयू में राजभाषा हिंदी उत्सव-2026 के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'राजभाषा हिंदी उत्सव-2026' के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं अभिरुचि को बढ़ावा देना तथा हिंदी के व्यापक प्रयोग के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार सिंह, डॉ. शिव शंकर यादव एवं डॉ. संध्या दीक्षित प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में हिंदी भाषा से संबंधित विभिन्न उपविषयों के साथ-साथ 'विकसित भारत' के संकल्प से जुड़े विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने विचार निबंध के माध्यम से प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने भाषा, समाज, शिक्षा, संस्कृति एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम समन्वयकों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए हिंदी भाषा के महत्व तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के विजेताओं को राजभाषा हिंदी उत्सव-2026 के समापन सत्र के दौरान सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति अपनी रचनात्मकता एवं विचारों को अभिव्यक्त करने का मंच प्राप्त हुआ।

रेजिमेंट ऑफ़ आर्टिलरी ने लखनऊ में 200वां गनर्स डे मनाया

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। रेजिमेंट ऑफ़ आर्टिलरी ने लखनऊ में अपना 200वां गनर्स डे मनाया। इस मौके पर देश के लिए बहादुरी, बलिदान, प्रोफ़ेशनलिज़्म और शानदार सेवा के दो सदियों के सफर का जश्न मनाया गया। इस खास मौके पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत, हेडक्वार्टर सेंट्रल कमांड के एमजी आर्टी, मेजर जनरल विक्रमजीत सिंह गिल ने रेजिमेंट ऑफ़ आर्टिलरी के पूर्व सैनिकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर 'स्मृतिका वॉर मेमोरियल' पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन बहादुर गनर्स को श्रद्धांजलि दी गई। जिन्होंने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया और आर्टिलरी के उन सैनिकों की पीढ़ियों की शानदार विरासत को सम्मान दिया जिन्होंने बेहतरीन तरीके से देश की सेवा की है।

शहीदे आज़म सरदार भगत सिंह की जयंती पर सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन ने प्रतिमा का स्वच्छता एवं माल्यार्पण किया

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अमर शहीद सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर पर सोमवार सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन द्वारा नेबरहुड पार्क में स्थित सरदार भगत सिंह की प्रतिमा की धुलाई एवं साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया। शहीद भगत सिंह के राष्ट्र के प्रति त्याग, साहस एवं बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन के अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह डी॰पी॰ ने कहा कि सरदार भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उनके विचार और उनका बलिदान देश की युवा पीढ़ी को सदैव राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे। इस अवसर पर फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखविंदरपाल सिंह , उपाध्यक्ष रणवीर सिंह कलसी , पूर्व पार्षद सरबजीत सिंह , मनमोहन सिंह मुनमुन, तेजपाल सिंह बग्गा एवं भूपेंद्र सिंह सोनू सहित अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

गांव-गांव रेकी कर बकरियां चुराते थे छह आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने गांव-गांव घूमकर बकरियों की रेकी करने और मौका देखकर उन्हें चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन बकरियां, बकरी बेचकर मिले 3300 रुपये तथा चोरी की वारदात में इस्तेमाल दो चार पहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी स्विफ्ट डिजायर और सियाज कार से गांवों में घूमकर बकरियों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे।पुलिस के अनुसार, हुलासखेड़ा गांव निवासी माता प्रसाद ने।बीते नौ सितंबर को तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर उनकी 13 बकरियां चोरी कर ले गए। इस मामले में मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा बीते शनिवार को मोहनलालगंज के भसंडा गांव निवासी नंदकिशोर ने तीन बकरियां चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों मामलों के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई थीं। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ की जिसमें चोरी करने की बात कबूली पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र और मैनुअल जांच के आधार पर चंद्रप्रकाश, शुभम, अनस, विकास उर्फ नन्हके, गोलू भारती और अमन रावत को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे स्विफ्ट डिजायर और सियाज कार से दिन-रात गांवों में घूमते थे। घरों के बाहर और अंदर बंधी बकरियों की रेकी करने के बाद आपस में योजना बनाकर उन्हें दोनों कारों में लादकर चोरी कर लेते थे। चोरी की बकरियों को आरोपी अनस की दुकान पर बेचते थे और उससे मिलने वाली रकम आपस में बांट लेते थे।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में अनस के खिलाफ एक, विकास उर्फ नन्हके के खिलाफ एक, अमन रावत के खिलाफ दो और गोलू भारती के खिलाफ नौ मुकदमे पहले से दर्ज हैं। गोलू भारती के खिलाफ चोरी समेत गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा भी दर्ज बताया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। वही एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बकरी चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई। जांच में छह आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से तीन बकरियां, 3300 रुपये और वारदात में प्रयुक्त दो कारें बरामद हुई हैं। अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता और गिरोह से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय उद्योग इंटर कॉलेज जाने वाले रास्ते पर घुटनों तक जलभराव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट। लगातार दो दिनों हुई बारिश ने चिनहट के देव रोड स्थित राष्ट्रीय उद्योग इंटर कॉलेज की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। बारिश के बाद कॉलेज परिसर तक जाने वाले रास्ते पर भारी जलभराव हो गया है। स्थिति यह है कि छात्र-छात्राओं को घुटनों तक भरे पानी के बीच से होकर स्कूल पहुंचने को मजबूर होना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय उद्योग इंटर कॉलेज क्षेत्र का प्रमुख शिक्षण संस्थान है, जहां आसपास के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। ऐसे में स्कूल तक पहुंचने वाले रास्ते पर जलभराव होने से सबसे अधिक परेशानी इन्हीं विद्यार्थियों को उठानी पड़ रही है। दो दिनों की बारिश के बाद देव रोड से कॉलेज की ओर जाने वाला रास्ता पूरी तरह पानी में डूब गया है। जलभराव के कारण जिन छात्रों के पास साइकिल या अन्य साधन हैं, वे किसी तरह पानी को पार कर स्कूल पहुंच रहे हैं। वहीं पैदल आने वाले छात्र-छात्राओं की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कई

बच्चे देव रोड मुख्य सड़क के किनारे खड़े होकर पानी कम होने या किसी साधन के मिलने का इंतजार करते नजर आए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान हर वर्ष क्षेत्र में जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। इस बार भी महज दो दिनों की बारिश ने रास्ते को तालाब में तब्दील कर दिया है। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में जलभराव को लेकर नाराजगी है। उनका कहना है कि बच्चों को पानी से होकर स्कूल भेजना उनकी मजबूरी बन गई है।

हथियारों एवं उपकरणों को आम जनता के दर्शनार्थ रखे जायेंगे

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय सेना से सेवामुक्त रक्षा सामग्रियों, हथियारों तथा उपकरणों को जन दर्शनार्थ स्थापित किये जाने हेतु प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुरोध किया था। भारत सरकार रक्षा मंत्रालय ने पर्यटन मंत्री के अनुरोध पर कतिपय औपचारिकताएं पूरा करने की अपेक्षा की है, जिसके संबंध में अग्रेतर कार्रवाई शासन स्तर पर की जा रही है। रक्षा उपकरणों के प्रमुख स्थलों पर स्थापित किये जाने से सेना के गौरव, शौर्य एवं पराक्रम से आम जनता प्रेरणा प्राप्त करेगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने सोमवार को देते हुए बताया कि उन्होंने 04 जुलाई 2026 को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा विकसित महत्वपूर्ण स्थानों पर भारतीय सेना से सेवामुक्त रक्षा सामग्रियों, हथियारों एवं उपकरणों को आम जनता के दर्शनार्थ रखे जाने का प्रस्ताव किया था। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर रक्षा सामग्रियों को दर्शनार्थ रखे जाने का अनुरोध किया गया था, उसमें समौर बाबा धाम, करहरा जनपद फिरोजाबाद, राष्ट्र प्रेरणा स्थल लखनऊ, वॉर मेमोरियल पार्क कैण्टोनमेंट, जनपद वाराणसी, गौरव संग्रहालय गोरखपुर तथा सांस्कृतिक केन्द्र जनपद मैनपुरी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने सामग्रियों को स्थापित करने को लेकर कतिपय औपचारिकता पूरी करने की अपेक्षा की है। शासन द्वारा संयुक्त निदेशक पर्यटन लखनऊ, वाराणसी तथा गोरखपुर को निर्देश दिए हैं कि संस्थाओं/पर्यटन स्थलों के संबंध में तत्काल आवश्यक कार्यवाही कराते हुए महानिदेशक पर्यटन के माध्यम से शासन को अवगत करायें। इसके अलावा क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आगरा मण्डल से भी कहा गया है कि भारत सरकार के पत्र में उठाये गये बिन्दुओं पर संस्थाओं/पर्यटन स्थानों के संबंध में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।

महिला पुलिस टीम ने इंटर कॉलेज पहुंचकर बालिकाओं को छेड़छाड़, साइबर अपराध और उत्पीड़न से बचाव के बताए उपाय

छात्राओं को सुरक्षा का पाठ, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को निगोहां कस्बे में महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने एक इंटर कॉलेज में छुट्टी के दौरान छात्राओं को एकत्र कर महिला सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को बताया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, धमकी अथवा किसी भी तरह की परेशानी होने पर घबराने या चुप रहने के बजाय तत्काल पुलिस की मदद लेनी चाहिए। छात्राओं को उनके अधिकारों और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। इस दौरान टीम ने 1090 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में बताया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि आपात स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देकर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी जागरूक किया। अनजान लोगों से मोबाइल पर निजी जानकारी साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने और सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। छात्राओं से किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय परिजनों और पुलिस को तत्काल जानकारी देने की अपील की गई। पुलिस टीम ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना है। पुलिस की ओर से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

स्कूलों में पहुंची महिला पुलिस, बताए सुरक्षा के उपाय

नगराम, लखनऊ। डीसीपी मो. मुश्ताक के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को नगराम थाना क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में महिला पुलिस टीम ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

पुलिसकर्मियों ने छात्राओं, छात्रों और शिक्षकों से संवाद कर महिला सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। महिला पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, धमकी अथवा किसी अन्य परेशानी की स्थिति में चुप न रहें और तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना दें। बालिकाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े अधिकारों के साथ सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में भी जागरूक किया गया।

इस दौरान 1090 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन समेत अन्य महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने शिक्षकों से भी विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या की तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। महिला पुलिसकर्मियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनमें आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाना है।

ट्रक में स्कूटी सवार ने मारी जोरदार टक्कर, युवक गंभीर

चिनहट लखनऊ। किसान पथ पर लौलाई कट के पास सोमवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से स्कूटी सवार युवक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान नैतिक के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नैतिक नूरपुर बेहटा में अपने मामा के साथ रहता है। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग जुट गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद हाईवे किनारे ट्रक खड़ा किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक मौके पर अधिकृत पार्किंग जोन नहीं होने के बावजूद ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। ऐसे में रात के समय तेज रफ्तार वाहनों के लिए यह स्थिति हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसा किस परिस्थिति में हुआ और ट्रक हाईवे किनारे किस कारण खड़ा था, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

पिलर टूटा तो खाली करानी पड़ी पूरी बिल्डिंग, वजीरगंज में एसए अपार्टमेंट सील,एलडीए की टीम ने लिया जायजा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। वजीरगंज के बारूदखाना में एसए अपार्टमेंट के भूतल का एक पिलर क्षतिग्रस्त हो गया। पिलर में नुकसान की सूचना मिलते ही एलडीए की टीम मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर पूरी बिल्डिंग खाली करा दी। एलडीए सचिव सुशील प्रताप सिंह, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा और जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी। इसके बाद सुरक्षा के लिए बिल्डिंग को सील कर दिया गया। जांच में पता चला कि इस बिल्डिंग का नक्शा वर्ष 2009 में पास हुआ था। अब पिलर के क्षतिग्रस्त होने की वजह की जांच की जा रही है और सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

अतिवृष्टि प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार, जल्द मिलेगा मुआवजा : नितिन अग्रवाल

प्रभारी मंत्री ने 400 बाढ़ प्रभावित परिवारों को बांटी राहत किट, फसल क्षति का तत्काल सर्वे कराने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए शासन-प्रशासन ने प्रयास तेज कर दिए हैं। तहसील सदर, ब्लॉक नकहा के रवही स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र में जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक योगेश वर्मा, जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसएसपी डॉ ख्याति गर्ग, सीडीओ योगानंद पाण्डेय, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह की मौजूदगी में ग्राम रोलिया, केवलपुरवा आदि ग्रामों के 400 बाढ़ प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न किट, लंच पैकेट का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कई वर्षों बाद इतनी भीषण बारिश हुई है। संकट की इस घड़ी में सरकार प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट तैयार होते ही पात्र किसानों के खातों में मुआवजे की धनराशि भेजी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित गांवों में ब्लीचिंग पाउडर और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव कराने तथा पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कोटेदारों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को निर्बाध राशन उपलब्ध कराने के साथ ही कच्चे और जर्जर मकानों में रह रहे लोगों को पंचायत भवन, स्कूल या अन्य सुरक्षित पक्के भवनों में शिफ्ट कराने को कहा। प्रभारी मंत्री ने क्षेत्रीय विधायक योगेश वर्मा की सक्रियता की भी सराहना की। विधायक योगेश वर्मा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत कार्यों के लिए तहसील प्रशासन की तत्परता की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को लंच पैकेट के साथ करीब 15 दिवस का राशन किट उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2017 के बाद बाढ़ नियंत्रण के लिए रेहरिया, नौवापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं पर कार्य कराया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का निष्पक्ष आकलन कराकर पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाना प्राथमिकता है। सरकार की राहत योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि और प्रशासन समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम में एसडीएम सदर/ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चेलवा राजू आर, तहसीलदार मुकेश कुमार, ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ता सहित राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। .ये सामग्री होगी राहत किट में शामिल

राहत किट में लाई (2.5 किलो), चना (भुना व कच्चाऽ 2-2 किलो), चीनी (1 किलो), बिस्कुट (10 पैकेट), माचिस व मोमबत्ती (प्रत्येक 1 पैकेट), नहाने का साबुन (2 अदद), 18 लीटर की ब्रांडेड बाल्टी (ढक्कनदार), त्रिपाल (12ब10 फीट, न्यूनतम मोटाई 110 ब्व्ह्र), आटा-चावल (प्रत्येक 10 किलो), अरहर दाल (2 किलो), आलू (10 किलो), हल्दी (200 ग्राम), मिर्च पिसी (100 ग्राम), सब्जी मसाला (200 ग्राम), तेल (1 लीटर), नमक (1 किलो), सैनिटरी पैड (20 अदद), कपड़े धोने का साबुन (2 अदद), तौलिया (1), सूती कपड़ा (1 मीटर), डिस्पोजेबल बैग (20 अदद), मग (1 अदद), डेटाल/सेवलॉन (100 मि.ली.) जैसी जरूरी वस्तुएं होंगी।

पलिया जिला बनाने की मांग को लेकर भाजपा नेता रवि गुप्ता का बड़ा बयान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलिया खीरी। चंदन चौकी क्षेत्र के ग्राम गुबरौला स्थित श्री ठक्कर बाबा आश्रम पद्धति विद्यालय में अमर शहीद भगत सिंह की जन्म जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा नेता रवि गुप्ता ने शहीद भगत सिंह के जीवन, संघर्ष और देश के लिए दिए गए बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

रवि गुप्ता ने कहा कि अमर शहीद भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका त्याग और राष्ट्रप्रेम देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। देश ऐसे महान क्रांतिकारी का हमेशा ऋणी रहेगा, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान पलिया को जिला बनाए जाने की मांग को भी भाजपा नेता ने प्रमुखता से उठाया। मंच से संबोधित करते हुए रवि गुप्ता ने कहा कि पलिया को जिला बनाया जाना पलिया विधानसभा क्षेत्र की सम्मानित जनता का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि पलिया क्षेत्र लंबे समय से जिला बनाए जाने की मांग कर रहा है। उनका दावा है कि कुछ भी बाधाएं सामने आएं, पलिया को जिला बनाने की मुहिम जारी रहेगी और हर हाल में जिला बनाकर ही दम लिया जाएगा।

रवि गुप्ता ने कहा कि पलिया के जिला बनने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार से आम जनता को लाभ मिलेगा और क्षेत्र के समग्र विकास का रास्ता और अधिक मजबूत होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी पलिया को जिला बनाए जाने की मांग का समर्थन किया। शहीद भगत सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में देशभक्ति और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से चर्चा में रहे।

आंधी–बारिश से चरमराई बिजली व्यवस्था, 30 से अधिक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। आफत की आंधी और लगातार हुई बारिश ने क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तेज हवा और बारिश के चलते एक हजार से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से विद्युत पोल और तार टूट गए, जबकि 30 से अधिक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है।

विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने दिन-रात जुटकर करीब 100 गांवों की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, लेकिन मुख्य लाइनों को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 900 गांवों की आपूर्ति अभी भी प्रभावित बताई जा रही है। बारिश और तेज हवा थमने के करीब 30 घंटे बाद भी बड़ी संख्या में ग्रामीण बिजली का इंतजार कर रहे हैं।

ईसानगर हाईवे समेत कई प्रमुख मार्गों पर भी विद्युत पोल गिरने से आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी। कई जगह टूटे तार और पोल सड़क किनारे पड़े दिखाई दिए। विभागीय कर्मचारी लगातार पेट्रोलिंग कर क्षतिग्रस्त लाइनों, तारों और पोलों को दुरुस्त करने में जुटे हैं।

उधर, आंधी-बारिश के कारण कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। कई स्थानों पर पेड़ घरों के ऊपर गिरने से ग्रामीणों को नुकसान और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और विद्युत विभाग से जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है।

विद्युत विभाग का कहना है कि क्षतिग्रस्त लाइनों और उपकरणों को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और कर्मचारियों की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रही हैं। एसडीओ देवेंद्र कुमार ने बताया कि तेज हवा और लगातार हुई तेज बारिश के चलते, पेड़ो के गिरने से सैकड़ों विद्युत पोल और 30 से अधिक ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं , सैकड़ों गांवों की विद्युत व्यवस्था सामान्य हो गई है और विद्युत कर्मचारी लगातार पेट्रोलिंग करते हुए विद्युत व्यवस्था बहाल करने में जुटे हुए हैं, जल्द ही सभी गांवों में विद्युत व्यवस्था सामान्य हो जाएगी ।

सीतापुर में बाढ़ के बीच बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन केशव ग्रीन सिटी से लोगों को सुरक्षित निकाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। घटना का विवरणः हाल ही में सरायन नदी के जलस्तर में हुई अभूतपूर्व एवं अप्रत्याशित वृद्धि के कारण थाना रामकोट क्षेत्रान्तर्गत स्थित केशव ग्रीन सिटी में अचानक बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए। देखते ही देखते संपूर्ण कॉलोनी जलमग्न हो गई और सैकड़ों जिंदगियां जलभराव के बीच अपने घरों में कैद होकर संकट में फंस गईं। पानी का स्तर पल-पल बढ़ रहा था, जिससे कालोनी में स्थित पूरे परिवार की जान जोखिम में थी।

त्वरित एवं साहसिक रेस्क्यू- सूचना मिलते ही बिना एक सेकंड का समय गंवाए ,पुलिस अधीक्षक सीतापुर के प्रत्यक्ष नेतृत्व में त्वरित प्रतिक्रिया एवं पुलिस बल तैनातीः- थानाध्यक्ष रामकोट श्री पीयूष सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल, चौकी प्रभारी मधुवन बिहार उप-निरीक्षक हर्षित सिंह, आरक्षी विशाल, का0 गौतम गुप्ता, का0 विकल्प सिंह, का0 अजय, का0 अमित कश्यप व फायर ब्रिगेड, पीआरवी 112 तथा गक्ट्क्क (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) और ट्क्ट्क्क (राज्य आपदा मोचन बल) की विशेष आपदा राहत टुकड़ियों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। रात-दिन, मूसलाधार स्थिति और उफनते पानी की परवाह किए बिना रेस्क्यू टीमों के जांबाज जवानों ने अदम्य साहस, समर्पण और मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश की चारों तरफ पानी से घिरे मकान में घुसकर पुलिस टीम ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थानीय लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाला। ऑपरेशन की मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां- 100% सफल रेस्क्यूः- मोटर बोट्स, लाइफ जैकेट्स और अत्याधुनिक रेस्क्यू उपकरणों के सहारे जलमग्न घरों में फंसे बुजुर्गों, महिलाओं, बीमारों,मासूम बच्चों तथा पालतू जानवरों(कुत्तों) को अत्यंत सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला गया। (24ब7) राहत कार्यः- कमर तक से ऊपर बहते पानी और भयंकर कटान के बीच जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित तट तक पहुंचाया। पूर्ण देख-रेख व राहत शिविरः सुरक्षित निकाले गए सभी निवासियों को उच्चस्तरीय राहत शिविरों में पहुंचाया गया, जहां भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा एवं बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री का तत्काल प्रबंध किया गया। आम जनमानस से अपील- क्षेत्र में अन्य नागरिकों को भी जलस्तर के प्रति सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। मौके पर स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं शांत है। नदियों व जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाएंः सरायन नदी व अन्य निचले इलाकों के पास जाने से बचें। बच्चों व मवेशियों को पानी के बहाव से दूर रखें। अफवाहों पर ध्यान न देंः बाढ़ या जलभराव से जुड़ी किसी भी भ्रामक जानकारी को शेयर न करें, केवल अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करें। आपात स्थिति में तुरंत संपर्क करेंः- यदि आपके आसपास जलस्तर अचानक बढ़ता है या कोई संकट में फंसता है, तो तत्काल डायल 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) या फायर ब्रिगेड को सूचित करें।

केले की खड़ी फसल काटने का आरोप किसान को डेढ़ लाख का नुकसान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। थाना धौरहरा क्षेत्र के ग्राम बरगदहा कारौहा में केले की खड़ी फसल काटकर नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। किसान ने दो लोगों पर करीब डेढ़ लाख रुपये की फसल नष्ट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। किसान ने मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित किसान के मुताबिक उसके करीब एक एकड़ खेत में केले की हरी-भरी फसल तैयार खड़ी थी। आरोप है कि 27 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे गांव निवासी विजय और विनीत पुत्र राधेश्याम यादव खेत पर पहुंचे और केले के पौधे काटने लगे। किसान का आरोप है कि दोनों ने काफी संख्या में पौधे काट दिए। इसके साथ ही पौधों को सहारा देने के लिए लगाई गई रस्सियां भी काट दी गईं।

किसान के अनुसार फसल तैयार होने के कारण उसे अच्छी आमदनी की उम्मीद थी, लेकिन फसल काटे जाने से उसे करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर जब किसान के पिता छोटकन्न खेत पहुंचे तो आरोप है कि उन्हें भी धमकी दी गई। पीड़ित अंकित पुत्र छोटकन ने पुलिस से खेत का मौका-मुआयना कराकर नुकसान का आकलन कराने और मामले में नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। किसान का कहना है कि खेती में लगाई गई लागत और महीनों की मेहनत के बाद तैयार फसल नष्ट होने से उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मामले में हल्का इंचार्ज अरुण तिवारी ने बताया कि किसान की तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही फसल काटे जाने और नुकसान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर मिलेगा अनुदान : सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । जिला उद्यान अधिकारी रणविजय सिंह ने जनपद के आलू उत्पादक किसानों को जानकारी देते हुये बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषक हित में निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार पर अनुदान प्रदान किए जाने की योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत निजी शीतगृहों में आलू भण्डारित करने वाले पात्र किसानों को भण्डारण प्रभार पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रति कृषक अधिकतम दो हेक्टेयर क्षेत्रफल एवं दो सौ कुन्तल आलू के भण्डारण पर एक सौ रुपये प्रति कुन्तल की दर से अनुदान देय होगा। योजना का लाभ पट्टाधारक कृषकों को भी मिलेगा। भण्डारित आलू की निकासी के उपरांत ही अनुदान राशि देय होगी। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि परिवार रजिस्टर एवं भू-अभिलेखों के आधार पर पात्रता निर्धारित की जाएगी तथा सहायता राशि लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। परिवार के सदस्यों को भू-अभिलेख में दर्ज रकबे के अनुसार पृथक-पृथक अनुदान का लाभ प्रदान किया जायेगा। योजना का लाभ लेने के लिये किसानों को आधार कार्ड अथवा कृषक आईडी के माध्यम से ई-केवाईसी, बैंक पासबुक चेकबुक की छायाप्रति, अद्यतन खसरा-खतौनी, शीतगृह द्वारा जारी आमद रसीद, भण्डारण रसीद, भण्डारण प्रभार भुगतान रसीद, निकासी रसीद एवं गेट पास सहित अन्य आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि जिन किसानों ने निजी शीतगृहों में आलू भण्डारित किया है वे पन्द्रह अक्टूबर तक संबंधित कोल्ड स्टोरेज पर जाकर अथवा ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन अवश्य करा लें, ताकि सहायता राशि समय से उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा सके।

मिड–डे मील खाद्यान्न कालाबाजारी मामले में वांछित फरार अभियुक्तों पर इनाम घोषित

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सीतापुर के थाना रामकोट क्षेत्र के अंतर्गत मिड–डे मील योजना के खाद्यान्न की कालाबाजारी और हेराफ़ेरी करने के आरोपी ठेकेदारों पर पुलिस का शिकंजा कस गया है। मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो मुख्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा 20,000 – 20,000 रुपये की इनामी राशि घोषित की गई है। थाना रामकोट पर मु0अ0सं0 256/2026, धारा 316(5) भारतीय न्याय संहिता (उगट्ट) एवं धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। वांछित/फरार अभियुक्तों का विवरणः 1.रवि मिश्रा पुत्र दयाशंकर मिश्रा (निवासीः ग्वाल मण्डी, थाना कोतवाली नगर, जनपद सीतापुर) 2.मंजू मिश्रा पत्नी रवि मिश्रा (निवासीः ग्वाल मण्डी, थाना कोतवाली नगर, जनपद सीतापुर) पुलिस कार्रवाई व पुरस्कार की घोषणाः पुलिस रेगुलेशन के प्रस्तर 464(क) में निहित प्रावधानों के अनुसार पुलिस अधीक्षक सीतापुर, अंकुर अग्रवाल द्वारा उक्त फरार अभियुक्तों को बंदी बनाने या बंदीकरण में सहयोग करने हेतु सही सूचना देने वाले व्यक्ति को प्रत्येक अभियुक्त पर रु0 20,000/– की धनराशि से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

नेता प्रतिपक्ष जासमीर अंसारी के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, सपा प्रदेश सचिव कुमुद लता ने समर्थकों संग सिधौली में दिखाया दम

सिधौली/सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष मनोनीत होने के बाद पहली बार गृह जनपद सीतापुर आ रहे मोहम्मद जासमीर अंसारी का सिधौली बॉर्डर पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में 153 मिश्रिख विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव व प्रबल दावेदार कुमुद लता के नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ों समर्थकों ने नेता प्रतिपक्ष को फूलों का हार पहनाकर बधाई दी। राजनैतिक गलियारों में कुमुद लता के इस भारी शक्ति प्रदर्शन को मिश्रिख सीट पर उनकी मजबूत दावेदारी के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान कुमुद लता के साथ मुख्य रूप से वरिष्ठ सपा नेता शिव कुमार यादव, जयकरण राजवंशी सहित क्षेत्र के तमाम सम्मानित पदाधिकारियों और भारी संख्या में आए समर्थकों ने गगनभेदी नारों के बीच मोहम्मद जासमीर अंसारी का जोरदार अभिनंदन कर स्वागत को ऐतिहासिक बनाया।

तीन सौ बिजली पोल क्षतिग्रस्त, 11 फीडरो के 1500 गांवों में अंधेरा

धौरहरा कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के आई आंधी पानी के चलते ईसानगर बेल्तुआ अदलीशपुर, कफारा परौरी , धौरहरा सहित 11 फीडरो के करीब 300 बिजली के खम्भे गिरने से ईसानगर, हसनापुर कटौली, बिरसिंहपुर , चिंतापुरवा, शिवपुर, संडौरा, रूद्रपुर सालिम, बेल्तुआ अदलीशपुर, गनेश पुर रायपुर सहित 1500 गांवों में बीते पांच दिनों से बिजली नहीं है। कटौली गांव निवासी रघुवीर, कुलदीप आदि ग्रामीणों ने बताया बिजली न होने से मोबाइल तक चार्ज नहीं हो पा रहा। एसडीओ देवेंद्र कुमार ने बताया क्षेत्र के करीब 300 एलटी और एचटी पोल टूट चूके है कई ट्रास्टफार्मर? भी पोल सहित गिर चुके हैं, काम चल रहा है, धौरहरा और कफारा की सप्लाई सही हो चुकी है। शेष में अभी करीब छह दिन का समय लगेगा, उपभोक्ता धैर्य बनाये रखे।

भूमि विवाद में कब्जे का विरोध करने पर मारपीट का आरोप

महराजगंज,रायबरेली कैनविज टाइम्स संवाददाता। चांदापुर थाना क्षेत्र के भुकवा गांव मजरे टीसाखानापुर निवासी राम कुमारी पत्नी रामबहादुर विश्वकर्मा ने भूमि विवाद को लेकर विपक्षी पर जबरन कब्जा करने, गाली–गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर रिपोर्ट दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में राम कुमारी ने बताया कि उसके पति के नाम की भूमि पर विपक्षी द्वारा कथित रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप है कि विपक्षी की दीवार गिरने के बाद उसका मलबा और मिट्टी भी पति की भूमि पर आ गई। इसका विरोध करने पर विपक्षी ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए दौड़ा लिया। पीड़िता ने घर में तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया है।

पीड़िता का कहना है कि भूमि पर जबरन कब्जे के प्रयास और विवाद के चलते उसका परिवार भयभीत है। उसने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपित के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि भूमि विवाद से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाल सुरक्षा को लेकर खीरी पुलिस की अहम पहल, SJPU और AHT की मासिक समन्वय बैठक में कई मुद्दों पर मंथन

बाल श्रम, बाल विवाह, गुमशुदा बच्चों और भिक्षावृत्ति की रोकथाम पर जोर; पॉक्सो मामलों में 24 घंटे के भीतर एडए को सूचना देने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण और बाल अपराधों की प्रभावी रोकथाम को लेकर सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन खीरी के संगोष्ठी कक्ष में SJPU (विशेष किशोर पुलिस इकाई) एवं AHT थाना की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) के संरक्षण तथा क्षेत्राधिकारी लाइन्स अभिमन्यु त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बाल कल्याण समिति (एडए) के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह, शिक्षा विभाग से सुनील कुमार, श्रम विभाग की श्रम परिवर्तन अधिकारी प्रियंका वर्मा, डीपीओ कार्यालय के संरक्षण अधिकारी अनुज चतुर्वेदी, काउंसलर कय्यूम जरवानी, चाइल्ड लाइन खीरी की अंजुम परवीन, वन स्टॉप सेंटर मोहम्मदी की प्रिया तिवारी समेत विभिन्न विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

इसके अलावा एम ट्रस्ट से जोगिंदर एवं अमित कुमार, मानव सेवा संस्थान गौरीफंटा से महेश कुमार राणा, मानव सेवा संस्थान तिकुनिया से अवधेश कुमार, जीआरपी लखीमपुर खीरी से हेड कांस्टेबल नरेंद्र गंगवार तथा बाल कल्याण अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पूर्व में जारी कार्यवृत्त में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों (CWPO) के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव और समाधान के बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में पीड़ित बच्चों को आवश्यक सहायता एवं आश्वासन देने, गुमशुदा बच्चों की तलाश, बाल श्रम की रोकथाम, नशा मुक्ति अभियान, बाल विवाह रोकने और बाल भिक्षावृत्ति पर प्रभावी कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का समय से पालन करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत होने के बाद 24 घंटे के भीतर बाल कल्याण समिति (CWC) को सूचना उपलब्ध कराने तथा संबंधित प्रपत्रों को समय से भेजने के संबंध में चर्चा की गई।

पॉक्सो मामलों में फॉर्म-ए और फॉर्म-बी को पुलिस द्वारा नियमानुसार भरकर संबंधित स्तर पर समय से भेजे जाने तथा बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किए जाने पर भी विचार किया गया। बैठक में किशोर न्याय अधिनियम-2015 के तहत सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट, किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पुलिस अधिकारियों द्वारा रिमांड की प्रक्रिया तथा आवश्यकतानुसार सादे वस्त्रों में उपस्थित होने सहित विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही जे.जे. एक्ट की धारा 24 समेत अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुपालन पर भी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया गया। अधिकारियों ने बच्चों को नशे से दूर रखने, बाल विवाह रोकने, बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा लैंगिक समानता और नारी शक्ति से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि विभिन्न विभाग और संबंधित संस्थाएं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि बच्चों से संबंधित मामलों में पीड़ितों को समय से सहायता और संरक्षण मिल सके।

पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों को माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त बेल नोटिस की जानकारी बाल कल्याण समिति तथा वादी/पीड़िता तक निर्धारित समय में उपलब्ध कराने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों और पुलिस इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए बाल अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों के संरक्षण और कानूनी प्रक्रियाओं का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करना रहा।

अभिगांव में गोवंश की मौत के मामले में केयर टेकर गिरफ्तार, ब्यौर में संचालक समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। दो गोशालाओं में गोवंश की मौत के मामले में एक के केयरटेकर को गिरफ्तार किया गया है। दो एनजीओ संचालकों पर भी रिपोर्ट दर्ज हुई है। उन पर सरकारी धन के दुरुपयोग और गोवंशों के प्रति क्रूरता के आरोप हैं। पुलिस जांच कर रही है। आपको बता दें कि बारिश के दौरान उसावां थाना क्षेत्र के अभिगांव स्थित एनजीओ संचालित गोशाला में 74 गोवंशों की मौत के मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर केयर टेकर दानवीर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, ब्योर की गोशाला में गोवंशों की मौत के मामले में बिनावर पुलिस ने एनजीओ संचालक व केयरटेकर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दोनों मामलों में सरकारी धन के दुरुपयोग और गोवंशों के प्रति क्रूरता करने के आरोप लगाए गए हैं। प्रशासन ने दोनों गोशालाओं में 34 गोवंशों की मौत पुष्टि की है। ग्राम पंचायत अधिकारी नोसी परवीन ने थाना उसावां में दी तहरीर में बताया कि गांव की अस्थायी गोशाला का संचालन 1 जनवरी 2026 से शारदा सेवा समिति (एनजीओ) की ओर से किया जा रहा है। संचालक प्रियंक कौशिक और केयरटेकर दानवीर हैं। तहरीर के अनुसार 26 सितंबर को गोशाला में 428 गोवंश मौजूद थे, जिनके रख-रखाव के लिए सरकार की ओर से प्रति गोवंश 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाता है। इस हिसाब से प्रतिदिन 21,400 रुपये और प्रति माह 6,42,000 रुपये की धनराशि दी जाती है। आरोप है कि संचालकों ने सरकारी धन का दुरुपयोग किया और क्षमता से अधिक गोवंश रखकर उनकी उचित देखभाल नहीं की। बारिश से बचाव के कोई प्रबंध नहीं किए गए। 27 सितंबर को लगातार बारिश और चारा-पानी न मिलने से 20 गोवंशों की मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गोवंश के प्रति क्रूरता और सरकारी धन के गबन की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। मामले की जांच एसआई सुनील कुमार चौधरी को सौंपी गई है। ग्राम पंचायत ब्योर के प्रशासक तनजीम अली ने थाना बिनावर में तहरीर देकर बताया कि गांव में जन कल्याण एवं विकास समिति (एनजीओ) की ओर से अस्थायी गोशाला का संचालन किया जा रहा है। बताया कि 26 सितंबर गोशाला में 223 गोवंश मौजूद थे, जिनके लिए प्रति गाय 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाता है। संचालक 21 नवंबर 2025 से गोशाला चला रहा है। आरोप है कि संचालक ने क्षमता से अधिक गोवंश रखकर उचित देखभाल नहीं की और मौसमी प्रकोप से बचाव के कोई इंतजाम नहीं किए। 27 सितंबर को लगातार बारिश और चारा-पानी न मिलने से 14 गोवंशों की मौत हो गई। सरकारी धन के दुरुपयोग और गोवंशों के प्रति क्रूरता का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मतदाता सूची मुद्दे पर कांग्रेस का विरोध मार्च, पुतला दहन कर जताया आक्रोश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर में विरोध मार्च निकाला। मार्च केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर कोतवाली, फल मंडी चौराहा और स्टेशन तिराहा होते हुए पुनः कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुआ।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के विरोध में नारेबाजी की तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया। कुछ समय के लिए कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर प्रदर्शन भी करते रहे। कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में किए गए बदलावों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समीक्षा की मांग उठाई।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मतदाता अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री आशीष शुक्ला, राधेश्याम धोबी, राजीव सिंह, विजय पासी, ओमप्रकाश द्विवेदी, अरविंद चतुर्वेदी, धर्मेंद्र शुक्ला, नरेंद्र मिश्रा, विनोद कुमार मिश्र, प्रदेश यूथ महासचिव आकर्ष शुक्ला, कपिल पांडेय, सूर्यभान तिवारी, अर्जुन पासी, प्रवक्ता अनिल सिंह, राम लखन शुक्ला, बृजेश मिश्र, शुभम सिंह, राकेश मौर्य, सौरभ मिश्रा, विजेंद्र सिंह लोहा, शकील इदरीशी, राजू पंडित, महेश तिवारी, सौरभ सिंह, राजीव लोचन तिवारी, अशोक शुक्ला और अंबेश शुक्ला सहित कांग्रेस सेवादल, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन तथा किसान कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुंशीगंज/अमेठी। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान 60 वर्षीय महिला श्यामपता की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकीय स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा कर निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों के अनुसार, श्यामपता को शुगर की समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और कुछ देर बाद अस्पताल प्रशासन ने मौत की सूचना दी। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर मामला शांत कराया। परिजनों ने मौत के कारणों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, अस्पताल प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नीलगाय और छुट्टा गोवंश बने किसानों के लिए मुसीबत, बारिश ने बढ़ाई चिंता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भेटुआ/अमेठी। भेटुआ विकासखंड क्षेत्र के घटकौर, शीतलादीन का पुरवा, मई और घटकौर महना समेत दर्जनों गांवों में नीलगायों और छुट्टा गोवंशों के आतंक से किसान परेशान हैं। फसलों को बचाने के लिए किसान बारिश के बीच रात में खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं।

किसानों का कहना है कि नीलगाय और छुट्टा गोवंश खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लगातार हो रही बारिश से स्थिति और गंभीर हो गई है। कई किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान की आशंका सता रही है।

किसान रामजतन ट्रेलर, सियाराम प्रजापति, प्रहलाद कन्नौजिया, महेश, अर्जुन, द्वारिका और महेंद्र समेत दर्जनों किसानों ने प्रशासन से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था कराने तथा बारिश से प्रभावित किसानों को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वार्ड-34 सूर्यभान तिवारी ने कहा कि किसानों की फसलें बचाने के लिए नीलगाय और छुट्टा गोवंश की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। वहीं प्रधान प्रत्याशी रविन्द्र सिंह रवि ने कहा कि बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को शीघ्र सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए।

नव नियुक्त पदाधिकारियों का किया स्वागत

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षत्रिय महासभा बदायूं एवं महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के तत्वावधान में महासभा के नव नियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत का कार्यक्रम क्षत्रिय सैनिक सभा के संरक्षक विजय रतन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। स्वागत समारोह में वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा क्षत्रिय महासभा बदायूं के नव नियुक्त संरक्षक विजय कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष दीपक चौहान , जिला महासचिव दिनेश सिंह एडवोकेट , जिला उपाध्यक्ष क्षत्रिय शिक्षक सभा हरेन्द्र सिंह वत्स, तहसील अध्यक्ष बदायूँ शोभित तोमर, मीनेश राघव, नेत्रपाल सिंह , अनिल कुमार सिंह , धीरेन्द्र सिंह चौहान , सुनील राणा एडवोकेट, पवन कुमार सिंह, राजेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह व प्रदीप कुमार सिंह को माला व अंग वस्त्र भेटकर स्वागत किया गया तथा समाज हित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया गया। साथ ही विजयदशमी के अवसर पर आयोजित होने वाले शस्त्र पूजन समारोह सह दशहरा सभा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। समारोह को भव्यता प्रदान करने हेतु पदाधिकारियों को तहसीलवार जिम्मेदारी सौंपी गई। स्वागत समारोह में प्रमुख रूप से महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह राठौड़ एडवोकेट, क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश कोषाध्यक्ष डा सुशील कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष राकेश सिंह, संरक्षक सैनिक सभा विजय रतन सिंह, जिला संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ सनी चौहान, प्रदीप सिंह चंदेल, रघुपाल सिंह, सुरेश सिंह सिसौदिया, महीपाल सिंह तोमर, राजपाल सिंह राठौड़, सुरेश पाल सिंह चौहान आदि की सहभागिता रही।

सेवा संकल्प अभियान के 'आंगन उत्सव' में महिलाओं का सम्मान, आंगनवाड़ी केंद्रों पर हुए विविध आयोजन

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित 'आंगन उत्सव' के जनपद के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों पर सेवा, सम्मान और जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं स्वयं सहायता समूह की बहनों का सम्मान किया गया। साथ ही गोधभराई, अन्नप्राशन एवं बेबी शो जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए। इसी क्रम में आंगनवाड़ी केंद्र गुलड़िया पर जिला उपाध्यक्ष सीमा राठौर एवं जिला कोषाध्यक्ष महिला मोर्चा सलौनी पाठक की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंगनवाड़ी केंद्र लखनपुर एवं आमगांव में ज्योतिसिना ने कार्यक्रम में सहभागिता कर महिलाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का सम्मान किया। वहीं आंगनवाड़ी केंद्र आसफपुर में प्रवेश सिन्हा तथा आंगनवाड़ी केंद्र सखानू में छाया शर्मा की उपस्थिति में 'आंगन उत्सव' कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिला उपाध्यक्ष सीमा राठौर ने कहा भाजपा सरकार महिला एवं बाल कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रही है। आंगनवाड़ी बहनें इन योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिला कोषाध्यक्ष महिला मोर्चा सलौनी पाठक ने कहा भाजपा सरकार के प्रयासों से महिलाओं को सम्मान के साथ आत्मनिर्भरता के अवसर मिल रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बहनें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने सेवा संकल्प कैंप का शुभारंभ किया

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। पालिका परिषद परिसर में सेवा संकल्प कैंप का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने फीता काटकर किया। यह कैंप चार अक्टूबर तक चलेगा। इसमें आम लोगों को विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें दर्ज कर उनके समाधान के लिए जरूरी कार्रवाई की गई। कैंप में स्वास्थ्य विभाग, पीएम स्वनिधि, महिला कल्याण विभाग और नगर पालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। नगर पालिका की ओर से गृहकर, जलकर और दूसरे करों से जुड़ी जानकारी देने के साथ कर जमा करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। इसके अलावा, सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, नालियों की सफाई, पानी की सप्लाई और दूसरी शहरी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें भी दर्ज की गईं। संबंधित कर्मचारियों को शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अधिशासी अधिकारी विनय कुमार मणि त्रिपाठी, सभासद ग्रीश शुक्ला, किशोर कश्यप, नवैद, अबरार कार्यालय अधीक्षक सूर्य प्रकाश सक्सेना, मुख्य सफाई एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षक केशव गंगवार, निर्माण लिपिक सक्सेना, लिपिक नवैद इकबाल गनी, मनोज सक्सेना, राकेश सोनकर, इमरान आदि समेत कर्मचारी मौजूद थे।

बिसौली तहसील परिसर में चोरों ने अधिवक्ता का चैंबर खंगाला, दो लाख के स्टांप व लैपटॉप चोरी

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिसौली तहसील परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए चोरों ने अधिवक्ता के चैंबर को निशाना बना लिया। चोर चैंबर का ताला तोड़कर अंदर रखे लैपटॉप, करीब दो लाख रुपये के स्टांप चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह अधिवक्ता पहुंचे तो चैंबर के ताले टूटे मिले। सामान गायब था। इस पर अधिवक्ता ने कोतवाली में घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौके पर एकत्र हो गए। चंदौसी थाना क्षेत्र के शक्तिनगर कॉलोनी निवासी अधिवक्ता हृदेश चंद्र शर्मा का तहसील कोर्ट कंपाउंड परिसर में चैंबर नंबर 16 है। अधिवक्ता के मुताबिक सोमवार को सुबह करीब 10:30 बजे वह चैंबर पहुंचे। बाहर के ताले टूटे देखकर उन्होंने अंदर जाकर देखा तो मेज की दराज के ताले भी टूटे हुए थे। चैंबर से एक लैपटॉप और लॉकर में रखे करीब दो लाख रुपये के स्टांप गायब थे। अधिवक्ता ने 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कोतवाल सवेंद्र शर्मा को फोन पर बताया। सूचना पर क्राइम इंस्पेक्टर चमन गिरी मौके पर पहुंचे और चैंबर का निरीक्षण कर घटना की जानकारी ली। बाद में अधिवक्ता ने कोतवाली पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। तहसील परिसर में चोरी की घटना से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिवक्ताओं में भी नाराजगी है।

तमंचे के बल पर लूट के प्रयास में दो नामजद पर मुकदमा

शिवरतनगंज/अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शिवरतनगंज कस्बे में बैंक ऑफ बड़ौदा के बीसी संचालक सत्य प्रकाश साहू से तमंचे के बल पर लूट का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी गई तहरीर में सत्य प्रकाश साहू ने आरोप लगाया कि 27 सितंबर की शाम वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान मुंह ढके दो युवक घर में घुस आए और तमंचा सटाकर नगदी लूटने का प्रयास किया। विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपियों ने मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को आता देख दोनों आरोपी भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस बरामद होने की बात सामने आई है।

जिलाध्यक्ष पद के लिए 12 लाख लेन-देन का ऑडियो वायरल

बदायूं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद को लेकर 12 लाख रुपये के लेन-देन का एक विवादित ऑडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से कांग्रेस खेमे में हड़कंप मच गया। ऑडियो यूथ कांग्रेस नेता शफी अहमद का बताया जा रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी ऐसे ऑडियो की पुष्टि नहीं करती है। वायरल ऑडियो में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष के कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए 12 लाख के लेनदेन की चर्चा है। इसमें सात लाख प्रदेश प्रभारी, दो लाख पर्यवेक्षक और एक लाख प्रदेश कार्यालय भेजने की बात कही गई है। ऑडियो सामने आते ही संगठन की निष्पक्षता और आंतरिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं यूथ कांग्रेस नेता शफी अहमद ने ऑडियो को फर्जी और साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी और वरिष्ठ नेताओं की छवि धूमिल करने की कोशिश है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर ऑडियो की जांच और कार्रवाई की मांग की है। वहीं पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह ने बताया कि पार्टी की छवि को धूमिल करने के लिए एआई का बनाया हुआ ऑडियो वायरल कराया गया है। इसके लिए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

एनएच-56 पर टैंकर और कंटेनर की भिड़ंत, चालक गंभीर घायल

जगदीशपुर/अमेठी। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिंधियावा गांव के पास सोमवार को तेज रफ्तार टैंकर और कंटेनर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में टैंकर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और वाहन के केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। घायल को तत्काल जगदीशपुर ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

दुर्घटना के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात बहाल कराया।

पुलिस के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। चालक की पहचान और दुर्घटना के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

जानलेवा हमले का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना सदर बाजार पुलिस ने जानलेवा हमले से संबंधित अभियोग में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बीती 20 सितम्बर को थाना रामचन्द्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला ख्वाजा फिराज के रहने वाले गोविन्द अवस्थी ने थाना सदर बाजार पुलिस को तहरीर दी थी। आरोप था कि कचहरी स्थित होटल के पास जाबिर और अजय समेत करीब आधा दर्जन लोगों ने एक राय होकर उसके सिर पर धारदार हथियार से जान से मारने की नियत से हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने घायल गोविन्द अवस्थी का उपचार कराया और उसकी तहरीर पर जाबिर और अजय समेत करीब आधा दर्जन अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला आदि की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। आज सदर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियोग में नामित अभियुक्त अजय जोशी पुत्र पप्पू निवासी मोहल्ला बीबीजई हद्दफ थाना सदर बाजार को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त अजय की निशानदेही पर कचहरी स्थित होटल से घटना में प्रयुक्त बेंच भी बरामद की है। पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में भी थाना सदर बाजार में कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त अजय के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना सदर बाजार के उपनिरीक्षक सुशील कुमार के साथ कांस्टेबल संजय पोसवाल मौजूद रहे।

पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर ने थाना सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक और पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर ने थाना सदर बाजार क्षेत्र की प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आमजन से संवाद कर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पैदल गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग भी की गई। साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मनाई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती

पीलीभीत।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पीलीभीत इकाई द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि कैफ रजा और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर देश और समाज की सेवा करनी चाहिए। कैफ रजा ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह जैसे महापुरुषों की जयंती मनाना हमें देशभक्ति और एकता का संदेश देता है। उनकी सोच आज भी प्रासंगिक है और समाज के हर वर्ग को उनसे सीख लेनी चाहिए।

30 वर्ष पुराना मार्ग जर्जर, ग्रामीणों ने लोक निर्माण मंत्री से लगाई गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर/अमेठी। विकास खंड संग्रामपुर क्षेत्र के अंतु-भादर मार्ग पर स्थित छाछा तिवारी पुरवा से लाला का पुरवा धौरहरा तक जाने वाला लोक निर्माण विभाग का मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 30 वर्ष पुरानी यह सड़क अब कई स्थानों पर उखड़कर समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गई है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

प्रधान संघ संग्रामपुर के अध्यक्ष संजय सिंह 'मुन्ना' ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर सड़क के नवीनीकरण की मांग की है। उन्होंने बताया कि मार्ग की खराब स्थिति को लेकर कई बार संबंधित विभाग से

शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क की बदहाली को लेकर पूर्व में कई बार समाचार पत्रों में भी खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं, बावजूद इसके मार्ग की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क को पूरी तरह उखाड़कर नए सिरे से निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

बैंकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सोमवार को जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों ने पुलिस बल के साथ अपने- अपने थाना क्षेत्रों में बैंकों व वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के तहत क्षेत्राधिकारियों ने बैंकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारियों ने बैंक परिसरों, प्रवेश एवं निकास द्वार, पार्किंग स्थल तथा बैंक के आसपास मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहनता से जांच की और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान उन्होंने बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में तैनात सुरक्षाकर्मियों को सतर्कता बरतने, आने-जाने वाले व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना देने के संबंध में

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैंक और वित्तीय संस्थान प्रबंधन को भी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। बता दें कि शाहजहांपुर पुलिस द्वारा जनपद में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन एवं बैंक व वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार सतर्कता एवं चेकिंग की कार्रवाई की जा रही है।

जेल में बंदी की मौत, सड़क पर शव रखकर फूटा गुस्सा

जेल प्रशासन ने आरोपों को बताया बेबुनियाद कहा ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित था बंदी

दानववीर चौराहे पर एक घंटे तक प्रदर्शन,नरायन पुर मार्ग जाम.

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मंडलीय कारागार में बंद राम गणेश पाल की मौत के बाद सोमवार को परिजनों का गुस्सा सड़ क पर उतर आया।लखनऊ के केजीएमयू में करी ब दस दिन तक चले इलाज के बाद रविवार को उसकी मौत हो गई।सोमवार सुबह शव घर पहुंचते ही परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।परि जनों ने दुबहा बाजार के दानववीर चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन से नरायनपुर जाने वाला मार्ग पूरी तर ह बंद रहा।महिलाएं और ग्रामीण सड़क पर बैठक र कार्रवाई की मांग करते रहे।मामला जेल में बंदी की मौत का था, आरोप गंभीर थे और परिजन ज वाब मांग रहे थे।

जहरीले खाने का आरोप, जेल प्रशासन ने नकारा

मृतक के परिजनों ने जेल प्रशासन और चिकित्स कों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि राम गणेश को जेल में खाने के साथ जहरीला पदा र्थ दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने बिना सहमति दो बार ऑपरेशन किए जाने का आरोप भी लगाया।परिवार का कह ना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।दूसरी ओर, जेल अधीक्षक मृत्युंजय पाण्डेय ने आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया है। उनके मुताबिक, बंदी की मौत ब्रेन ट्यूमर के इला ज के दौरान हुई।

मृतक को ब्रेन ट्यूमर ,इलाज मे खर्च किए दो लाख

जेल अधीक्षक मृत्युंजय पाण्डेय ने बताया कि राम गणेश की तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पता ल भेजा गया था।हालत गंभीर होने के कारण वहां से केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया।इस दौरान उसके परिजन भी साथ थे।जेल अधीक्षक के मुता बिक, केजीएमयू में जांच के दौरान ब्रेन ट्यूमर की जानकारी मिली और ऑपरेशन की जरूरत बताई गई।इसके बाद उसे न्यूरोलॉजी विभाग में भर्ती क राया गया,जहां उसका ऑपरेशन हुआ। दुर्भाग्यवश इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधीक्षक ने दावा किया कि राम गणेश के इलाज पर जेल प्रशा सन की ओर से दो लाख रुपये खर्च किए गए,उन्हों ने परिजनों के आरोपों को निराधार बताते हुए क हा कि मौत का कारण ब्रेन ट्यूमर था।तीन महीने से जेल में बंद था राम गणेश कौड़िया थाना पुलिस के मुताबिक, राम गणेश पाल पिछले करीब तीन महीने से गोंडा मंडलीय कारागार में बंद था।..उसे कौड़िया पुलिस ने जेल भेजा था।जेल में तबीयत बिगड़ने पर पहले जिला अस्पताल और फिर केजी एमयू लखनऊ भेजा गया।वहां करीब दस दिन इ लाज चलने के बाद रविवार को उसकी मौत हो गई सोमवार सुबह करीब दस बजे शव घर पहुंचा तो परिजनों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने पर अड़े प्रदर्शनकारी

शव को दानववीर चौराहे पर रखे जाने के बाद ब ड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं जुट गईं।प्रदर्श न के चलते नरायनपुर मार्ग पर आवागमन ठप हो गया।परिजन जिलाधिकारी या पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को मौके पर बुलाने और निष्प क्ष जांच का आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे।

सूचना पर कौड़िया थाना प्रभारी शशि कुमार राणा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी वरिष्ठ अधिकारी के मौके पर आने की मांग करते रहे।पुलिस के मुताबिक, मौके पर बल तैनात है और परिजनों को समझाने की कोशिश जारी है।

मौत के आरोपों की जांच कौन करेगा ?

एक ओर परिजन जेल में जहरीला खाना दिए जाने और इलाज में कथित अनियमितताओं के आरोप लगा रहे हैं, वहीं जेल प्रशासन ब्रेन ट्यूमर को मौत की वजह बताते हुए आरोपों को खारिज कर रहा है।ऐसे में मौत की परिस्थितियों, इलाज के दौरान हुई चिकित्सकीय प्रक्रिया और परिजनों के आरोपों की निष्पक्ष जांच से ही पूरे मामले की स च्चाई सामने आ सकेगी।फिलहाल,मौत को लेकर उठे सवालों के बीच परिवार न्याय और जवाबदेही की मांग कर रहा है।

मक्के से बने उत्पादों की धमक, नोएडा ट्रेड फ़ेयर में गोंडा के किसानों को मिली सराहना

प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील ने अथरिष्ट एफपीओ के स्टाल का किया निरीक्षण, मोटे अनाज के उत्पादन....और उपयोग को बढ़ावा देने पर दिया जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के किसानों के मक्के से तैयार उत्पादों को नोएडा में आयोजित ट्रेड फ़ेयर में पहचान मिल रही है।बेलसर क्षेत्र के लौव्वा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) के स्टाल पर पहुंचे प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील ने उत्पादों की जानकारी ली और उनकी सराहना की उन्होंने मोटे अनाज को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताते हुए इसके उत्पादन और इस्तेमाल को बढ़ा वा देने पर जोर दिया।ट्रे ड फ़ेयर में गोंडा के किसा नों के उत्पादों की यह मौजूदगी स्थानीय कृषि को बाजार से जोड़ने की दिशा में अहम अवसर के रू प में देखी जा रही है।मक्के से तैयार विभिन्न उत्पा दों के जरिए एफपीओ किसानों की उपज को नए बाजारों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

मोटे अनाज में बाजार की नई संभावनाएं

अथरिष्ट एफपीओ के स्टाल पर प्रमुख सचिव ने मक्के और मोटे अनाज से तैयार उत्पादों को देखा एफपीओ के सीईओ कुलदीप मिश्रा ने उन्हें उत्पा दों की विशेषताओं और किसानों की भागीदारी के बारे में जानकारी दीमिश्रा के मुताबिक,शशि भूषण लाल सुशील देवीपाटन मंडल के आयुक्त भी रह चु के हैं। उन्होंने गोंडा के किसानों की ओर से तैयार किए जा रहे उत्पादों में रुचि दिखाई।

किसानों को बेहतर बाजार मिलने की उम्मीद

नोएडा के ट्रेड फ़ेयर में स्थानीय उत्पादों को मंच मि लने से एफपीओ से जुड़े किसानों में उत्साह है,ऐसे आयोजनों के जरिए किसानों की उपज को व्याप क बाजार तक पहुंचाने, उत्पादों की पहचान बनाने और विपणन के नए अवसर तलाशने की संभावना एं बढ़ती हैं।एफपीओ को उम्मीद है कि मक्के और मोटे अनाज से तैयार उत्पादों की बढ़ती पहचान से क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल सकेगा।

तीस साल पुराने मामले में विवादित नजूल भूखंड से वादी ने खुद हटाया कब्जा

कमिश्नर की सतत निगरानी और प्रभावी पैरवी के बीच बदली प्रकरण की तस्वीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । करीब तीस साल से सरकारी नजूल भूमि को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई अब नए मोड़ पर प हुंच गई है।देवीपाटन मंडल की मंडलायुक्त दुर्गा श क्ति नागपाल की सतत निगरानी और प्रभावी पैर वी के बीच सरकारी भूमि विवाद में वादी दयानंद मिश्रा ने न्यायालय के समक्ष शपथ-पत्र देकर आगे पैरवी न करने और कार्यवाही समाप्त किए जाने का अनुरोध किया है।इससे भी अहम यह कि दया नंद मिश्रा ने सरकारी भूमि से अपना तीस साल पु राना कब्जा भी स्वयं हटा लिया है। लंबे समय से न्यायालय में लंबित इस प्रकरण में घटनाक्रम अब शासकीय भूमि की सुरक्षा और उसके निर्धारित उपयोग की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह मामला गोंडा में आयुक्त कार्यालय एवं भवन के लिए आरक्षित नजूल भूखंड संख्या 514,515 524 और 525 से संबंधित है।प्रकरण वर्ष 1997 से न्यायालय में लंबित था।द्ववर्ष 2008 में स्थगन आदेश पारित होने के बाद भी सरकारी भूमि से जुड़े मामले में विधिक पैरवी जारी रही।सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने के अभियान के दौरान यह पुराना प्रकरण प्रशासन के संज्ञान में आया।

तीन दशक पुरानी फाइल पर कमिश्नर की नजर

सरकारी भूमि से जुड़े इस पुराने प्रकरण की जान कारी सामने आने के बाद मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने मामले की लगातार समीक्षा की।अभि लेखों और न्यायालयीन स्थिति की पड़ताल कराते हुए संबंधित अधिकारियों को सरकारी पक्ष मज बूती से रखने और शासकीय हितों की रक्षा के लि ए प्रभावी विधिक पैरवी के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान भूमि पर अवैध विद्यालय संचालित होने की बात भी सामने आई थी। प्रशासन ने मौके की स्थिति की पड़ताल कराई तो वर्तमान में वहां कोई भी विद्यार्थी और शिक्षक नहीं मिला।इसके बाद भू मि की मौके पर स्थिति की भी निगरानी की गई।

कोर्ट में पीछे हटे, मौके से भी कब्जा हटाया

प्रकरण में वादी,अतिक्रमणकारी दयानन्द मिश्र,ए डवोकेट, निवासी ग्राम छावनी सरकार आनंदपुरी, सिविल लाइन, गोंडा की ओर से न्यायालय में शप थ-पत्र प्रस्तुत किया गया है।इसमें वाद में आगे पै रवी न करने तथा कार्यवाही समाप्त किए जाने का अनुरोध किया गया है।मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि संबंधित पक्ष ने न्यायालय में कानू नी पैरवी से पीछे हटने के साथ ही मौके से अपना कब्जा भी हटा लिया। यानी तीन दशक से लंबित विवाद में अब अदालत की कार्यवाही के स्तर पर भी बदलाव आया और जमीन की भौतिक स्थिति भी बदल गई। वर्ष 1997 में शुरू हुए इस विवाद को न्यायालयीन प्रक्रिया में करीब तीन दशक हो चुके हैं।2008 के स्थगन आदेश के बाद भी माम ला लंबित रहा।अब 2026 में वादी के शपथ-पत्र और मौके से कब्जा हटने के बाद प्रशासन के सा मने इन भूखंडों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है। आयुक्त कार्यालय एवं भवन के लिए आरक्षित इन भूखंडों को अब सुरक्षित रखते हुए निर्धारित शासकीय प्रयोजन में उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

पुराने मामलों की भी हो रही समीक्षा

शासकीय भूमि के संरक्षण और अवैध कब्जों से मुक्ति के लिए प्रशासन स्तर पर पुराने एवं लंबित मामलों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में तीन दशक पुराने इस नजूल भूमि प्रकरण की फाइल फिर खुली और न्यायालयीन स्थिति के साथ मौके की वास्तविक स्थिति भी परखी गई। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की निगरानी में सरकारी भूमि से जुड़े इस प्रकरण में हुई कार्रवाई के बाद अब पूरा फोकस जमीन की सुरक्षा और उसके शासकीय उपयोग पर है।मुख्यमंत्री के मंशा नुरूप शासकीय भूमि का संरक्षण व जनहित में उ पयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है।लगभग तीस वर्षों से लंबित इस प्रकरण में अंततः सत्य की विजय हुई और शासकीय भूमि कब्जामुक्त हुई।संबंधित पक्ष ने न्यायालय में आगे पैरवी न करने का अनुरोध क रते हुए मौके से भी कब्जा हटा लिया है।अब भूमि को सुरक्षित रखते हुए निर्धारित शासकीय प्रयोजन में उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के संसदीय क्षेत्र में बिजली संकट से हाहाकार,ग्रामीण क्षेत्र में आपूर्ति ठप

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के संसदीय क्षेत्र में चार दिन से अंधेरा, पांच लाख लोग बेहाल..!

जिले मे चार दिन से अंधेरे में जनता, बिजली पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे ग्रामीण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के संसदीय क्षेत्र में बिजली संकट ने ग्रामीण जनजीवन को बुरी तरह झकझोर दिया है।चार दिन से बिजली आपूर्ति बा धित होने के कारण करीब पांच लाख की आबादी अंधेरे में रहने को विवश है।सोमवार रात आठ बजे तक भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी थी।घरों में पानी का संकट है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित है और जरूरी घरेलू कामकाज ठप पड़े हैं।भीषण उमस के बीच लोग बिजली के इंतजार में बेहाल हैं,लेकिन जिम्मेदारों की जवाब देही का सवाल लगातार गहराता जा रहा है।हाला त यह हैं कि शिकायत लेकर बिजली अधिकारियों को फोन करने वाले उपभोक्ताओं को भी राहत न हीं मिल रही।.डुमरियाडीह विद्युत उपकेंद्र के जेई का कथित बयान इस संकट के बीच विभागीय का र्य शैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

चार दिन से बिजली गुल,पानी के लिए तरसे लोग

ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।घरों में लगे सबमर्सिबल पंप बंद होने से पानी की किल्लत गहरा गई है।..लोगों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हैं।भीषण गर्मी और उमस के बीच परिवारों को भा री परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बच्चों की पढ़ाई बाधित है तो कई घरों में स्नान और दूसरे ज रूरी काम तक मुश्किल हो गए हैं।बिजली संकट का असर गौ आश्रय केंद्रों पर भी पड़ने की बात सामने आई है।सबमर्सिबल पंप बंद होने से कई केंद्रों में गोवंश के लिए पानी की उपलब्धता प्रभा वित होने की शिकायत है। बिजली की बदहाली अब केवल घरेलू असुविधा नहीं,बल्कि जनस्वास्थ्य और पशुओं की देखभाल से जुड़ा गंभीर सवाल ब न गई है।

फोन नहीं उठाता हूँ,....छाप दीजिए मेरा नाम हो जाएगा’

बिजली संकट के बीच डुमरियाडीह विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता अनिल मानस का कथित जवा ब उपभोक्ताओं के आक्रोश की वजह बन गया है। आरोप है कि परेशान उपभोक्ताओं ने बिजली बहा ली की जानकारी लेने के लिए जेई के सरकारी सी यूजी नंबर पर कई बार फोन किया।फोन उठने पर जब आपूर्ति बहाल होने के बारे में पूछा गया तो क थित तौर पर जवाब मिला सुबह देखा जाएगा।उप भोक्ता ने जब सरकारी फोन नहीं उठाए जाने को लेकर नाराजगी जताई तो जेई ने कथित तौर पर कहा,इसे भी आप छाप दीजिएगा कि मैं फोन नहीं उठाता हूं, थोड़ा बहुत हमारा नाम हो जाएगा।यदि बातचीत का यह विवरण सही है तो संकट से जूझ रहे उपभोक्ताओं के प्रति जिम्मेदार अधिकारी के रवैये पर सवाल उठना स्वाभाविक है।जिस समय हजारों परिवार बिजली और पानी के लिए परेशान हों,उस समय शिकायतों के निस्तारण के बजाय ऐ सा जवाब विभागीय संवेदनशीलता और जवाब देही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

अधिकारी मौन, ग्रामीण जनता बेहाल

उपभोक्ताओं का आरोप है कि मुख्य अभियंता, अ धीक्षण अभियंता,अधिशासी अभियंता और अवर अभियंता तक के सरकारी सीयूजी नंबरों पर संप र्क नहीं हो पा रहा है।ऐसे में बिजली आपूर्ति बाधि त होने की शिकायत और उसके समाधान की स्थि ति जानना मुश्किल हो गया है।चार दिन से संकट झेल रहे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।जनता का सवाल है कि जब बिजली आपू र्ति ठप हो और पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाए, तब जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कौन तय करेगा...? क्या उपभोक्ताओं को अपनी शिकायत सुनवाने के लिए भी अधिकारियों के दर वाजे खटखटाने पड़ेंगे..?

शहर को राहत, गांव अब भी अंधेरे में

बिजली आपूर्ति की स्थिति में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक,शहर क्षेत्र में करीब अस्सी प्रतिशत आपूर्ति बहाल हो चुकी है,जबकि ग्रामीण इलाकों में संकट बरकरार है।दावा है कि ग्रामीण क्षेत्र की करीब 70 प्रतिशत आबादी अब भी बिज ली संकट से प्रभावित है।हालांकि,इन आंकड़ों की विभागीय पुष्टि और प्रभावित क्षेत्रों का स्पष्ट ब्योरा सामने आना बाकी है।

मुख्य अभियंता ने लिया संज्ञान

मामले में देवीपाटन मंडल के मुख्य अभियंता ने संज्ञान लेते हुए जांच कराने और जल्द विद्युत आ पूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है।अब देख ना यह है कि जांच में जिम्मेदारी किसकी तय होती है और ग्रामीण उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली कब तक मिल पाती है।चार दिन से अंधेरे में गुजर-बसर कर रहे ग्रामीणों की मांग साफ है पहले बि जली बहाल की जाए,फिर लापरवाही के लिए जि म्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाब देही तय हो।आश्वासन से आगे बढ़कर जमीन पर राहत पहुंचाना ही विभाग की असली परीक्षा है।

शहर के बीचों बीच पांडे तालाब,बदहाली बेहिसाब

शहर के बीच तालाब बेहाल, जिम्मेदारों की आंखों पर पड़ा पर्दा

नालों का पानी पी रहा ऐतिहासिक पांडे तालाब, प्रशासन बेखबर !

अमृत सरोवर गांवों में,,,,,गंदगी के हवाले शहर का पांडे तालाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर के बीचोंबीच एक ऐतिहासिक तालाब है,जिसके पानी में नालों का गंदा पानी उतरता है, जिसकी सीढ़ियां टूट चुकी हैं और जिसके किनारे रात होते ही अंधेरे में डूब जाते हैं।यह किसी वीरान इलाके का तालाब नहीं,बल्कि पटेल नगर स्थित श हर का मशहूर पांडे तालाब है। सैकड़ों साल पुरानी विरासत के तौर पर पहचाने जाने वाले इस तालाब की दुर्दशा नगर पालिका की व्यवस्था और शहर के जलस्रोतों के संरक्षण के दावों पर सवाल खड़े कर ती है।विडंबना यह है कि गांवों के तालाबों को अमृ त सरोवर योजना के तहत संवारने की कवायद हो रही है,जबकि शहर के बीच स्थित इस तालाब को गंदगी, अतिक्रमण और उपेक्षा से निजात नहीं मि ल पा रही है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, आजादी से पहले राजा देवी बख्श सिंह के खास कौशलेंद्र पांडे ने इस तालाब को खुदवाया था। उन्हीं के नाम पर इसका नाम पांडे तालाब पड़ा,कभी इसका पा नी इतना साफ था कि लोग यहां कपड़े धोने आते थे। आज हालात यह हैं कि मोहल्ले के घरों और आस-पास के दो अस्पतालों का गंदा पानी तालाब में गिरने से इसका पानी दूषित हो चुका है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अब यहां कपड़े धोना भी बं द हो गया है।सवाल यह है कि शहर के बीचों बीच स्थित इस पुराने जलस्रोत को गंदे पानी की निका सी का ठिकाना किसने और क्यों बनने दिया...?

नालों का पानी बना तालाब की पहचान

पांडे तालाब की गहराई 15 फीट से अधिक बताई जाती है।स्थानीय लोगों के मुताबिक,इसमें सालभर पानी बना रहता है।लेकिन इस जलभराव की वज ह तालाब का प्राकृतिक जलस्रोत नहीं,बल्कि शहर के नाले-नालियों का पानी बताया जा रहा है। मोह ल्ले के के अनुसार,आबादी बढ़ने के साथ घरों और आसपास के अस्पतालों का गंदा पानी तालाब में पहुंचने लगा। इससे पानी की गुणवत्ता बिगड़ गई। तालाब के चारों ओर गंदगी पसरी रहती है।रात में पर्याप्त रोशनी नहीं होने से स्थानीय लोगों की चिं ता और बढ़ जाती है। उनका कहना है कि अंधेरे में बाहरी लोग यहां नशा करने आते हैं, जिससे आस पास रहने वाले लोगों में असुरक्षा का माहौल रहता है।जिस तालाब के किनारे कभी लोग सुकून के प ल बिताते थे,वहां अब गंदगी और अंधेरे की वजह से लोग जाने से बचते हैं।

गहरी जलराशि, खुला तालाब; हादसों का डर

तालाब की गहराई और चारों तरफ से खुले होने के कारण यहां हादसों का खतरा बना रहता है।स्थानी य लोगों का दावा है कि हर साल एक - दो अज्ञात लोगों के शव तालाब में मिलते हैं। ठंड के मौसम और अंधेरे में ऐसे मामले सामने आने की बात भी कही गई।लोगों के मुताबिक,कई जानवर भी ताला ब में डूब चुके हैं। वही स्थानीय लोग बताते हैं कि वह करीब 40 साल से इस तालाब को जानते हैं। उनके मुताबिक,इसकी गहराई 15 फीट से ज्यादा है।तालाब की पुरानी सीढ़ियां टूट चुकी हैं और चा रों तरफ सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं स्थानीय लोगो का कहना है कि तालाब के चारों ओर रेलिंग और पक्की सीढ़ियां बन जाएं तो इसकी सूरत बद ल सकती है।

तालाब के हिस्से पर कब्जे का आरोप, रास्ता बंद

पांडे तालाब तीन तरफ से सड़कों से घिरा हुआ है। पश्चिम दिशा में पटेल नगर से हाईवे को जोड़ने वा ली मुख्य सड़क है,जबकि उत्तर और पूरब की सड़ कें मोहल्ले से होते हुए फैजाबाद रोड की ओर जा ती हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि दक्षिण दि शा में तालाब के पास बने एक कांप्लेक्स ने ताला ब के हिस्से पर कब्जा कर उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया है।इससे सड़क का आगे का रास्ता बंद हो गया है।तालाब के आसपास अतिक्रमण का यह आरोप नया नहीं है।इसके बावजूद स्थानीय लोगों को अब तक कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आया।लोगों का कहना है कि यदि तालाब की पै माइश कराकर अतिक्रमण हटाया जाए और इस की जमीन को सुरक्षित किया जाए,..तो न केवल जलस्रोत का संरक्षण होगा, बल्कि आवागमन की समस्या भी दूर हो सकती है।

चहारदीवारी, रोशनी और जॉगिंग ट्रैक की मांग

पटेल नगर के लोगों की मांग है कि पांडे तालाब के चारों ओर चहारदीवारी बनाई जाए।किनारों पर प क्का प्लेटफॉर्म और सुरक्षा रेलिंग लगाई जाए,ता कि लोग सुबह-शाम टहल सकें।पर्याप्त प्रकाश व्य वस्था होने से रात में अंधेरे और असामाजिक गति विधियों की आशंका भी कम हो सकती है। लोग चाहते हैं कि तालाब में गिरनेवाले नालों और अस्प तालों के गंदे पानी को रोकने के लिए स्थायी व्यव स्था की जाए।तालाब की सफाई, टूटी सीढ़ियों की मरम्मत,अतिक्रमण की जांच और नियमित देखरे ख के साथ इसे शहर के एक उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाए।

निरीक्षण कर व्यवस्था बेहतर करने का भरोसा

पांडे तालाब की बदहाली को लेकर सिटी मजिस्ट्रे ट,गोंडा ने कहा, शहर के पांडे तालाब के बदहाली की जानकारी मिली है।इसका निरीक्षण कर व्यव स्था बेहतर करने की पहल की जाएगी।तालाब में अस्पतालों का गंदा पानी नहीं आना चाहिए।शहर के अन्य तालाबों पर अतिक्रमण मुक्त अभियान च लाया जाएगा।अब देखना यह है कि निरीक्षण और कार्रवाई का यह भरोसा तालाब की सूरत बदलने तक पहुंचता है या फिर पांडे तालाब बदहाली के उसी पुराने दौर में पड़ा रहता है।

नगर पालिका में लगा स्वास्थ्य शिविर, सफाई कर्मियों की हुई जांच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। नगर पालिका परिषद नानपारा परिसर में सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में महिला और पुरुष सफाई कर्मचारियों के साथ नगर पालिका के अन्य कर्मियों ने भी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, एचआईवी और हेपेटाइटिस समेत विभिन्न जांचें की गईं। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन नानपारा क्षमता विश्वास केंद्र के सहयोग से किया गया। डॉक्टर संतोष कुमार यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम पालिका परिसर पहुंची और कर्मचारियों की जांच की। शिविर में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारी शामिल हुए। जांच के दौरान स्वास्थ्य टीम ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जानकारी दी। साथ ही नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए भी जागरूक किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम के अनुसार अधिकांश कर्मचारियों की स्वास्थ्य रिपोर्ट सामान्य रही। कुछ कर्मचारियों के ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव सामने आया, जिस पर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। टीम के मुताबिक जांच के दौरान किसी कर्मचारी में गंभीर स्वास्थ्य समस्या सामने नहीं आई। शिविर की व्यवस्थाओं का नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रंग बहादुर सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल वहीद ने जायजा लिया। इस दौरान पालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम से जांच प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। नगर पालिका प्रशासन की ओर से बताया गया कि सफाई कर्मचारी प्रतिदिन नगर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पालिका परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया।

गांधी जयन्ती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को दिया गया अन्तिम रूप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । गॉधी जयन्ती के शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूप-रेखा निर्धारित किये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने निर्देश दिया कि गॉधी जयन्ती को पूरी गरिमा एवं सम्मान के साथ मनाया जाय। सभी अधिकारी अपने स्तर से बेहतर से बेहतर ढंग से गॉधी जयन्ती समारोह का आयोजन करें। डीएम ने डीआईओएस व बीएसए को निर्देश दिया कि शिक्षण संस्थाओं में पोषण व स्वच्छता पर आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किये जायें। बैठक में निर्णय लिया गया कि 02 अक्टूबर को गॉधी जयन्ती समारोह का शुभारम्भ प्रातः 06:30 बजे बच्चों की प्रभातफ़ेरी से होगा और इन्दिरा स्टेडियम बहराइच से क्रास कंट्री दौड़ आयोजित की जायेगी। प्रातः 09:00 बजे सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तत्पश्चात सभी कार्यालयों, विद्यालयों और दूसरी संस्थाओं के किसी बड़े कक्ष/हाल में महात्मा गॉधी जी के चित्र का अनावरण व माल्यार्पण किया जायेगा तथा गोष्ठी आयोजित कर गांधी जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला जायेगा। प्रातः 09:00 बजे ध्वजारोहण के पश्चात गांधीवादी जीवन दृष्टि का प्रचार तथा गांधी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए जातिगत भेद-भाव से ऊपर उठकर समाज में समता और समरसता लाने पर बल दिया जाये। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, महिला हेल्प लाइन, निराश्रित महिला पेंशन, मिशन शक्ति, महिला समूहों, बीसी सखी व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह आदि योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभान्वित कर आत्मनिर्भर बनाये जाने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाय। गॉधी जयन्ती के अवसर पर प्रातः 10:00 बजे जनपद के शहरी क्षेत्रों, नगर पंचायतों एवं गॉवों में अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा मलिन बस्ती में सफाई एवं स्वच्छता के कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। प्रातः 10:00 बजे कुष्ठ आश्रम/जिला चिकित्सालय में कुष्ठ रोगियों की पहचान, चिकित्सा एवं कल्याण सम्बन्धी कार्यक्रम, शिक्षण संस्थाओं में महात्मा गॉधी जी के जीवन से सम्बन्धित चित्रकला एवं उनके विचारों की प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा सत्य एवं अहिंसा का महत्व विषयक निबन्ध तथा गॉधी जी के विचारों की प्रासंगिकता विषयक वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।

पूरनपुर में सपा कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। पूरनपुर तहसील में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपा। ज्ञापन में भारी वर्षा से फसलों को हुए नुकसान और मजदूरों की समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में लगातार हो रही भारी वर्षा से हाहाकार मचा हुआ है। किसानों की जी-तोड़ मेहनत से तैयार धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, जिससे किसान परेशान हैं। फसल बर्बाद होने के साथ ही मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है, जिससे उनके परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।सपा कार्यकर्ताओं ने मांग की कि भारी वर्षा से चौपट हुई फसलों का सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए और कर्ज वसूली में राहत प्रदान की जाए।साथ ही निर्माण कार्यों के ठप होने से प्रभावित मजदूरों के लिए सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड द्वारा पंजीकृत मजदूरों और ई-श्रम कार्ड धारकों को राहत पैकेज देने की मांग की गई। इसके अलावा बोर्ड द्वारा मजदूरों को टूलकिट और साइकिल उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला सचिव तौफीक अहमद कादरी, मजदूर सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नादिर रजा बरकाती, विधानसभा उपाध्यक्ष अहीद खान, रजनीश रोहित, अंग्रेज सिंह, फिरासत खान, अमरीक सिंह, खालिद रजा बरकाती, राम लखन यादव, ओमकार यादव, वर्जपाल यादव आदि मौजूद रहे है।

ब्लॉक में सेवा सेतु अभियान का शुभारंभ विधायक ने शिविरों का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को पूरनपुर ब्लॉक सभागार में 'सेवा सेतु अभियान' का शुभारंभ विधायक बाबूराम पासवान व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अप्रूव सिंह ने फीता काटकर किया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सेवा शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। विधायक बाबूराम पासवान ने स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, आंगनबाड़ी, कृषि, प्रधानमंत्री आवास और शौचालय समेत विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से योजनाओं के लाभार्थियों तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में विधायक ने महिलाओं से संवाद किया। गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म कराई गई और नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन कराया गया। इस दौरान महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

कांग्रेस के आरोपों पर भड़की जिला पंचायत अध्यक्ष की प्रेस कांफ्रेस बोलीं- संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम न करें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच भाजपा ने कांग्रेस और विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर ने प्रेस वार्ता कर कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के 26 सितंबर के संयुक्त बयान के बाद एसआईआर समेत विभिन्न निर्णयों को लेकर लगाए जा रहे मतभेद के आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो गई है। भाजपा द्वारा जारी सामग्री के अनुसार, आयोग ने स्पष्ट किया है कि 24 जून 2025 के मूल आदेश तथा विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर की समय-सारणी से संबंधित निर्णय आयोग की सहमति से लिए गए हैं।प्रेस वार्ता में बिहार में एसआईआर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के 27 मई 2026 के निर्णय का भी उल्लेख किया गया। भाजपा ने कहा कि न्यायालय ने बिहार में एसआईआर की वैधता को बरकरार रखा था।भाजपा नेता डॉ. गुरभाग सिंह ने कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र को लेकर लगाए जा रहे राजनीतिक आरोपों पर भी सवाल उठाए। भाजपा की ओर से जारी दस्तावेज में दावा किया गया है कि यह पत्र किसी नीतिगत निर्णय या एसआईआर से संबंधित नहीं था, बल्कि प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी से जुड़े प्रशासनिक विषय तक सीमित था।एसआईआर के दौरान नए मतदाताओं के पंजीकरण को लेकर भी भाजपा ने कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 और संबंधित घोषणा-पत्र की व्यवस्था मौजूद है और निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल पर फॉर्म-6 तथा एसआईआर-2026 से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हैं।जिला पंचायत अध्यक्ष ने कांग्रेस और राहुल गांधी के पुराने बयानों का उल्लेख करते हुए चुनाव आयोग, ईवीएम, न्यायपालिका और कैग समेत संवैधानिक संस्थाओं को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए। भाजपा ने इसे राजनीतिक लाभ के लिए संस्थाओं पर सवाल उठाने की रणनीति बताया है।

अमेठी में वोट चोरी के आरोपों के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाये जा रहे सवालों के विरोध में सोमवार को अमेठी में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर में विरोध मार्च निकाला।विरोध मार्च केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर कोतवाली, फल मंडी चौराहा और स्टेशन तिराहा होते हुये पुनः कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने 'वोट की चोरी बंद करो', 'लोकतंत्र बचाओ' और 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाये। कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन भी किया।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव और विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर पार्टी द्वारा गंभीर सवाल उठाये जा रहे हैं। कांग्रेस ने मतदाता सूची में किये गये बदलावों तथा निर्वाचन आयोग के संबंधित निर्णयों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा कराने की मांग की। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिये।मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी द्वारा उठाए गये मतदाता सूची और चुनावी पारदर्शिता के मुददो के समर्थन में भी नारे लगाये। प्रदर्शन के समापन पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदाता के अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता से जुड़े मुददो को लेकर कांग्रेस अपना विरोध जारी रखेगी।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री आशीष शुक्ला, पूर्व विधायक राधेश्याम धोबी, सदाशिव यादव,विजय पासी, शकील इदरीसी, अनिल सिंह, राकेश मिश्रा, चंद्र मोहन तिवारी, धर्मेन्द्र शुक्ला, शुभम सिंह, सौरभ सिंह, सुनील सिंह,किरन देवी,ममता पांडेय,अर्जुन पासी,राम लखन शुक्ला,कामता मिश्रा,सबीना,मतीन अहमद, तुलसीराम पासी, राजीव लोचन तिवारी,अजहरुल हक सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस सेवादल,युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस,एनएसयूआई, व राजीव गांधी पंचायती राज के कार्यकर्ताओं सहित किसान कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर में घुसकर लूट का प्रयास करने वाले दो नामजद लुटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी,थाना शिवरतनगंज मुख्यालय से चंद कदमों की दूरी पर सेमरौता मार्ग पर स्थित एक बीसी संचालक से तमंचे के बल पर लूटपाट करने के मामले में दो नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरु कर दी है। थाना क्षेत्र के कस्बा शिवरतनगंज निवासी सत्य प्रकाश साहू पुत्र पृथ्वी राज साहू अपने मकान में बैंक ऑफ बड़ौदा की बी सी प्वाइंट संचालित कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। बी सी संचालक सत्य प्रकाश साहू ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि रविवार की देर शाम अपने घर पर बैठा था तभी मुंह में कपड़ा लपेटे दो व्यक्ति अंदर घुसे और अंदर से शटर गिराकर मेरे पास पहुंचे और अपने हाथ में लिये तमंचे को मेरे सामने सटा दिया और नगदी लूटने का प्रयास किया बीसी संचालक द्वारा चिल्लाने पर उसकी पत्नी अनीता साहू आई और वह भी चिल्लाने लगीं इस दौरान दोनो ने मुझे तमंचे के बट से मारा पीटा जिससे मुझे कई जगह शरीर में चोटें पहुंची है। शोरगुल के बाद लोगो की भीड़ देख दोनो लुटेरे शटर खोलकर भागने लगे। मारपीट करते समय दोनो के मुंह में बंधे गमछे खुल गये थे जिन्हे मैने पहचान लिया जो सूरज यादव पुत्र लाल बहादुर यादव व संजय यादव पुत्र रामदेव यादव निवासी पूरे शुक्लन मजरे पेड़रिया थाना शिवरतनगंज अमेठी के है। बेखौफ लुटेरों के भागते समय लोगो के दौड़ाने पर बगल में जंगल झाड़ी में घुस गये तथा तलाश करने पर जंगल झाड़ियो में गिरते पड़ते संजय यादव लोगो के हाथ लग गया जिसके पास से एक अवैध तमंचा मय कारतूस मिला भागते समय उक्त व्यक्ति को लोगो ने बल पूर्वक पकड़ा है जिसे मामूली चोटे आई है। ग्रामीणों द्वारा पकड़े गये लुटेरे को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है और काफी संख्या में लोगों ने थाने पहुंचकर पुलिस से सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्र भी मौके पर पहुंच गये और आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा ने बताया कि पीड़ित व्यवसायी की तहरीर पर अभियोग दर्जकर लिया गया है और फरार युवक की तलाश की जा रही है जिसकी तलाश के लिये पुलिस टीम गठित कर दी गई है।

एसपी ने थाना गौरीगंज का औचक निरीक्षण कर रात्रि गणना का लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना गौरीगंज में ल्लरात्रि गणनाङ्क का जायजा लिया गया डायल 112 एवं पुलिस लाइन मेस का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाये रखने हेतु में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के द्वारा थाना गौरीगंज का औचक निरीक्षण करते हेतु ल्लरात्रि गणनाङ्क का जायजा लिया गया तथा थाना गौरीगंज में नियुक्त पुलिस बल की उपस्थिति को जांचा गया।एसपी द्वारा उपस्थित पुलिसकर्मियों की वर्दी और उनके टर्नआउट का बारीकी से निरीक्षण करते हुये समस्त अधिकारी कर्मचारीगण को अनुशासित रहने और निर्धारित वर्दी को गरिमा के साथ धारण करने के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक द्वारा गणना में मौजूद पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण को सोशल मीडिया पॉलिसी से अवगत कराते हुये उसके प्रभावी अनुपालन, ड्यूटी में सतर्कता बरतने, प्रभावी गश्त कर चेकिंग करने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम व ड्यूटी आते-जाते समय वाहन चलाने के दौरान पुलिसकर्मियों को सीटबेल्ट लगाने व हेलमेट पहनने आदि के संबन्ध में आवश्यक आदेश निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी द्वारा कार्यालय डायल 112 का निरीक्षण किया गया तथा डायल 112 के माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर की जाने वाली पुलिस कार्यवाही एवं रिस्पांस व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुये संबंधित पुलिसकर्मियों को प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित एवं प्रभावी रिस्पांस सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु संबन्धित को आवश्यक आदेश निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज स्थित मेस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मेस में पुलिसकर्मियों के साथ भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता को परखा गया तथा साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। एसपी ने पुलिस कर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइंस श्वेताभ भाष्कर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

वीबी जीरामजी योजना के श्रमिकों को तीन माह से नही मिली मजदूरी

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। रोज कुआं खोदकर पानी पीने वाले दिहाड़ी मजदूरों की मुश्किलें कम होती नजर नही आ रही है।केन्द्र सरकार की बहुआयामी वी बी जीरामजी योजना के श्रमिकों को बीते तीन माह से मजदूरी नही नसीब हुई है उनके परिवार का भरण पोषण कैसे चलता है इसकी खेवनहारों को जरा सी भी फिक्र नही है। श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान न होने के कारण सिंहपुर विकास क्षेत्र की अठावन ग्राम पंचायतों में वी बी जीरामजी योजना के करीब पन्द्रह हजार जाबकार्ड धारक है।इस योजना के तहत कार्य करने वाले श्रमिको को नियमित तीन सौ रुपया मजदूरी निर्धारित की गई है योजना की गाइड लाइन पर अगर गौर किया जाय तो पन्द्रह दिनों में मजदूरी का भुगतान किये जाने का प्राविधान है लेकिन यहां पर तो छह गुना समय बीत गया है और इन गरीब मजदूरों की व्यथा कोई सुनने वाला नही है।बताते चलें कि एक जुलाई से श्रमिकों को आज तक मजदूरी नसीब नही हुई है अब करीब तीन महीने से उनके घर का चूल्हा कैसे जलता है इस पर आला अधिकारी भी मौन धारण किये हुये है।वीबी जीरामजी योजना के श्रमिकों के लिये नाग पंचमी और रक्षाबंधन का त्यौहार फीका रहा लेकिन अब देखना यह है कि नवरात्र और विजय दशमी का त्यौहार आने वाला है अब देखना यह है कि इन श्रमिकों को मजदूरी तक मिलती है ? इसका जबाब किसी भी सक्षम अधिकारी के पास नही है।

देवहा नदी में तेज कटान, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। लगातार हो रही बारिश के बीच नदियों के बढ़ते जलस्तर और कटान को लेकर ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। इसी बीच नखुंड गांव के पास देवहा नदी द्वारा किए जा रहे कटान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में नदी का पानी किनारे की मिट्टी को तेजी से काटता हुआ दिखाई दे रहा है। कटान बढ़ने से नदी किनारे बसे ग्रामीणों में जमीन और फसलों के नुकसान को लेकर दहशत है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान नदी का बहाव तेज होने पर कटान और गंभीर हो सकता है। यदि समय रहते बचाव कार्य नहीं कराया गया तो खेतों और आसपास के इलाकों को भारी नुकसान पहुंच सकता है।वायरल वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण कर कटान रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। वहीं प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखने की बात कही जा रही है।

वोट चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, फूंका ज्ञानेश कुमार का पुतला

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कथित 'वोट चोरी' और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं के मामले को लेकर सोमवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से बर्खास्त करने और गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत आयोजित किया गया, जिसकी जानकारी दो दिन पूर्व में ही कांग्रेस ने 28 सितंबर को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। कार्यक्रम की शुरुआत जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में सड़कों पर निकले। जुलूस लाल डिग्गी चौराहा, सुपर मार्केट, डाकखाना चौराहा, गंदानाला, मेडिकल कॉलेज के सामने से होते हुए रोडवेज बस स्टेशन, विकास भवन और तिकोनिया पार्क होकर हुए कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर पहुंचा। यहां कांग्रेसियों ने धरना देकर जमकर नारेबाजी की और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। तिकोनिया पार्क के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया। पुतला दहन रोकने के प्रयास में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति भी बनी रही। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है। यदि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लंबे समय से वोट चोरी के मामले को लेकर कई बार प्रेस कॉन्फ्रेंस भी किये हैं, वर्तमान समय में एक मीडिया रिपोर्ट ने जो खुलासा किया उसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों को सत्य साबित कर दिया है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष गण नंदलाल मोर्य,विनोद पांडेय, राम भवन पांडेय, चंद्रभान सिंह, हाजी इरफान, सर्वेंद्र बहादुर सिंह, देवेंद्र पांडेय, जनेश्वर उपाध्याय सहित सैकड़ो कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोडवेज बस ट्रक में घुसी, कई यात्री घायल, लखनऊ-बलिया हाईवे पर ट्रक में घुसी रोडवेज बस, कई यात्री घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में लखनऊ-बलिया हाईवे पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार रोडवेज बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा सैदपुर चीनी मिल के पास करीब एक बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। मामूली चोट वाले यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार रोडवेज बस यात्रियों को लेकर अयोध्या जा रही थी। सैदपुर चीनी मिल के पास पहुंचने पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में बस पीछे से जा टकराई। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल भेजने में मदद की। हादसे में सूफिया बानो (8) पुत्री मो. आजाद निवासी देवकली, जयसिंहपुर, सोनल मिश्रा (23) और विभा मिश्रा (22) पुत्रियां स्व. इंद्र कुमार मिश्रा निवासी चौरबाजार तथा आदित्य वर्मा (21) पुत्र रंजीत पांडेय बाबा निवासी मोतिगरपुर का राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। वहीं, मामूली रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भरत भूषण राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात कर उनके उपचार की जानकारी ली। अधिकारियों ने चिकित्सकों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीओ जयसिंहपुर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में घायल यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और उनकी स्थिति सामान्य है। बस में सवार अन्य यात्रियों को दूसरी बस की व्यवस्था कर अयोध्या रवाना कर दिया गया।

डंपर की टक्कर से कार सवार तीन लोगों की मौत, दो की हालत गंभीर

पूरनपुर। नेशनल हाईवे पर तिवारी पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर पिपरिया मोड़ के पास सोमवार दोपहर डंपर की टक्कर से कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के सितारगंज थाना क्षेत्र के शक्तिफार्म निवासी साधना गायन पत्नी सनातन गायन अपने देवर तारक, बच्चों खुशबू व सानतुनू और सास सिफाली पत्नी दुलाल के साथ गोला गोकर्णनाथ साधाना की बड़ी पुत्री के घर बच्चे के नामकरण मे जा रही थीं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी कार पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपरिया मोड़ के पास पहुंची। इसी दौरान सामने से आए डंपर ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी पूरनपुर भिजवाया। चिकित्सकों ने साधना गायन और उनकी सास सिफाली को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर हालत में खुशबू को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

कैनविज टाइम्स

लखनऊ, मंगलवार, 29 सितंबर 2026

www.kanwhizztimes.com

सम्पादकीय

राम मंदिर से आगे... अब विरासत की अग्निपरीक्षा

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है। वह सपना, जिसके लिए दशकों तक आंदोलन चला, आज साकार है। लेकिन किसी भी बड़े आंदोलन की सफलता के बाद सबसे बड़ा सवाल यही होता है—अब आगे क्या? लखनऊ में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के शुभारंभ ने इसी सवाल को फिर सामने ला दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने अशोक सिंघल के योगदान को याद करते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन, सामाजिक संगठन और सांस्कृतिक चेतना के विभिन्न पहलुओं को सामने रखा। अशोक सिंघल का नाम राम मंदिर आंदोलन के इतिहास से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने देशभर में संगठन खड़ा किया, लोगों को आंदोलन से जोड़ा और मंदिर निर्माण को व्यापक सांस्कृतिक चेतना के मुद्दे के रूप में प्रस्तुत किया। उनके समर्थकों के लिए वह दृढ़ संकल्प और संगठन क्षमता के प्रतीक रहे। लेकिन इतिहास का मूल्यांकन केवल श्रद्धा से नहीं, तथ्यों और परिणामों की कसौटी पर भी होना चाहिए। राम जन्मभूमि को लेकर संघर्ष की ऐतिहासिक स्मृतियां पुरानी हैं। आधुनिक दौर में यह मुद्दा 1980 और 1990 के दशक में व्यापक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन बना। अशोक सिंघल इसी दौर के प्रमुख चेहरों में रहे। आज मंदिर निर्माण के बाद उस संघर्ष की सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि उसकी ऊर्जा किस दिशा में जाती है। क्या यह केवल अतीत की उपलब्धि का उत्सव बनकर रह जाएगी या शिक्षा, सेवा, सामाजिक समरसता और कमजोर वर्गों के उत्थान की नई यात्रा भी शुरू होगी? अशोक सिंघल के योगदान को केवल राम मंदिर आंदोलन तक सीमित नहीं किया जा सकता। वनवासी क्षेत्रों, मलिन बस्तियों, शिक्षा, सामाजिक समरसता और वेद शिक्षा से जुड़े प्रयासों का भी उल्लेख होता रहा है। यहीं उनकी विरासत का महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। किसी आंदोलन की ताकत तभी स्थायी होती है, जब वह समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव पैदा करे। मंदिर बन गया—अब गरीब के जीवन में क्या बदला? गांव के बच्चे की शिक्षा कितनी मजबूत हुई? युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कितने बढ़े? सामाजिक भेदभाव कितना कम हुआ? इन सवालों से बचकर किसी भी विरासत को पूर्ण नहीं माना जा सकता। राम जन्मभूमि आंदोलन ने भारतीय राजनीति और सार्वजनिक विमर्श को गहराई से प्रभावित किया। राजनीतिक दलों की रणनीतियां बदलीं और धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान के प्रश्न राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आए। इस दौर में मतभेद और सामाजिक तनाव भी सामने आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में उन राजनीतिक शक्तियों पर निशाना साधा, जो उनके अनुसार कभी राम मंदिर के विरोध में थीं और अब रामभक्ति का दावा करती हैं। यह राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। लेकिन इतिहास का स्थायी मूल्यांकन राजनीतिक भाषणों से आगे जाकर होगा। सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि राम के नाम पर समाज ने क्या सीखा और समाज के लिए क्या किया? अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह उनके विचारों और कार्यों की समीक्षा का अवसर भी है। मंदिर निर्माण के बाद सामाजिक जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब आवश्यकता ऐसे भारत की है जहां सांस्कृतिक आत्मविश्वास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी हो। जहां आस्था के साथ सेवा हो, भव्य मंदिरों के साथ मजबूत विद्यालय हों और धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक समरसता भी हो। अशोक सिंघल ने जिस आंदोलन को अपने जीवन का ध्येय बनाया, उसका एक बड़ा अध्याय पूरा हो चुका है। राम मंदिर बन गया—यह इतिहास है। अब राम के आदर्शों के अनुरूप समाज बनाना भविष्य की चुनौती है। यही किसी आंदोलन की सबसे कठिन और सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

विश्व हृदय दिवस पर विशेष

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—ल्हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है? आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है।

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—ल्हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है? आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है। इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है। यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए। सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है। इसके साथ ही सरकारों को 'हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान' जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए 'हेल्दी हार्ट' कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं। विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं। हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है। –ललित गर्ग

कभी भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बनेगा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों को लेकर आज पूरी दुनिया में चर्चाएं तेज हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान 100 से अधिक वैश्विक नेताओं ने खुलकर माना कि इस 15 सदस्यीय निकाय का वर्तमान स्वरूप आउटडेटेड हो चुका है। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्यावाला देश है, एक अग्रणी आर्थिक महाशक्ति है और वैश्विक शांति अभियानों का सबसे मजबूत स्तंभ है। इसके बावजूद, यह कड़वी और अपरिवर्तनीय सच्चाई हमारे सामने है कि वर्तमान व्यवस्था के रहते भारत कभी भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन सकता। अब भले ही मॉरीशस, पुर्तगाल और रूस जैसे देश वैश्विक मंचों पर भारत का कितना भी समर्थन कर लें, यूएन का कानूनी और रणनीतिक ढांचा इस तरह तैयार किया गया है कि भारत की राह हमेशा के लिए बंद दिखाई देती है, इसलिए यह अपरिहार्य हो जाता है कि हम सभी सत्य का साक्षात्कार करें और आगे की प्रभावी रणनीति बनाएं ताकि कोई रास्ता निकल सके। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान भारत की स्थायी सदस्यता को लेकर कई देशों ने बड़े-बड़े बयान दिए, लेकिन इन बयानों के पीछे छिपी कूटनीति इस बात पर मुहर लगाती है कि स्थायी सीट मिलना एक असंभव सपना है। वस्तुतः रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने स्थायी सीट के लिए भारत और ब्राजील की उम्मीदवारी का समर्थन तो किया, किंतु साथ ही उन्होंने एक बड़ा अड़ंगा भी लगा दिया। रूस ने जर्मनी और जापान जैसे पश्चिमी देशों को कोई भी अतिरिक्त स्थायी सीट देने का कड़ा विरोध किया और उन्हें ''सैन्यवाद और प्रतिशोध की राह पर चलने वाला'' बताया। चूंकि भारत, जर्मनी और जापान के साथ मिलकर 'जी-4' समूह के तहत सामूहिक दावेदारी कर रहा है, इसलिए रूस के इस रुख ने भारत की संयुक्त रणनीति को बड़ा झटका दिया है। यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल और पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने भारत के पक्ष में आवाज उठाई। मार्शल द्वीप समूह की राष्ट्रपति हिल्डा हेइन ने भी समर्थन दोहराया। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने यूएन की विश्वसनीयता के लिए सुधारों को जरूरी बताया। सिएरा लियोन के राष्ट्रपति जूलियस माडा बायो ने भी दर्द बयां किया कि 1.6 अरब से अधिक लोगों का घर होने के बावजूद पूरे अफ्रीका को कोई स्थायी सीट नहीं मिली है, पर सच्चाई यह है कि ये सभी देश मिलकर भी भारत को सुरक्षा परिषद की दहलीज पार नहीं करा सकते। इसका मुख्य कारण संयुक्त राष्ट्र चार्टर के कई अचूक नियम हैं, जिन्हें तोड़ना किसी के वश में नहीं है। सुरक्षा परिषद का विस्तार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मूल संविधान (यूएन चार्टर) को बदलना होगा। अनुच्छेद 108 के तहत इस संशोधन को लागू करने के लिए दो ऐसी शर्तें हैं जो भारत कभी पूरी नहीं कर पाएगा। एक- महासभा के दो-तिहाई देशों (129 देश) का बहुमत और दो- वर्तमान के सभी पांच स्थायी सदस्यों (पी5- अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) की अनिवार्य और व्यक्तिगत सहमति। इन पांचों देशों को अपनी-अपनी संसदों से इस कानून को पास कराना होगा। फिर एक बार को माल भी लिया जाए कि अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस को भारत ने अपने पक्ष में मना भी लिया, तब भी चीन हमेशा की तरह आगे भी भारत की स्थायी सीट का विरोध करेगा ही। जैसा कि उसका अब तक का चरित्र हमेशा से रहता आया है। यानी कि यदि भारत दुनिया के 190 देशों को अपने पक्ष में कर ले और अमेरिका, रूस, फ्रांस तथा ब्रिटेन भी भारत के पक्ष में दस्तखत कर दें, तब भी अकेले चीन के पास यह ताकत है कि वह इस पर वीटो कर दे। चीन का एक अकेला 'ना' बाकी पूरी दुनिया के 'हां' को कचरे के डिब्बे में डाल देता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं होता। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश जानते हैं कि चीन कभी भी भारत के नाम पर सहमति नहीं देगा, इसलिए वे भारत को खुश रखने और भारत के बड़े बाजार के साथ अरबों डॉलर के रक्षा सौदे करने के लिए खुलकर भारत का समर्थन करने का नाटक करते हैं। यहां विचारणीय है कि अब ऐसी परिस्थिति में भारत को आखिर क्या करना चाहिए, स्वभाविक है कि इस कड़वे सच के बावजूद भारत को हाथ पर हाथ धरकर बैठने के बजाय वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने वाले आक्रामक कदम उठाने चाहिए।

सेहत मंत्र

आम की पत्तियों से करें डायबिटीज का इलाज

दुनियाभर में डायबिटीज यानी मधुमेह के मरीजों की गिनती तेजी से बढ़ती जा रही है। इस बीमारी में मरीज के ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है जिससे शरीर की इंसुलिन उत्पादन क्षमता प्रभावित होने लगती है। इसे कंट्रोल में रखने का सबसे जरूरी काम खान-पान का विशेष तौर पर ध्यान रखना है। इसी के साथ आप कुछ घरेलू तरीकों को अपनाकर भी डायबिटीज कंट्रोल में रख सकते हैं। डायबिटीज कंट्रोल के लिए आज जो पद्धति हम आपको बताने वाले हैं, वह चीन में प्राचीन काल से इस्तेमाल की जा रही है। चीनी नुस्खे के मुताबिक, आम की पत्तियां डायबिटीज के इलाज के लिए सबसे बेहतर साबित हो सकती हैं। इसकी पत्तियों को लंबे समय से डायबिटीज के साथ-साथ अस्थमा के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है क्योंकि आम की पत्तियों में भरपूर न्यूट्रीशन जैसे पेक्टिन, फाइबर और विटामिन सी भरपूर होता है जो बुरे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। 2010 में हुए एक शोध में भी यह बात सामने आई थी कि आम की पत्तियों में ग्लूकोज अवशोषित करने की क्षमता होती है जो रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल में रखता है। सबसे पहले आम की पत्तियां शरीर में इंसुलिन के उत्पादन को सही करती हैं, जिससे धीरे-धीरे शुगर लेवल कंट्रोल में आना शुरू हो जाता है।

कैसे बनाएं आम की पत्तियों का काढ़ा– 15 ताजी आम की पत्तियों को 100 से 150 मिली लीटर पानी में अच्छे से उबालकर इसका काढ़ा बना लें। रातभर इसे ऐसे ही रहने दें और सुबह इस काढ़े को पीएं। ऐसा तीन महीने लगातार करें। आपको अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

धर्म मंत्र

घर में लाएं ये चीज़ पितृ दोष का होगा नाश

गुड़-घी का धूप विशेष दिनों में देने से देवदोष व पितृदोष का शमन होता है। घर में किसी भी प्रकार का संकट नहीं आता लेकिन यह धूप देवताओं के निमित्त ही देना चाहिए। कपूर अति सुगंधित पदार्थ है तथा इसके दहन से वातावरण सुगंधित हो जाता है। प्रतिदिन सुबह और शाम घर में संध्यावंदन के समय कपूर जरूर जलाएं। हिंदू धर्म में संध्यावंदन, आरती या प्रार्थना के बाद कपूर जलाकर उसकी आरती लेने की परम्परा है। घर के वास्तुदोष को मिटाने के लिए कपूर का बहुत महत्व है। यदि सीढ़ियां, टॉयलेट या द्वार किसी गलत दिशा में निर्मित हो गए हैं तो सभी जगह एक-एक कपूर की बट्टी रख दें। वहां रखा कपूर चमत्कारिक रूप से वास्तुदोष को दूर कर देगा। रात्रि में सोने से पहले पीतल के बर्तन में घी में भीगा हुआ कपूर जला दें। इससे तनावमुक्ति होगी और गहरी नींद आएगी। घर में साफ-सफाई रखते हुए पीपल के पत्ते से 7 दिन तक पूरे घर में गौमूत्र के छींटे मारें एवं तत्पश्चात शुद्ध गुग्गल की धूप जला दें। इससे घर में किसी ने कुछ कर रखा होगा तो वह दूर हो जाएगा और सभी के मस्तिष्क शांत रहेंगे। हफ्ते में एक बार किसी भी दिन घर में कंडे जलाकर गुग्गल की धूनी देने से गृह-कलह शांत होती है।

पर्यटन

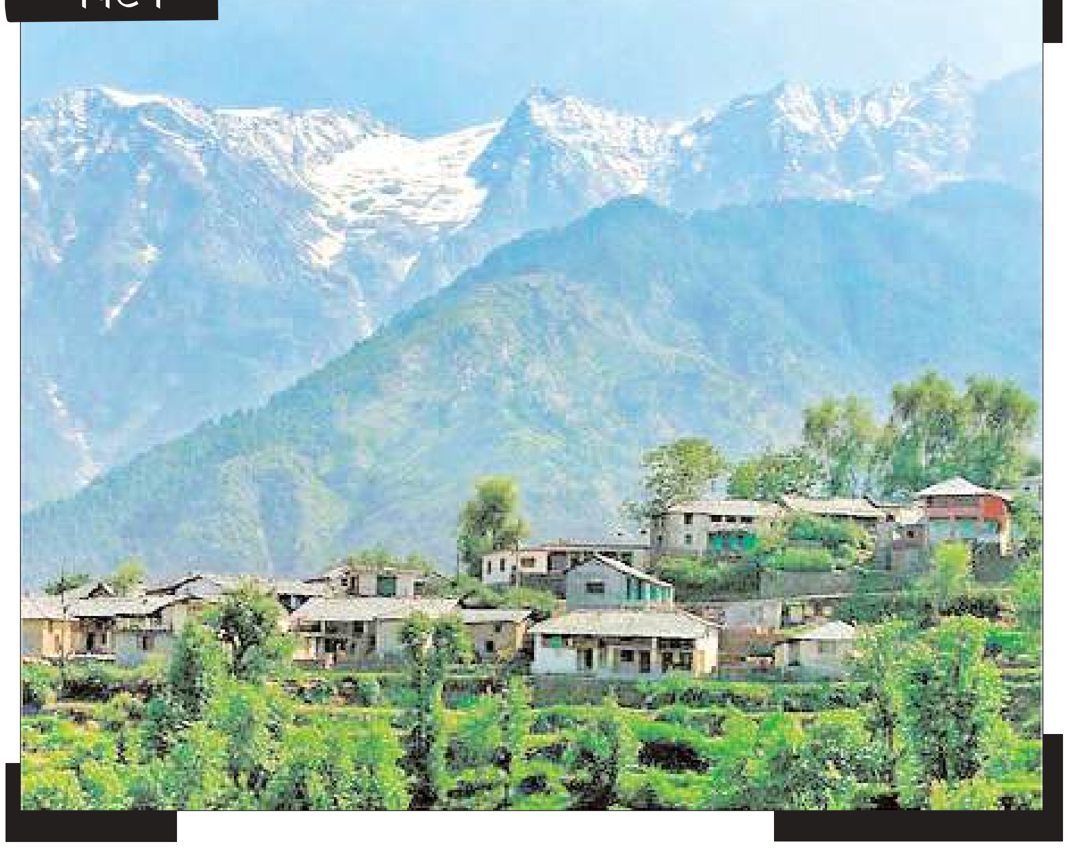

दुनिया की भीड़ से दूर मशोबरा में लें प्राकृतिक नजारों का मजा

लोग घूमने के लिए अक्सर भीड़-भाड़ से दूर शांत जगहों की तलाश में रहते है। आज हम आपको ऐसी जगहें के बारे में बताने जा रहें जहां पर आप शांति से अपनी छुट्टियां बिता सकते है। हम बात कर रहें है शिमला में स्थित मशोबरा की। दुनिया की भीड़ से दूर छुट्टियां बिताने के लिए यह एकदम परफैक्ट प्लेस है। मशोबरा चारों ओर से चीड़, पाइन और देवदार के जंगलों से घिरा हुआ है। यह एशिया के सबसे बड़े वाटरशेड के रूप में जाना जाता है। ऑफ-बीट डेस्टिनेशन में शामिल यह छोटा-सा हिल स्टेशन रिलैक्सिंग और एंजॉयमेंट के लिए बेस्ट है। मार्च से मई का महीना मशोबरा घूमने-फिरने के लिए बेस्ट होता है क्योंकि उस दौरान यहां का मौसम बहुत ही सुहावना होता है। जून से सितंबर के बीच यहां अच्छी बारिश होती है, जिस दौरान आप कई एक्टविटीज का मजा ले सकते हैं। वहीं अक्टूबर से फरवरी तक यहां बहुत ठंड होती है। इसके अलावा स्नोफॉल देखने के लिए यहां जनवरी और फरवरी के महीने में आना सही रहेगा। शिमला में स्थित मशोबरा बहुत ही खूबसूरत ट्रैवल डेस्टिनेशन है। यहां आपको घूमने के साथ एडवेंचर के भी कई ऑप्शन मिलेंगे। यहां आप ट्रैकिंग से लेकर पैराग्लाइडिंग, पोनी राइड्स, कैंपिंग और बारमेन-बसंतपुर रोड पर बाइकिंग जैसे कई सारे एडवेंचर का मजा ले सकते हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण शिमला के किसी भी कोने से आप हनुमान जी के जाखू मंदिर को देख सकते हैं। पहाड़ी पर घने जंगलों के बीच बने इस मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको माशोबरा से लगभग 5 कि.मी. का सफर तय करना पड़ेगा। अगर आप यहां की असली संस्कृति से रूबरू होना चाहते हैं तो महासू देवता का मंदिर देखना न भूलें। मई के पूरे महीने में तो यहां खास उसत्व भी मनाए जाते हैं। नेचर लवर्स के लिए मशोबरा जन्नत से कम नहीं है। यहां आपको अलग-अलग तरह के पक्षी और पशु देखने को मिलेंगे। यहां पक्षियों की चहचहाट के अलावा आपको दूसरा शोर सुनाई ही नहीं देगा।

विधायक की तत्परता पीड़ित परिवारों को मिला अनुदान, कुर्सी के नहीं ! जमीन के नेता हैं साकेन्द्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी।सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए क्षेत्रीय विधायक साकेन्द्र ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे कागजों के नहीं, जमीन के नेता हैं।

विगत दो दिनों के मध्य क्षेत्र में हुई विभिन्न हृदय विदारक घटनाओं - चाहे वह बाढ़ में डूबने से हुई जनहानि हो, आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई मृ जताई बिनात्यु हो, या सड़क हादसे में असमय काल के गाल में समाए लोगों का मामला हो - विधायक जी ने सभी घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया। उन्होंने राजस्व विभाग के कर्मियों पर भरोसा जताए बिना ही स्वयं प्रशासन से लेकर शासन तक दौड़-भाग कर, तत्परता दिखाते हुए सभी मृतकों के परिजनों को अनुमन्य आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कराकर उनके घर-घर भिजवाई। सहायता राशि प्राप्त होते ही शोक संतप्त परिवारों की आंखें भर आईं। परिजनों ने कहा कि ''दुख की इस घड़ी में जब सबने किनारा कर लिया था, विधायक जी ने बड़े भाई और बेटे की तरह हमारा साथ दिया।''

'' परिवारीजनों को दिया था भरोसा ''

बीते रविवार को बैना गांव में निर्माणाधीन मुर्गी फार्म परिसर में मिट्टी पटाई के लिए खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में नहाते समय सुमित (12) पुत्र शंकर, देवा (14) पुत्र गुड्डू और दिव्यांश पुत्र धर्मराज की डूबने से मौत हो गई थी। घटना के बाद विधायक ने प्रशासन को पत्र भेजकर तीनों परिवारों को दैवीय आपदा राहत कोष से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने का अनुरोध किया था। सोमवार, 28 सितंबर को विधायक स्वयं गांव पहुंचे और मृतकों के परिजनों को सहायता के स्वीकृति पत्र सौंपे।

इसके बाद विधायक कुर्सी के नया पुरवा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने दूध विक्रेता यूसुफ के परिजनों से मुलाकात की। शनिवार को कुर्सी कस्बे में इटौंजा मोड़ के पास तेज बारिश और हवा के दौरान जर्जर जूनियर हाईस्कूल की बाउंड्रीवाल गिरने से यूसुफ गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रविवार भोर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। विधायक ने परिवार को चार लाख रुपये की स्वीकृत सहायता का पत्र सौंपकर सांत्वना दी।

विधायक साकेंद्र वर्मा आंधी-तूफान के दौरान पेड़ गिरने से जान गंवाने वाले दूध व्यवसायी संजय वर्मा के परिजनों से मिलने भी पहुंचे। सीतापुर जिले के महमूदाबाद थाना क्षेत्र के मानापुर निवासी संजय वर्मा पुत्र स्व. रामदुलारे वर्मा मोटरसाइकिल से जा रहे थे। कुर्सी विधानसभा क्षेत्र के झबरापुर गांव के पास तेज बारिश और आंधी के दौरान अचानक सड़क पर बड़ा पेड़ गिरने से उनकी मौत हो गई थी। विधायक ने शोक संतप्त इन सभी परिवारों को सांत्वना देते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया था। जो आज पूरा हआा।

विधायक साकेन्द्र ने कहा - ''यह सहायता नहीं, हमारा सामाजिक दायित्व है। मेरा प्रयास रहेगा कि क्षेत्र में किसी भी आपदा, दुर्घटना या प्राकृतिक घटना में कोई भी परिवार खुद को अकेला न समझे। उनका सेवक 24 घंटे उनके साथ खड़ा है।''विधायक की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में चारों ओर सराहना हो रही है। इस

अवसर पर भाजपा के मंडल महामंत्री विशाल सिंह और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा प्रदीप रावत , मंडल उपाध्यक्ष नितिन मौर्य, सुनील विश्वकर्मा , सत्येंद्र प्रताप सिंह , जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा श्रीश रावत ,मुकेश सिंह, दीपक यादव , मिथुन रावत , सरवन रावत उपस्थित रहे।

गौशाला में गंदगी देख भड़कीं बीडीओ पूजा सिंह, एनजीओ को थमाया नोटिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर गौशाला का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश; बीमार पशुओं का कराया उपचार

सिद्धौर, बाराबंकी। निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और उनकी बेहतर देखभाल को लेकर खंड विकास अधिकारी सिद्धौर पूजा सिंह सोमवार को एक्शन मोड में नजर आईं। उन्होंने हाजीपुर स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में साफ-सफाई की खराब स्थिति और अव्यवस्थाएं मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए संचालन कर रही संबंधित एनजीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने गौशाला में संरक्षित गोवंशों के लिए चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल, शेड, प्रकाश व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों से पशुओं की संख्या, चारे की उपलब्धता और नियमित देखभाल संबंधी जानकारी प्राप्त की। गौशाला में कुछ पशुओं के अस्वस्थ पाए जाने पर तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाकर उनका उपचार भी सुनिश्चित कराया गया।

बीडीओ ने स्पष्ट किया कि गौशालाएं केवल औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि निराश्रित गोवंशों के संरक्षण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हैं। ऐसे में साफ-सफाई, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों को नियमित निगरानी रखने, परिसर को स्वच्छ बनाए रखने तथा पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

> ''गौशाला में संरक्षित प्रत्येक गोवंश की सुरक्षा, स्वास्थ्य और समुचित देखभाल हमारी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई संबंधी कमियां मिलने पर संबंधित एनजीओ को नोटिस जारी किया गया है। सभी व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''
>
> **श्रीमती पूजा सिंह, खंड विकास अधिकारी**

निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति रही। बीडीओ ने चेतावनी दी कि अगली समीक्षा में यदि कमियां दोबारा मिलीं तो जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ, 450 खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रिजर्व पुलिस लाइंस में सोमवार को राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करीब 450 बालक एवं बालिका खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अपनी प्रतिभा के बल पर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार की ओर से खेलों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। समारोह में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी पंकज वर्मा, संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल , विद्यांशु शेखर झा सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारिश में शिक्षकों को स्कूल बुलाने और निरीक्षण पर शिक्षक संगठनों में आक्रोश

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारी बारिश और जलभराव के बीच विद्यार्थियों का अवकाश घोषित कर शिक्षकों को विद्यालय बुलाने तथा सघन निरीक्षण कराने पर शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जताई है। संगठनों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से विषम परिस्थितियों में शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग की है।

बीते 25 और 26 सितंबर को जिले में अत्यधिक बारिश के बावजूद 26 सितंबर को शिक्षकों को विद्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे। शिक्षक संगठनों का कहना है कि शिक्षकों ने प्रतिकूल मौसम में भी अपने दायित्वों का निर्वहन किया, लेकिन ऐसी परिस्थितियों में सघन निरीक्षण कराना उचित नहीं था।

प्राथमिक शिक्षक संघ के डॉ. राकेश कुमार सिंह व पवन कुमार वर्मा, जूनियर शिक्षक संघ के धर्मेंद्र कुमार, यूटा के आशुतोष कुमार, शैक्षिक महासंघ के सुनील कुमार तथा अटेवा के अमित वर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भविष्य में अत्यधिक बारिश और जलभराव के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति संबंधी निर्णय मानवीय एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से लेने की मांग की। उमा नाथ मिश्र, विकास वर्मा, आशीष सिंह, पूर्णेश प्रताप सिंह, राजेश श्रीवास्तव, संतोष वर्मा, श्याम किशोर बाजपेई, रवि भदौरिया, दिलीप तिवारी और जय कुमार ने भी शिक्षकों की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की।

सपाईयों ने शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता विरोधी दाल राम गोविंद चौधरी की श्रद्धांजलि सभा नमक मंडी वरिष्ठ नेता हाजी निसार अहमद गुड्डू प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन के नेतृत्व में उनके आवास नमक मंडी पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें मौजूद सपा के वरिष्ठ नेता हाजी निसार अहमद गुड्डू प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट समाजसेवी अकरम जमाज रानू पवन अग्रवाल, नुमान अहमद, शाद जमाल, राम रुद्र गुप्ता, सुनील कसौधन हौसला प्रसाद तिवारी आदि दर्जनों सपाइयों ने अपने नेता को श्रद्धा सुमन अर्पित कर याद किया। अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट वरिष्ठ नेता हाजी निसार अहमद गुड्डू नेताद्वय ने कहा कि राम गोविंद समाजवादी आंदोलन के नेता थे उन्होंने अपना पूरा जीवन समाजवादी आंदोलन के लिए संघर्ष किया जेपी आंदोलन से जुड़कर जयप्रकाश नारायण के साथ पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र नेता मुलायम सिंह यादव और उनकी पीढ़ी के साथ मिलकर समाजवादी आंदोलन को जीवन भर काम करते रहे श्री बिसेन ने कहा कि ये कई बार विधायक और मंत्री रहें और समाजवादी पार्टी के संघर्ष को प्रभावी ढंग से गांव से सदन तक गरीब मजलूमों की आवाज उठाते वाले नेता थे नेता विरोधी दल के रूप में सरकार को घेरने और सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का समस्याओं को उठाने का उनका तरीका बहुत प्रभावित हुआ करता था।

शहीद ए आजम की जयंती पर निकाली प्रभात फ़ेरी, किया रक्मदान शिविर का आयोजन

सुल्तानपुर। आजाद समाज सेवा समिति द्वारा शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह के नेतृत्व में नगर में प्रभात फ़ेरी निकालकर समस्त शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर जिला पंचायत स्थित भगत सिंह की प्रतिमा के समक्ष गोष्ठी आयोजित हुई तथा मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में संस्था के 28 प्राधिकारियों द्वारा रक्तदान कर शहीद ए आजम भगत सिँह सहित देश की आजादी के लिए अपने प्राण नेवछावर करने वाले समस्त शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर डॉ प्रियंका वर्मा, सीएमएस डाक्टर अविनाश गुप्ता, ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर संजय कुमार सिंह, व वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि शहीदों की जयंती व पुण्यतिथियों पर रक्तदान कर शहीदो को श्रद्धांजलि देने की आजाद समाज सेवा समिति की परंपरा की जितनी सराहना की जाए कम है। इसके पूर्व गोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष शराफत खान व उपाध्यक्ष बब्लू सिंह प्रधान, उपाध्यक्ष गिरीश तिवारी एवँ रविंद्र तिवारी ने कहा कि भगत सिंह ने आजादी के आंदोलन में सरदार होते हुए भी अपने बाल तक कटवा लिए उन्होंने धर्म से बढकर अपने राष्ट्र को सर्वोपरि माना। गोष्ठी में विजय यादव, दिलीप सिँह, सरदार जेपी सिंह, प्रवक्ता सर्वेश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये और गोष्ठी में उपस्थित राजवीर श्रीवास्तव ने देश भक्ति गीत,मेरा रंग दे बसंती चोला,, के गीत से सबको भाव विभोर कर दिया। रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से ब्लॉक प्रमुख दुबेपुर प्रतिनिधि शेखर सिंह, शराफत खान, शैलेश वर्मा, मसूद अहमद, गिरीश तिवारी, अमित सिंह, योगेश कुमार सिंह, रियासत अली, रणजीत कुमार राय, मोहम्मद यूनुस, हेमंत तिवारी, आदर्श सिंह, प्रणव श्रीवास्तव, हर्षित तिवारी, माहे आलम, अमित शर्मा, विनोद रावत, अजय कुमार सिंह, मकसूद अंसारी, एडवोकेट शिव शंकर सिंह, मोहम्मद शफीक घोसी, अनिल कोरी, दिलीप सिंह, अनुज, राजू सिह, प्रवीण दीक्षित, मयंक पांडे, व सर्वेश सिंह सहित 28 लोगों ने रक्तदान किया।

आयोजित रोजगार मेले में चयनित 987 अभ्यर्थियों को जिला विकास अधिकारी व परियोजना अधिकारी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

पीलीभीत। डीएम के आदेशानुसार उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत मा0 प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों की निरन्तर सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के क्रम में कौशल विकास मिशन, उपाधि महाविद्यालय पीलीभीत के संयुक्त तत्वाधान में उपाधि महाविद्यालय में आज प्रात 10 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 30 टेक्निकल एवं नॉन टेक्निकल प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। वृहद रोजगार मेले का उद्घाटन प्राचार्य प्रो0 दुष्यन्त कुमार, उपाधि महाविद्यालय पीलीभीत के कर कमलों द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण किया गया।

दो साल से अधूरा नाला, धंसी इंटरलॉकिंग पर जलभराव से ग्रामीण परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। तहसील क्षेत्र में लकड़मंडी बड़नपुर से गणेशपुर जाने वाले मार्ग पर जिला पंचायत की लापरवाही से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। करीब 50 मीटर इंटरलॉकिंग लंबे समय से क्षतिग्रस्त है, जबकि जल निकासी के लिए बनाया जा रहा नाला दो वर्ष से अधिक समय से अधूरा पड़ा है। चार दिनों की बारिश के बाद सड़क पर जलभराव से आवागमन मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक इंटरलॉकिंग सड़क से नीचे धंस चुकी है। जल निकासी की व्यवस्था न होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा रहता है। इससे स्कूली बच्चों, शिक्षकों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीण संतोष और रिंकू ने बताया कि अधिकारियों सहित जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्राम प्रधान आशा वर्मा ने बताया कि निर्माण जिला पंचायत ने कराया था, इसलिए मरम्मत की जिम्मेदारी भी उसी की है। ग्रामीणों ने अधूरे नाले का निर्माण पूरा कराने और क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विश्व रेबीज दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पीलीभीत।स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, पीलीभीत में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए रेबीज की रोकथाम, बचाव एवं उपचार के संबंध में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।मीडिया प्रभारी एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के 200 बेड चिकित्सालय के ग्राउंड फ्लोर पर आयोजित कार्यक्रम में मरीजों एवं तीमारदारों को रेबीज के संक्रमण, इसके बचाव तथा कुत्ते अथवा अन्य संदिग्ध पशु के काटने या खरोंचने की स्थिति में अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. हुमा खान ने कहा कि, ‟रेबीज एक अत्यंत गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर जागरूकता, उचित प्राथमिक उपचार और आवश्यक टीकाकरण के माध्यम से इससे पूरी तरह बचाव संभव है। पशु के काटने या खरोंचने की घटना को कभी भी सामान्य नहीं समझना चाहिए तथा बिना विलंब चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। हमारा उद्देश्य केवल मरीजों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि समुदाय को जागरूक कर बीमारियों की रोकथाम में उसकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। सेवा संकल्प अभियान इसी जनहितकारी सोच को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. वर्तिका अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रेबीज की गंभीरता, संक्रमण के प्रमुख स्रोत, पशु के काटने अथवा खरोंचने के बाद तत्काल घाव की सफाई, समय पर चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यक टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञों ने बताया कि रेबीज एक गंभीर और लक्षण विकसित होने के बाद लगभग हमेशा घातक बीमारी है, लेकिन समय पर उचित पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफाइलेक्सिस के माध्यम से इसकी रोकथाम संभव है। पशु के काटने या खरोंचने की स्थिति में घाव को तत्काल साबुन और बहते हुए पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए तथा बिना विलंब निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा चिकित्सकीय सुविधा पर पहुंचकर विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों ने रेबीज से संबंधित विभिन्न जिज्ञासाएं एवं शंकाएं साझा कीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में निखरी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा

निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी सेवा संकल्प अभियान के तहत कोठी स्थित एच एल वी इंटर कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हुए निबंध लेखन, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने अपने विचारों, कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निबंध लेखन के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने अपने विचारों को शब्दों में अभिव्यक्त किया, वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उत्साह और उमंग से भरा रहा।

प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित होने के बाद प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ इस तरह की रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है। इससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का गुण विकसित होता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिद्धौर ब्लॉक प्रमुख आरती रावत रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालयों में समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन होते रहना चाहिए, ताकि छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच मिल सके। इस अवसर पर जिला महामंत्री बृजेश रावत, मंडल अध्यक्ष राम तीरथ वर्मा, प्रवीण सिसोदिया, विद्यालय प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एशियाई खेल 2026: ईशा सिंह ने 25 मीटर पिस्टल में जीता रजत

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की ईशा सिंह ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। सोमवार को रोमांचक फाइनल में ईशा का स्कोर चीन की शियाओ जियारुईशुआन के बराबर 38 अंक रहा, लेकिन दूसरे शूट-ऑफ में मामूली अंतर से पिछड़ने के कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक ने 34 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। ईशा ने फाइनल की शानदार शुरुआत करते हुए पहले सीरीज में पांचों निशाने साधे और शुरुआती बढ़त हासिल की। दूसरी सीरीज में चार निशाने सही लगाकर वह 10 शॉट के बाद भी शीर्ष पर बनी रहीं। इसके बाद तीन हिट वाली सीरीज के कारण ईशा दूसरे स्थान पर खिसक गईं, जबकि शियाओ 13 अंकों के साथ आगे निकल गईं। ईशा ने अगली सीरीज में चार हिट लगाकर वापसी की और 20 शॉट के बाद शियाओ के साथ 16 अंकों पर बराबरी कर ली। 25 शॉट के बाद ईशा और शियाओ 20-20 अंकों पर थीं और किम भी शीर्ष पर पहुंच गई थीं। हालांकि अगली सीरीज के बाद ईशा तीसरे स्थान पर खिसक गईं। उन्होंने इसके बाद पांच हिट की अहम सीरीज के साथ वापसी की और पदक पक्का किया। 40 शॉट के बाद शियाओ और किम 32-32 अंकों पर थीं, जबकि ईशा के 31 अंक थे। इसके बाद रजत और कांस्य पदक का फैसला शूट-ऑफ से हुआ। ईशा और किम ने शुरुआती दो शूट-ऑफ सीरीज में तीन-तीन हिट लगाए। निर्णायक शूट-ऑफ में ईशा ने तीन निशाने साधे, जबकि किम दो ही हिट कर सकीं। इसके साथ ईशा ने कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया। इसके बाद स्वर्ण पदक के लिए ईशा और शियाओ के बीच शूट-ऑफ हुआ। नियमित फाइनल और पहले शूट-ऑफ के बाद दोनों के 38-38 अंक थे, इसलिए पांच शॉट का एक और निर्णायक शूट-ऑफ हुआ। इसमें शियाओ ने तीन और ईशा ने दो निशाने साधे। इस तरह शियाओ ने स्वर्ण और ईशा ने रजत पदक अपने नाम किया। इस पदक के साथ एशियाई खेलों में भारत की पदक संख्या 39 हो गई है। भारत के खाते में अब तक 4 स्वर्ण, 17 रजत और 18 कांस्य पदक हैं।

एशियाई खेल 2026: पिंकी बलहारा ने कुराश में जीता कांस्य पदक

आइची-नागोया। भारत की पिंकी बलहारा ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 78 किलोग्राम वर्ग के कुराश में कांस्य पदक जीता। सोमवार को आइची प्रीफ़ेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की सुमिन मो के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिंकी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की गारम लिम को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें राउंड ऑफ 16 में बाई मिली थी। यह पिंकी बलहारा का एशियाई खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2018 एशियाई खेलों में महिलाओं के 52 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था। उस फाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान की गुलनोर सुलेमानोवा से हार का सामना करना पड़ा था। हांगझोऊ एशियाई खेलों में पिंकी पदक से चूक गई थीं। उन्हें क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा एलमुरोडोवा ने हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की प्रारंभिक टीम में रबाडा शामिल

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी प्रारंभिक टीम में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को शामिल किया है। हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे रबाडा की पहले टेस्ट में उपलब्धता का फैसला अगले सप्ताह होने वाले इंट्रा-स्क्वाड मुकाबले के बाद किया जाएगा। रबाडा को विंटर ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी और वह फिलहाल उससे उबर रहे हैं। लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और क्वेना मफाका को हैमस्ट्रिंग चोटों से उबरने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। केंद्रीय अनुबंध से बाहर हो चुके एनरिक नॉर्त्जे को विस्तारित टीम में शामिल किया गया है। वह मार्च, 2023 के बाद अपना पहला टेस्ट खेलने की दौड़ में हैं। टीम में कुल सात तेज गेंदबाजों को जगह दी गई है। जेराल्ड कोएत्जी भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले

वनडे से चोट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने आखिरी टेस्ट नवंबर, 2024 में खेला था। कोएत्जी के अलावा कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसन, वियान मुल्डर और डेन पैटरसन तेज गेंदबाजी के विकल्प होंगे। पैटरसन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्क्स एकरमैन टीम में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका ए के लिए 1000 से अधिक रन बना चुके एकरमैन शीर्ष तीन में जगह बनाने के लिए टोनी डी जॉर्जी, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। स्पिन विभाग में केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी को शामिल किया गया है। तीनों खिलाड़ी पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल चुके हैं। शुरुआती सीजन में परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार रहने की उम्मीद है और तीनों टेस्ट समुद्र तटीय मैदानों पर खेले जाने हैं। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका एकादश में तीन में से दो स्पिनरों को उतारने पर विचार कर सकता है। दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम 1 अक्टूबर को डरबन में एकत्र होगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की प्रारंभिक टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्क्स एकरमैन, डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, जेराल्ड कोएत्जी, टोनी डी जॉर्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्त्जे, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रियान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेयेन।

एशियन खेल : भारतीय महिला स्क्वैश टीम की लगातार दूसरी जीत, जापान को 2-1 से हराया

एजेंसी

आइची-नागोया। भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने एशियन गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को जापान को 2-1 से हरा दिया। चीन के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में 2-1 की जीत के बाद यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। भारत को शुरुआती बढ़त जोशना चिनप्पा ने दिलाई। उन्होंने जापान की एरिसा सानो को 11-1, 11-8 से हराकर मुकाबले में भारत को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद अनाहत सिंह का सामना सातोमी वातानाबे से हुआ। वातानाबे ने पहला गेम 11-8 से जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन अनाहत ने वापसी करते हुए अगले दो गेम 11-8 और 11-7 से जीत लिए। हालांकि जापानी खिलाड़ी ने चौथा गेम 11-8 से अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक पांचवें गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन वातानाबे ने 11-9 से जीत दर्ज करते हुए मैच 11-8, 8-11, 7-11, 11-8, 11-9 से अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही जापान ने मुकाबले में 1-1 की बराबरी कर ली। इसके बाद निर्णायक मुकाबले में तन्वी खन्ना ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने अकारी मिदोरिकावा को 12-10, 11-9, 4-11, 12-10 से हराकर भारत को 2-1 की जीत दिला दी। भारत ने इससे पहले महिला टीम स्पर्धा के अपने शुरुआती मुकाबले में चीन को भी 2-1 से मात दी थी।

कोहली का करियर खत्म होने के बाद ही उनकी विरासत की अहमियत समझ आएगी : इयान बिशप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए। उनके इस ऐतिहासिक मुकाम और शानदार निरंतरता पर जियोस्टार के विशेषज्ञ इयान बिशप और वरुण आरोन ने जियोहॉटस्टार के 'हायर क्रिकेट लाइव' पर चर्चा की। इयान बिशप ने विराट कोहली की 15,000 एकदिवसीय रन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, ल्लआपको वही करना पसंद होना चाहिए, जो आप इतने लंबे समय तक करते हैं और उसी के साथ खुद को विकसित करते हैं। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बेहद खास श्रेणी में रखता है, क्योंकि उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर की तुलना में 74 पारियां कम खेलकर

15,000 रन पूरे किए हैं। मैं सचिन को बहुत सम्मान देता हूं और उनके खिलाफ खेल चुका हूं। उनका करियर जहां भी खत्म होगा, उन्हें इस प्रारूप के महानतम बल्लेबाजों में, बल्कि शायद सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल होना ही होगा। यह असाधारण है। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन पर और स्टेडियम में मौजूद कई प्रशंसक इसकी सराहना कर रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसकी पूरी अहमियत तब तक समझ पाएंगे, जब तक उनके खेलने के दिन खत्म हुए कुछ समय नहीं बीत जाता। कोहली की निरंतरता पर बिशप ने कहा, विराट इस मामले में अलग हैं। रनों के लिए उनकी भूख और लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी गणना, मुझे लगता है कि इस खेल में उसका कोई मुकाबला नहीं है। विराट को मौके की अहमियत समझने की क्षमता है, भले ही वह खुद इसे स्वीकार न करें। लेकिन यही उनका विकास है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि उन्होंने 15,000 रन पूरे कर लिए हैं। मुझे पता है कि सचिन भी वहां पहुंचे थे, लेकिन यह बहुत बड़ी संख्या है। अगर इस समय मेरे पास फूल होते, तो मैं उन्हें देता, क्योंकि वह वास्तव में इसके हकदार हैं। युवा पीढ़ी को कोहली से सीख लेने की बात पर बिशप ने कहा, ल्लहम सभी इसके बारे में जानते हैं, क्योंकि मैं खिलाड़ियों को यह कहते सुन-सुनकर थक गया हूं कि 'मैं इसी तरह खेलता हूं।' खेल से बाहर के लोग भी कहते हैं कि एक निश्चित उम्र के बाद आप नई चीजें नहीं सीख सकते। अगर मुझे विराट कोहली के वर्षों के प्रदर्शन से एक चीज सीखनी हो, तो वह यह है कि आक्रामक खेल को विकसित करने, टी20 या सफ़ेद गेंद के क्रिकेट में आए बदलावों के अनुसार खुद को ढालने, अपने पावर गेम को विकसित करने और अपनी उम्र में इतने छक्के लगाने के लिए कभी देर नहीं होती। उन्होंने कहा, यह दिखाता है कि जब इच्छाशक्ति हो, तो कई बार अगर आप पर्याप्त समझदार हैं तो रास्ता खोज सकते हैं। अगर कोई क्रिकेटर इससे कुछ सीख सकता है, तो मैं चाहता हूं कि वह यही याद रखे–अपने सहज क्षेत्र में मत रुको। बल्लेबाज, गेंदबाज, क्षेत्ररक्षक या कप्तान, अपने सहज क्षेत्र से बाहर निकलो। वरुण आरोन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 4/40 का शानदार प्रदर्शन करने वाले कुलदीप यादव की तारीफ की। उन्होंने कहा, ल्लकुलदीप को बाहर किया जाना और पर्याप्त मौके न मिलना कभी नहीं होना चाहिए था। वह शानदार गेंदबाज हैं। वह विकेट लेने वाले और मैच जिताने वाले गेंदबाज हैं। उस विकेट पर इस तरह का टर्न और उछाल हासिल करना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने आगे कहा, हमने शाई होप को कहते सुना कि उनकी टीम कम से कम 60-70 रन पीछे रह गई। इतने सपाट विकेट पर कुलदीप यादव ने न केवल विकेट लेकर, बल्कि अपनी इकॉनमी से भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शुरुआत से ही रनों के प्रवाह को रोका। इसके बाद जैसे ही उन्होंने दो-तीन विकेट लिए, मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज दबाव में आ गया। रोहित शर्मा की शुरुआत पर वरुण आरोन ने कहा, वह शानदार फॉर्म में हैं।

एसआरआईटी इंडिया का आईपीओ लॉन्च 30 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी विभागों और बड़ी कंपनियों के लिए कस्टम सॉफ्टवेयर और आईटी सॉल्यूशन तैयार करने वाली कंपनी एसआरआईटी इंडिया का 248.40 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक यह आईपीओ 63 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 123 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 115 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 115 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,950 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,350 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,495 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले कुल 1.68 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए चॉयस कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। एसआरआईटी इंडिया की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 29.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 33.60 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 43.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एआईआईबी की सालाना बैठक में भाग लेने पहुंची दोहा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को दोहा पहुंची। कतर में भारत के राजदूत श्रीकर कोप्पूला ने हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीतारमण का स्वागत किया। केंद्रीय वित्त मंत्री अगले दो दिनों में दोहा में आयोजित एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) की 11वीं सालाना बैठक और एआईआईबी इन्वेस्टर्स डायलॉग-2026 में हिस्सा लेंगी। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर बताया कि इस यात्रा के दौरान सीतारमण 28 सितंबर से दोहा में आयोजित होने वाले एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 11वीं सालाना बैठक में शामिल होंगी। साथ ही वह एआईआईबी के अध्यक्ष और जॉर्डन, स्विट्जरलैंड, अल्जीरिया, सऊदी अरब और नेपाल के अपने समकक्षों के साथ भी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। मंत्रालय ने कहा कि आईआईबी की सालाना बैठक में

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक में भारत की गवर्नर के तौर पर शामिल होंगी। भारत इस बैंक का दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। इसके अलावा आधिकारिक यात्रा के हिस्से के रूप में वित्त मंत्री के कतर सरकार के नेतृत्व से मुलाकात करने और कतरी बिजनेस लीडर्स एवं निवेशकों के साथ बातचीत करने की भी उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दोहा में एआईआईबी की 11वीं सालाना बैठक और एआईआईबी इन्वेस्टर्स डायलॉग 2026 में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर हैं।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनएआई के साथ की साझेदारी की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सोमवार को ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। तेंदुलकर ने कहा कि वह चैटजीपीटी के साथ नई संभावनाओं को तलाशने, अपने अनुभव साझा करने और अधिक लोगों को इस तकनीक को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर उत्साहित हैं। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस साझेदारी के तहत वह चैटजीपीटी के इस्तेमाल के नए तरीके तलाशेंगे और जो चीजें उन्हें उपयोगी लगेंगी, उन्हें लोगों के साथ साझा करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने कहा, मैं ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। हमारे पास कुछ दिलचस्प चीजें आने वाली हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं हमेशा से जिज्ञासु रहा हूं... एक सवाल अक्सर दूसरे सवाल की ओर ले जाता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को और बढ़ावा दिया है। लेकिन जब मुझे कुछ काम पूरे करने होते हैं, तब भी यह उपयोगी साबित हुआ है, जैसे परिवार के साथ मेरी पिछली यात्रा की योजना बनाना। उन्होंने आगे कहा, इसी चीज को लेकर मैं इस साझेदारी के साथ उत्साहित हूं। यह जानना कि मैं चैटजीपीटी के साथ और क्या कर सकता हूं, जो मुझे उपयोगी लगता है उसे साझा करना और अधिक लोगों को इसे आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना–ऐसी किसी चीज के साथ जिसकी उन्हें परवाह है। कोई सवाल, कोई विचार, कोई ऐसी चीज जिसे आप हमेशा से तलाशना चाहते थे। शुरुआत करने के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं। साथ मिलकर इसे तलाशने का इंतजार है। तेंदुलकर ने इस साझेदारी से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया। वीडियो में वह चैटजीपीटी से एक खेल खेलने के लिए कहते हैं और केवल 10 सवालों की मदद से यह अनुमान लगाने को कहते हैं कि वह किसके साथ हैं। चैटजीपीटी 10 सवालों के जरिए सही जवाब तक पहुंच जाता है। क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में शामिल तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 34,357 रन बनाए हैं। इसमें टेस्ट में 15,921, एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 18,426 और एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय में 10 रन शामिल हैं। उनके नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक भी दर्ज हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2013 तक भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। वह 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाकर एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। वह 50 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरे करने वाले पहले क्रिकेटर भी थे। 2014 में तेंदुलकर को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। वह यह सम्मान पाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। ओपनएआई के साथ तेंदुलकर की साझेदारी ऐसे समय में हुई है, जब कंपनी चैटजीपीटी के इस्तेमाल को अलग-अलग क्षेत्रों में विस्तार दे रही है। इसी महीने की शुरुआत में कंपनी ने चैटजीपीटी फॉर फाइनेंशियल सर्विसेज लॉन्च किया था, जिसका शुरुआती फोकस निवेश बैंकिंग और इक्विटी रिसर्च पर है। इसमें वित्तीय डेटा और वित्तीय मॉडलिंग से जुड़े टूल उपलब्ध कराए गए हैं।

अल नीनो से रबी फसलों पर खतरा, खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होने की आशंका: कृषि सचिव

नयी दिल्ली। कृषि सचिव अतीश चंद्रा ने सोमवार को कहा कि अल नीनो के कारण वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए आगामी रबी फसल सत्र चुनौतीपूर्ण हो सकता है और उससे खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। चंद्रा ने रबी सत्र की तैयारियों पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि खासकर वर्षा आधारित क्षेत्रों में खरीफ सत्र भी काफी चुनौतीपूर्ण रहा। कई राज्यों को पहले फसल का रकबा बढ़ाने और बाद में फसल को बचाए रखने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। गेहूं और सरसों जैसी रबी फसलों की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है। उन्होंने कहा, ''हम देख रहे हैं कि आगामी सत्र में उत्पादन काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। रबी सत्र भी वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। चंद्रा ने कहा कि कुछ राज्यों को मिट्टी में अत्यधिक नमी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है, जबकि कम बारिश वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक नमी की कमी का असर रह सकता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की चमक पड़ी फीकी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

1,52,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसके अलावा कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,39,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्रामीणों और कमजोर वर्ग को बीमा की उपयोगिता बताना जरूरी : सुरेश खन्ना

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयास से बीमा के बारे में शहरी और आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग में जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और कमजोर वर्ग तक इसकी पहुंच बढ़ाने की अभी बहुत जरूरत है। बीमारी, दुर्घटना या किसी दूसरी विपरीत परिस्थिति में सबसे ज्यादा आर्थिक संकट कमजोर परिवारों के सामने आता है। ऐसे में बीमा उन्हें आर्थिक सुरक्षा देने और नुकसान कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

वित्त मंत्री यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'वित्तीय समावेशन-बीमा जरूरी है' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने हेल्थ इंश्योरेंस, मोटर इंश्योरेंस, क्लेम, सरकारी बीमा योजनाओं और वित्तीय समावेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर ऐसी कई योजनाएं चल रही हैं, जिनके बारे में लोगों को जानकारी भी है। इसके बावजूद इनका जितना अधिक प्रचार-प्रसार होगा, उतना ही ज्यादा लोगों को लाभ मिलेगा। खासतौर पर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक बीमा की जानकारी पहुंचाना जरूरी है।

वित्त मंत्री ने वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का उदाहरण देते हुए कहा कि इसकी अहमियत अक्सर दुर्घटना होने के बाद समझ में आती है। गांवों में कई बार लोग लापरवाही या जानकारी के अभाव में वाहनों का जरूरी बीमा नहीं कराते। दुर्घटना होने और किसी तीसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचने की स्थिति में यह बड़ी आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है।उन्होंने कहा कि थर्ड पार्टी इंश्योरेंस इस तरह के जोखिम को कवर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए वाहन मालिकों को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

कार्यशाला में हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ परिस्थितियों में पॉलिसी की शर्तों के अनुसार नेटवर्क या इम्पैनल्ड अस्पताल से बाहर इलाज कराने पर भी जरूरी दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी होने पर रीइम्बर्समेंट क्लेम किया जा सकता है।वित्त मंत्री ने कहा कि इस तरह की जानकारी आम लोगों तक पहुंचना जरूरी है। कई बार पॉलिसीधारक को अपनी पॉलिसी में उपलब्ध सुविधाओं और क्लेम की प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं होती। इस कारण वह जरूरत के समय बीमा का पूरा लाभ नहीं उठा पाता। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पहले परिवार में किसी व्यक्ति को लिवर सिरोसिस, किडनी की गंभीर बीमारी, कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारी होने पर इलाज का खर्च उठाना बड़ी चुनौती बन जाता था। कई परिवारों की जमा पूंजी खत्म हो जाती थी और जमीन-जायदाद तक बेचने या गिरवी रखने की नौबत आ जाती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिली है। योजना के तहत पात्र परिवारों को द्वितीयक और तृतीयक स्तर के अस्पतालों में भर्ती होकर इलाज कराने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है।

कार्यक्रम में बताया गया कि योजना के तहत सरकारी और इम्पैनल्ड निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इसमें देशभर में पोर्टेबिलिटी का प्रावधान भी है। यानी पात्र लाभार्थी दूसरे राज्य में भी योजना से जुड़े अस्पताल में उपचार करा सकता है।उत्तर प्रदेश में योजना के वित्तपोषण में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की भागीदारी है। इसमें केंद्र सरकार का 60 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश सरकार की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे मंच पर वित्तीय समावेशन और बीमा पर चर्चा का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि बीमा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना भी है। इसके लिए बीमा कंपनियों, एजेंटों और स्थानीय प्रतिनिधियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि विशेष ध्यान उन लोगों पर होना चाहिए जो गरीबी रेखा के नीचे हैं, आर्थिक रूप से कमजोर हैं या जिनके लिए किसी दुर्घटना अथवा गंभीर बीमारी का खर्च पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बिगाड़ सकता है।

उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शासन की सचिव वित्त संदीप कौर, आईआरडीएआई के जीएम पंकज तिवारी, एक्सिस मैक्स के वीपी सुमित सत्यन, बजाज जनरल इंश्योरेंस के वीपी एजाज खान और केयर हेल्थ रूरल के सीडीओ अतुल सब्रवाल समेत बीमा एवं वित्तीय क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और विशेषज्ञ मौजूद रहे।

निवेश के लिए अच्छा महौल देना सरकार की प्राथमिकता : नवीन

एजेंसी

कोलकाता/पानीहाटी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल के 15 वर्ष के शासन के दौरान पूंजी बाहर गई और करीब 6,700 कंपनियां बंद हो गईं। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश के लिए अच्छा माहौल बनाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता होगी। कोलकाता में 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देगी। भाजपा प्रमुख ने कहा कि चार मई को पश्चिम बंगाल में एक नई सुबह आई। भाजपा ने विधानसभा चुनावों में तृणमूल को हराया। उन्होंने कहा कि युवाओं की उम्मीदें पूरी की जाएंगी। नवीन ने युवाओं से जीवन में शॉर्टकट से दूर रहने का आग्रह किया और लगन और निरंतरता के महत्व पर जोर दिया?

पानीहाटी में नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि वे राज्य में कल्याणकारी योजनाओं को तेजी और भरोसे के साथ लागू कर रहे हैं। 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि 2047 तक 'विकसित बंगाल' का लक्ष्य हासिल करने के लिए शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा शुरू की गई विकास की रफ्तार को बनाए रखना होगा। नवीन ने आशा कार्यकर्ताओं की भी तारीफ की और कहा कि भारत का भविष्य उनके हाथों में सुरक्षित है, क्योंकि वे नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों की देखभाल करती हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपने हालिया बजट में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायकों और आशा कार्यकर्ताओं की मासिक वेतन में 5,000 रुपये की बढ़ोतरी की है। हम अपने अगले बजट में आवंटन को और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। आपको हमारे प्रधानमंत्री और इस सरकार पर भरोसा रखना होगा।

अशोक सिंहल का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पण का उदाहरण : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंहल को उनकी जन्मशती पर याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने सिंहल के संगठनात्मक कौशल, सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका को भी स्मरण किया। प्रधानमंत्री ने एक लेख में कहा कि सिंहल का जीवन इस भावना का उदाहरण था कि व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों से अधिक लोक कल्याण के लिए समर्पित जीवन को महत्व देना चाहिए। उन्होंने एक सुभाषित का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह वृक्ष अपने फल और नदी अपना जल अपने लिए नहीं रखते, उसी तरह संत स्वभाव के लोग दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। मोदी ने कहा कि 27 सितंबर से अशोक सिंहल की जन्मशती वर्ष की शुरुआत हुई है। उन्होंने सिंहल के साथ अपने लंबे जुड़ाव और व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए 1981 का एक प्रसंग याद किया, जब उन्हें सिंहल का हाथ से लिखा पत्र मिला था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंहल देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की यात्राएं करते थे और वंचित तथा अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए लगातार काम करने पर विचार करते रहते थे। वर्ष 2001 के कच्छ भूकंप के बाद उनके साथ का अनुभव भी उन्होंने याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संपन्न परिवार से आने के बावजूद सिंहल ने अलग मार्ग चुना और समाज तथा संस्कृति के लिए अपना जीवन समर्पित किया। प्रयागराज और काशी से उनके जुड़ाव का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि सिंहल का आध्यात्मिक साधना, शिक्षा, विशेषकर वैदिक शिक्षा और संगीत से गहरा लगाव था।

उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और एकल विद्यालय की पहल से भी जुड़े थे। मोदी ने सिंहल के संगठनात्मक कौशल का उल्लेख करते हुए 1993 में अमेरिका में आयोजित स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन की शताब्दी से जुड़े सम्मेलन और वर्ष 2000 में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में हुए विश्व हिंदू सम्मेलन के प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि सिंहल अपने सहयोगियों के प्रति स्नेह रखते थे और उनका प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंहल की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1991 की बोट क्लब रैली में उनका संबोधन और आंदोलन के दौरान घायल अवस्था की तस्वीर लंबे समय तक स्मरण में रही।

नौसेना के कमांडर नई दिल्ली में करेंगे कॉन्फ्रेंस, ऑपरेशनल तैयारियों पर होगा मंथन

रक्षा मंत्री देश के समुद्री नजरिए और नौसेना से अपना विजन और गाइडेंस साझा करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। साल में दो बार होने वाली नौसेना कमांडरों की कॉन्फ्रेंस तीन दिनों के लिए 29 सितंबर से नई दिल्ली के नौसेना भवन में होगी। नौसेना के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर होने वाली इस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिकारी 01 अक्टूबर तक सैन्य रणनीतिक स्तर पर ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में संस्थागत प्रणाली के जरिए वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व जुड़ेंगे, जिसमें आउटस्टेशन ऑपरेशनल और एरिया कमांडर शामिल हैं।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह कॉन्फ्रेंस पश्चिम एशिया में चल रहे झगड़ों के बीच भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना के योगदान को दिखाने में अहम होगी, जिसमें 'एनर्जी की सुरक्षा' भी शामिल है। इस सम्मेलन के जरिए नौसेना के चल रहे ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती से चलाने और भरोसेमंद समुद्री ताकत के तौर पर उभरने, हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे 'पसंदीदा सुरक्षा पार्टनर' के तौर पर नौसेना की हैसियत को और मजबूत होगी।

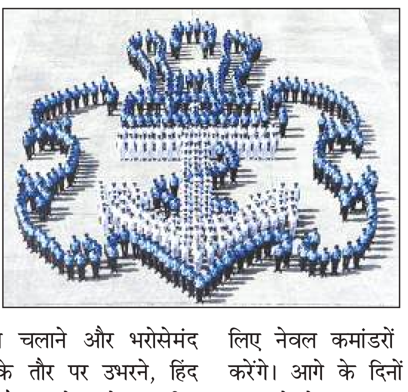

कॉन्फ्रेंस के पहले दिन रक्षा मंत्री देश के समुद्री नजरिए और नौसेना से उम्मीदों पर अपना विजन और मार्गदर्शन साझा करेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ भी तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और इंटीग्रेशन को बढ़ावा देने के लिए नेवल कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। आगे के दिनों में नौसेना प्रमुख कमांडरों के साथ ऑपरेशन्स, मटेरियल, लॉजिस्टिक्स, राहत एवं बचाव, ट्रेनिंग, एआई, बिग डेटा एनालिसिस, ऑटोनॉमस/अनक्रूड सिस्टम और साइबर ऑप्स जैसी खास टेक्नोलॉजी को शामिल करने जैसे खास फोकस एरिया का रिव्यू करेंगे, जिससे कटिंग-एज वॉर फाइटिंग कॉन्सेप्ट को अपनाने और टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाने की जरूरत पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बड़े स्तर पर नौसेना नेतृत्व भारत सरकार के आत्मनिर्भरता और विकसित भारत-2047 के विजन को पूरा करने के लिए जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता, इनोवेशन के तीन बुनियादी पिलर के हिसाब से फोर्स लेवल को अनुकूलन करने और लड़ाई की तैयारी बढ़ाने के लिए पूरी तैयारी का आकलन करेगा। भारतीय नौसेना देश की सेवा में लड़ाई के लिए तैयार, भरोसेमंद, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार फोर्स के तौर पर अपने रास्ते पर मजबूती से काम करते हुए ऑपरेशन की तेज रफ़्तार बनाए हुए है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफ़े की मांग को लेकर ईसी मुख्यालय पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। प्रमुख संवाददाता नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े और गिरफ्तारी की भी मांग उठाई? एनएसयूआई ने कहा कि मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सवालों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। संगठन के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने विनोद जाखड़ समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। विनोद जाखड़ ने कहा कि निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक से जुड़ी संस्था है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठने पर आयोग को जवाब देना चाहिए और इन मामलों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। एनएसयूआई ने कहा कि इसकी मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा, जांच में अपराध साबित होने पर कानून के तहत कार्रवाई, मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े आरोपों की समयबद्ध जांच तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार का सम्मान शामिल है।

'प्रहार' को थाना स्तर तक पहुंचाएं, अगले 10 साल के लिए मजबूत आतंकवाद-रोधी तंत्र बनाएं : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आतंकवाद-रोधी रणनीति 'प्रहार' को थाना स्तर तक पहुंचाने और आतंकवादी घटनाओं के विश्लेषण के आधार पर अगले 10 वर्षों के लिए एक मजबूत एवं ठोस तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। नई दिल्ली में 'प्रहार- आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति' पर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि आतंकवाद-रोधी ढांचे के हर स्तर पर स्वचालित प्रतिक्रिया प्रणाली को संस्थागत बनाने और कार्रवाई में किसी भी तरह की देरी रोकने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। 'प्रहार' भारत की राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति का ढांचा है, जिसे गृह मंत्रालय ने इस साल फरवरी में पेश किया था। इसका उद्देश्य आतंकवादी हमलों को रोकने, हमले की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने, केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की क्षमताओं को एकजुट करने तथा आतंकवाद के वित्तपोषण, हथियारों और सुरक्षित ठिकानों तक आतंकवादियों की पहुंच रोकने के लिए एक समन्वित व्यवस्था तैयार करना है। इस रणनीति के सात प्रमुख स्तंभों में रोकथाम, प्रतिक्रिया, आंतरिक क्षमताओं को एकजुट करना, मानवाधिकार एवं कानून का शासन, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों को कम करना, अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के साथ तालमेल तथा पूरे समाज की भागीदारी के साथ पुनर्बहाली और लचीलापन शामिल हैं। शाह ने कहा कि 'प्रहार' के प्रत्येक स्तंभ पर परिणामोन्मुखी तरीके से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है। गृह मंत्री ने इस अवसर पर नया प्रत्यर्पण पोर्टल भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि इससे विदेश में मौजूद भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाने के प्रयासों में समन्वय बेहतर होगा और प्रक्रिया में तेजी आएगी। उन्होंने राज्य पुलिस बलों से केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए विशेष टीम गठित करने को कहा। शाह के अनुसार, सरकार 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 288 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लेकर आई है। उन्होंने कहा कि एजेंसियों के बेहतर समन्वय के परिणामस्वरूप सीमापार हथियारों, विस्फोटकों और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल शहजाद भट्टी नेटवर्क के 40 से अधिक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया तथा 15 राज्यों में 100 से अधिक प्राथमिकी दर्ज कर 350 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सम्मेलन में केंद्रीय गृह सचिव, विदेश सचिव, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख, 15 राज्यों के पुलिस महानिदेशक तथा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आतंकवाद-रोधी दस्तों के प्रमुख शामिल हुए। अन्य राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

पेज एक का शेष

नए स्लोगन के...

व्यक्ति आय व बजट को तीन गुना करने में सफलता हासिल की है। यह बदलाव पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में हर योजना को ईमानदारी से लागू करने का परिणाम है। आज सरदार भगत सिंह की जयंती है। जब उन्होंने देश के लिए बलिदान दिया, तब उनकी आयु मात्र 23 वर्ष थी। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले अनेक जवानों की आयु भी 20-27 वर्ष के बीच में है। सरदार भगत सिंह ने देश के लिए इसलिए बलिदान दिया था कि आने वाले समय में नौजवानों का जीवन उज्ज्वल हो। 28 सितंबर 2023 को यूपी के 57,600 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का लक्ष्य प्राप्त किया था। 2017 के बाद 3.32 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया। सीएम योगी ने कहा कि लगभग 30 जनपदों में गंदगी के कारण मस्तिष्क ज्वर से दलित, पिछड़े व गरीब वर्ग के सैकड़ों बच्चों की मौत होती थी। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कड़क धूप में एक बेड पर चार-चार बच्चे भर्ती होते थे। सपा ने चार बार शासन किया, लेकिन तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल तक का दौरा नहीं किया। सपा के लिए विकास का मायने केवल सैफई था, बाकी गांवों, जनपदों से इन्हें कोई मतलब नहीं था। भारत सरकार 2017 के पहले भी पैसा देती थी, लेकिन लाभ सिर्फ सपा के लोगों को मिलता था। हम चुनाव जरूर पार्टी पर लड़ते हैं, लेकिन सत्ता में आते हैं तो बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1996 में त्रिस्तरीय पंचायत की व्यवस्था लागू हुई। तब से ग्राम प्रधानों के पास कार्यालय नहीं था। उनके घर से व्यवस्था संचालित होती थी। विरोधी दल का व्यक्ति कैसे उनके घर जाता। लेकिन, जो काम इतने वर्षों में नहीं हुआ, वह अब हो गया है। अब ग्राम पंचायत का कार्यालय (ग्राम सचिवालय) भी है। चार से लेकर छह कमरे हैं। इसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, बीसी सखी आदि बैठते हैं। वहां डिजिटल लाइब्रेरी व कॉन्फ्रेंस रूम भी है। एनडीए सरकार ने गांधी जी के सपनों को साकार किया है। गांव की बेटी बीसी सखी व रोजगार सेवक लोगों को जन्म, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। गांव में ही सारी सुविधाएं मिल रही हैं। अन्नपूर्णा भवन, फ़ेयर प्राइस शॉप के साथ वेयरहाउस से भी गांवों में रोजगार सृजन हुए हैं। सामुदायिक शौचालय की देखरेख महिला स्वयंसेवी समूह से जुड़ी महिलाएं करती हैं, जिन्हें पैसा भी मिलता है। उत्सव भवन कुछ गांवों में बन चुके हैं, कुछ में बन रहे हैं। यहां भी लोगों को रोजगार मिल सकता है। हर गांव 5-7 रोजगार का सृजन कर रहा है। सीएम ने पिछले 4 दिन मूसलाधार बारिश का जिक्र करते हुए कहा कि यदि 65 लाख गरीबों को पीएम/सीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला होता तो ये सभी बेघर हो गए होते। सभी एहतियात करने के बावजूद कुछ निर्दोषों की जान चली गई। उन्होंने सपा मुखिया पर तंज कसते हुए कहा कि जो कुछ कर नहीं पाए, वह आक्षेप लगाते हैं। जिनमें सामर्थ्य नहीं था, वह टिप्पणी करते हैं। सीएम ने ग्राम पंचायत अधिकारियों को नींव का पत्थर बताते हुए कहा कि आपकी स्थिति मजबूत होगी तो ग्राम पंचायतों की भूमिका प्रभावी होगी। ग्राम पंचायत भी आय अर्जित कर सकती है। जो ग्राम पंचायत जितनी आय करेगी, सरकार उसे उतनी ही अतिरिक्त धनराशि देगी। सीएम ने कहा कि गंदगी व शुद्ध पेयजल का अभाव गांव में बीमारी का कारण है। सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान से गंदगी को समाप्त किया। हर घर नल योजना गांव तक पहुंचेगी। उन्होंने तंज कसा कि गांवों में युवाओं को प्लंबर की ट्रेनिंग दें, जिससे कोई टोटी चोरी कर ले गया तो वे उसकी मरम्मत कर सके। टोटी चोरी होने से पानी बहता रहेगा, जिससे क्षति गांव की होगी। युवाओं के पास आइडिया, इनोवेशन व गांव को अच्छा बनाने का जज्बा होना चाहिए। विकसित भारत का सपना तब साकार होगा, जब यूपी विकसित होगा। यूपी तब विकसित होगा, जब ग्राम पंचायत की इकाई विकसित व आत्मनिर्भर होगी। आप इस परिकल्पना को साकार करने के सारथी बनने जा रहे हैं। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि सपा सरकार में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही गुर्गे सक्रिय हो जाते थे और पद के हिसाब से रकम तय होती थी। आज बिना भेदभाव, बिना लेनदेन सरकारी नौकरी मिल रही है। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से साढ़े नौ लाख युवाओं को बिना घूसखोरी और भ्रष्टाचार के सरकारी नौकरी मिली है। यह बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, विधायक डॉ. नीरज बोरा, जय देवी, अमरेश कुमार, उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष एसएन साबत आदि मौजूद रहे।

ईरान पर फिर...

कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई रोक दी है। आर्थिक दबाव के असर पर बात करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से बहुत बड़े स्तर पर जीत रहे हैं। अगर आप उनकी अर्थव्यवस्था को देखें तो वह खत्म हो गई है। उनके पास कोई अर्थव्यवस्था नहीं है। ईरान की मुद्रा के मूल्य में गिरावट और देश में बढ़ती महंगाई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरानी मुद्रा की कीमत लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ईरान में महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है और उन्होंने कहा कि उन्होंने उसी सुबह 318 प्रतिशत का आंकड़ा सुना था। ट्रंप ने कहा कि इसका मतलब है कि ईरान की मुद्रा कमजोर हो चुकी है, उसकी अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में है और उसकी सेना भी मुश्किल में है।

अमेरिका के...

को चुनते हैं। ट्रंप के प्रस्ताव खारिज करने की नहीं मिली जानकारीट्रंप की ओर से ईरान के प्रस्ताव को सार्वजनिक रूप से खारिज किए जाने पर अराघची ने कहा कि इस फैसले की आधिकारिक जानकारी ईरान को तय राजनयिक माध्यमों से अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक बयान और आधिकारिक राजनयिक सूचना में अंतर है। अराघची ने दोहराया कि ईरान होर्मुज को दोबारा खोलने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए बातचीत के जरिए समझौता होना जरूरी है।

ईवीएम पर भरोसा...

षड्यंत्र के तहत बसपा को नुकसान पहुंचाने के लिए ईवीएम में धांधली कराके जितवाया। मायावती ने कहा कि अब चंद्रशेखर भाजपा के इशारे पर जहां दलित पर अत्याचार होता है, वहां पहुंचते हैं। धरना-प्रदर्शन में युवाओं को आगे करके उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवा देते हैं, जिसका खामियाजा दलित युवाओं को भुगतना पड़ता है और कोर्ट के चक्कर काटने पड़ते हैं। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि देश में पहले चुनाव से लेकर पांच दशकों तक वोट देने के लिये बैलेट पेपर का इस्तेमाल ही होता था। बैलेट बाक्स सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में खोले जाते थे और गिनती होती थी। इस प्रक्रिया को खत्म कर चुनाव आयोग ने ईवीएम का इस्तेमाल शुरू किया। मायावती ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब सबसे पहले भाजपा ने ईवीएम का विरोध किया था। भाजपा ने ईवीएम की इलेक्ट्रॉनिक चिप को आसानी से हैक किए जाने की बात कहते हुए विरोध किया था। विरोध के अन्य कई कारण भी बताए थे। हैरानी की बात यह है कि चुनाव जीतकर केंद्र में सरकार बनाने के बाद भाजपा ने ईवीएम से चुनाव कराने की प्रक्रिया को जारी रखा। मायावती ने कहा कि बसपा ने शुरू से ही ईवीएम से मतदान कराने का खुलकर विरोध किया है। बसपा ने ही ईवीएम से चुनाव कराने की प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी पर सर्वोच्च न्यायालय ने ईवीएम प्रक्रिया को खत्म करने की जगह उसके साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीन लगाए जाने की प्रक्रिया लागू करने का आदेश दे दिया। मायावती ने कहा कि इसका कोई फायदा नहीं हुआ है क्योंकि ईवीएम से गिनती के दौरान सभी वीवीपीएटी की पर्चियों को नहीं गिना जाता है। मायावती ने कहा कि अब यह सर्वविदित है कि किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मशीन को दूर से रिमोट सिस्टम से हैक किया जा सकता है, ऐसे में किसी भी मतदाता को यह विश्वास नहीं दिलाया जा सकता कि उसने जिसे वोट दिया है, वह उसी दल के खाते में गिना गया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ...

सौंपने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग और नई बनी पार्टी के बीच कोई मिलीभगत थी। जस्टिस कृष्ण राव ने पूछा कि जब 17 सितंबर को आईएसएफ का 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन चुनाव आयोग के सामने मौजूद था, तो आयोग ने उस आवेदन पर विचार क्यों नहीं किया? चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि चुनाव चिन्ह आवंटित करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है और यह आयोग के विवेक पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि आयोग ने कानून के अनुसार 'लिफाफा' चिन्ह डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस (डीटीसी) को और 'अलमारी' चिन्ह आईएसएफ को दिया। आईएसएफ की ओर से वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि आयोग को मिला विवेकाधिकार उचित और तर्कसंगत तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए। यह ऐसा अधिकार नहीं हो सकता जिसका इस्तेमाल किसी निरंकुश व्यक्ति की तरह मनमाने ढंग से किया जाए। जस्टिस राव ने कहा कि आखिर यह मिलीभगत क्या है। अदालत में दोनों पक्षों के वकीलों के व्यवहार से ऐसा लग रहा है कि उनके बीच किसी तरह की मिलीभगत हो सकती है। कोर्ट ने चुनाव आयोग के वकील से पूछा कि अगर चुनाव आयोग ने निजी पक्ष यानी डीटीसी के वकील के निर्देश या मदद के आधार पर काम किया है, तो फिर आगे क्या बचता है? उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आईएसएफ को 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह पाने का कानूनी अधिकार न हो और उसका आवेदन खारिज भी किया जा सकता है। लेकिन अगर आवेदन खारिज किया जाता है तो उसके पीछे उचित कारण भी बताया जाना चाहिए।

यूपीआई भुगतान पर...

और क्रेडिट/डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगते हैं, जबकि यूपीआई पेमेंट को इन शुल्कों से छूट दी गई थी। केंद्र सरकार ने कहा कि भुगतान प्रणाली के इकोसिस्टम को ठीक से काम करते रहने के लिए यूपीआई पर ये शुल्क जरूरी हैं। इस पर पीठ ने आयकर अधिनियम की धारा 269एसयू का उल्लेख किया, जिसके तहत तय टर्नओवर सीमा वाले व्यापारियों के लिए ग्राहकों को पेमेंट का इलेक्ट्रॉनिक तरीका उपलब्ध कराना जरूरी है। जस्टिस बागची ने सवाल किया कि आयकर कानून की धारा 269 एक ट्रांसफर की इजाजत देता है। अगर यह ट्रांसफर की इजाजत देता है, तो नगदी एक करदाता से दूसरे करदाता के पास जाती है। तो उस प्राप्ति का स्वरूप क्या है? यूपीआई में यह किसे मिलता है? उन्होंने कहा कि हम कवरेज पर बात नहीं कर रहे हैं। हम कानूनी प्रभाव पर बात कर रहे हैं। इसके कानूनी प्रभाव का स्रोत क्या है? सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अंजन दत्ता की याचिका पर विचार कर रही है। याचिका में द्वारा सरकार द्वारा 15 अक्तूबर से व्यापारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी का शुल्क लागू किए जाने को चुनौती दी गई है। सरकार के आदेश के मुताबिक 2,000 रुपये से अधिक पर्सन-टू-मर्चेंट के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत का मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाया जाएगा। याचिका में कहा गया है कि यह शुल्क बिना किसी उचित कानूनी सुरक्षा, पारदर्शिता या सार्वजनिक सलाह-मशविरे के लागू किया गया है।

दिल्ली सरकार और आईसीसीआर के बीच एमओयू सांस्कृतिक और शैक्षणिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में सोमवार को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और दिल्ली सरकार के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य दिल्ली सरकार और आईसीसीआर के बीच संस्थागत साझेदारी स्थापित करना है, जिसके माध्यम से सांस्कृतिक और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे दिल्ली की संस्कृति, पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ आईसीसीआर को सांस्कृतिक कूटनीति से जुड़े अपने दायित्वों को पूरा करने में भी सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा कपिल मिश्रा सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साझेदारी दिल्ली की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं को देश-दुनिया के व्यापक मंच से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे दिल्ली के कलाकारों और सांस्कृतिक समूहों को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिलेंगे तथा विदेशी कलाकारों और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों के माध्यम से दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद को भी बढ़ावा मिलेगा। आईसीसीआर के साथ यह संस्थागत साझेदारी दिल्ली की संस्कृति, पर्यटन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस समझौते के अंतर्गत दिल्ली के स्थापित व युवा कलाकारों को आईसीसीआर की प्रतिष्ठित 'होराइजन सीरीज' और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सवों में सहभागिता का सीधा अवसर मिलेगा। दिल्ली सरकार प्रदर्शन कला, साहित्य, मूर्तिकला, वस्त्र, वास्तुकला, पाक-कला और हस्तशिल्प जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आईसीसीआर के साथ सूचीबद्ध करेगी। इन सभी विधाओं के कलाकारों की एक एकीकृत निर्देशिका (डायरेक्टरी) तैयार कर आईसीसीआर के साथ साझा की जाएगी, ताकि वैश्विक आयोजनों के लिए एक समृद्ध डेटाबेस उपलब्ध रहे। समझौते के तहत दिल्ली में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक एवं पर्यटन महोत्सवों में विदेशी कलाकारों की प्रस्तुतियों को सुगम बनाया जाएगा। आईसीसीसार के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम और शैक्षणिक आगंतुक कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले विदेशी विशिष्ट अतिथियों व विद्वानों की मेजबानी दिल्ली में की जाएगी।

एसआईआर को लेकर विपक्ष पर महापौर प्रवेश वाही का हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) और कांग्रेस पर भारत निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल पहले ईवीएम के नाम पर चुनाव आयोग को निशाना बनाते थे और अब एसआईआर को मुद्दा बनाकर संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। महापौर प्रवेश वाही ने उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत की मौजूदगी में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि आआपा नेता अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाना कोई नई बात नहीं है। वाही ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के मुख्यमंत्री रहते दिल्ली नगर निगम के फंड रोककर उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में निगम चुनाव के बाद भी करीब दो वर्ष तक नगर निगम का संवैधानिक गठन नहीं होने दिया गया, जिससे निगम की स्वायत्तता प्रभावित हुई। महापौर और उपमहापौर ने संयुक्त बयान में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज एसआईआर को लोकतंत्र के लिए खतरा बताने वाले कांग्रेस नेताओं को आपातकाल के दौर को भी याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश लोकतंत्र से जुड़े उस दौर की घटनाओं को नहीं भूला है। वाही ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम से लेकर विधानसभा चुनावों तक विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए अलग-अलग मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अब एसआईआर को भी इसी उद्देश्य से मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव आयोग से जुड़े पुराने घटनाक्रमों को लेकर भी निशाना साधा। वाही ने कहा कि देश उन घटनाओं को नहीं भूला है, जिनमें पूर्व चुनाव आयुक्त एसएल शकधर और एमएस गिल को लेकर कांग्रेस पर पक्षपात के आरोप लगाए गए, जबकि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के साथ टकराव की स्थिति बनी थी।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली उद्योग मित्र पोर्टल का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'दिल्ली उद्योग मित्र पोर्टल' का शुभारंभ किया। नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम से जुड़े इस पोर्टल पर 21 विभागों की 100 से अधिक सेवाएं अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इस मौके पर दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उद्यमियों को आवश्यक अनुमतियों, आवेदन की स्थिति और प्रक्रियाओं की जानकारी भी एक ही स्थान पर मिलेगी। 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' को जमीन पर उतारते हुए हमारी सरकार दिल्ली को उद्यम और निवेश के लिए और अधिक सुगम बना रही है।

अजगैबीनाथ धाम एवं सोनपुर एयरपोर्ट परियोजनाओं के कार्य में लाएं तेजी : सम्राट चौधरी

- अजगैबीनाथ और सोनपुर एयरपोर्ट में बड़े विमानों के संचालन की तैयारी
- परियोजनाओं में 10 हजार करोड़ का प्रस्तावित निवेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को अजगैबीनाथ धाम और सोनपुर/सारण में प्रस्तावित एयरपोर्ट परियोजनाओं की समीक्षा बैठक लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में हुई। बैठक में दोनों ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के मास्टर प्लान, भूमि अधिग्रहण, यात्री क्षमता, कनेक्टिविटी और आधारभूत संरचनाओं के विकास पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

अजगैबीनाथ धाम में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि रन-वे और अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास इस तरह किया जाए कि बड़े विमानों का संचालन संभव हो। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट बनने से आसपास के जिलों को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मिलेगी और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुंगेर, लखीसराय, जमुई, भागलपुर, बांका, खगड़िया और बेगूसराय सहित आसपास के जिलों को इसका लाभ मिलने की संभावना है। श्रावणी मेले के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी हवाई सुविधा बेहतर होगी। बैठक में सोनपुर/सारण एयरपोर्ट के मास्टर प्लान की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने इसे बड़े विमानों के संचालन के अनुकूल विकसित करने के साथ कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने और यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रस्तावित एयरपोर्ट से बिहार के 22 जिलों के अलावा झारखंड और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों को भी हवाई संपर्क मिलने की संभावना जताई गई। प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि अजगैबीनाथ धाम ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पहले चरण में 3,500 करोड़ रुपये और सोनपुर ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में 6,500 करोड़ रुपये का निवेश पीपीपी मोड पर प्रस्तावित है। दोनों परियोजनाओं में पहले चरण का कुल प्रस्तावित निवेश 10 हजार करोड़ रुपये है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण और कनेक्टिविटी की लागत वहन करेगी। बैठक में दोनों एयरपोर्ट की टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट, ट्रैफिक सर्वे, मास्टर प्लान, भूमि अधिग्रहण, क्षमता और आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की भी समीक्षा की गई। बिहार रैयती भूमि क्रय नीति, 2026 के तहत आवश्यक भूमि की व्यवस्था की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण सहित सभी प्रक्रियाओं में तेजी लाने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों एयरपोर्ट परियोजनाएं राज्य में हवाई संपर्क के विस्तार के साथ पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना साबित हो सकती हैं। उन्होंने परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित करने तथा निर्माण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

एफआईआर के बाद डीयू ने तीन एलएलबी के छात्रों को किया निलंबित, कैंपस प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने मुखर्जी नगर में 23 सितंबर को हुई कथित छेड़छाड़ और पीछा करने की घटना के मामले में तीन एलएलबी के छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की। दिल्ली पुलिस के एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय ने लॉ सेंटर-ाक्के छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को जारी सूचना के अनुसार, तीनों छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 के अध्यादेश एक्स वी-बी के खंड 3(ई) के तहत उनके अध्ययन पाठ्यक्रम से निलंबित किया गया है। साथ ही, तीनों के दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। विश्वविद्यालय ने बताया कि यह कार्रवाई सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद की गई है। जारी दस्तावेज को गोपनीय एवं अत्यंत जरूरी के रूप में चिह्नित किया गया है। दस्तावेज का रेफरेंस नंबर पीसीटीओ/2026/1065 है। उल्लेखनीय है कि 23 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे मुखर्जी नगर इलाके में दो महिला छात्रों के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ और पीछा करने की घटना हुई।

मुजफ्फरपुर में जाली नोट रैकेट का भंडाफोड़, छह आरोपित गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर जाली नोट के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 71 हजार 200 रुपये की जाली भारतीय करेंसी, एक चार पहिया वाहन और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बीती रात सूचना मिली थी कि मोतीपुर थाना क्षेत्र में जाली नोटों की बड़ी खेप की डिलीवरी होने वाली है। इसके बाद जिला पुलिस और एसटीएफ की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर इलाके की घेराबंदी की और छह संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन, सीईसी के इस्तीफ़े की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को अंबेडकर टाउन हॉल के समीप धरना-प्रदर्शन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया और केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग उठाई। कांग्रेस की ओर से देशभर में ऐसे प्रदर्शनों का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए। पार्टी नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में नामों के विलोपन, संशोधन और नए नामों के जुड़ने से संबंधित शिकायतों का पारदर्शी तरीके से समाधान होना चाहिए। कांग्रेस ने वोट चोरी से जुड़े आरोपों की तथ्यात्मक जांच कराने की भी मांग की। किशनगंज सदर विधायक कमरुल हुदा ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदर्शन राहुल गांधी के आह्वान पर किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी है।विधायक ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का तथ्यात्मक जवाब सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो आंदोलन को आगे भी बड़े स्तर पर जारी रखा जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उनका आंदोलन मतदाता अधिकारों और निर्वाचन प्रक्रिया में जनविश्वास से जुड़े मुद्दों को लेकर है। प्रदर्शन के बाद जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी जिलाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में मतदाता सूची की स्वतंत्र समीक्षा, पात्र मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित शिकायतों के समयबद्ध और तथ्याधारित निराकरण की मांग की गई। भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ज्ञानेश कुमार वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं और उन्होंने 19 फरवरी 2025 को 26वें सीईसी के रूप में कार्यभार संभाला था।

महिला सुरक्षा को लेकर 'चलो डीयू : मार्च फॉर विमेन सेफ्टी' को डूसू का समर्थन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला सुरक्षा के मुद्दे को लेकर विद्यार्थियों की अपील पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आयोजित किए जा रहे 'चलो डीयू : मार्च फॉर विमेन सेफ्टी' को अभाविप-नीत दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) ने समर्थन दिया है। हाल के दिनों में महिला सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों के बाद विद्यार्थियों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष यश डबास ने मार्च का समर्थन करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रत्येक छात्रा को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिसर के साथ-साथ छात्राओं के आवागमन वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। डूसू अध्यक्ष ने कहा कि महिला विद्यार्थियों की सुरक्षा विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए। उन्होंने परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सीसी उनके अनुसार, विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से विद्यार्थियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जाना चाहिए। डूसू सचिव रिया छावड़ी ने कहा कि महिला विद्यार्थियों की सुरक्षा विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए। उन्होंने परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, नियमित सुरक्षा गश्त और शिकायतों के त्वरित निवारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई।

उत्तराखंड में आठ हेलीकॉप्टरों से युद्धस्तर पर रेस्क्यू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- ऑडेन कोल के सभी 29 और कालिंदी पास के नौ ट्रेकर्स निकाले गए

देहरादून। उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में खराब मौसम के बीच फंसे ट्रेकर्स, पर्वतारोहियों और पोर्टर्स की सुरक्षित निकासी के लिए सोमवार को युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। आठ हेलीकॉप्टरों की मदद से ऑडेन कोल क्षेत्र के सभी 29 और कालिंदी पास क्षेत्र के नौ ट्रेकर्स समेत अब तक 38 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। शेष लोगों की निकासी के लिए अभियान जारी है।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 10 ट्रेकिंग दलों के 136 ट्रेकर्स विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए थे। उनकी निकासी के लिए सोमवार सुबह छह बजे से आठ हेलीकॉप्टरों के जरिए अभियान शुरू किया गया। मौसम और हेलीकॉप्टर संचालन की परिस्थितियों के अनुसार रेस्क्यू रणनीति में लगातार बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑडेन कोल क्षेत्र में फंसे सभी 29 ट्रेकर्स को सोमवार सुबह ही हेलीकॉप्टर से सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के बाद उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। वहीं, कालिंदी पास क्षेत्र से नौ ट्रेकर्स को हर्षिल हेलीपैड पहुंचाया गया, जहां स्वास्थ्य परीक्षण के बाद सभी की स्थिति सामान्य पाई गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को दिल्ली से सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से फोन पर बात कर रेस्क्यू अभियान की जानकारी ली। उन्होंने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फंसे प्रत्येक ट्रेकर की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आने वाला प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक राज्य का अतिथि है। उन्होंने बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में फंसे पर्यटकों, ट्रेकर्स और पोर्टर्स को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाने तथा रेस्क्यू किए गए लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों से सभी ट्रेकर्स के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने, उनकी लोकेशन और स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहने तथा मौसम विभाग के साथ समन्वय कर परिस्थितियों के अनुसार रेस्क्यू योजना में बदलाव करने को कहा। उन्होंने यूकाडा के माध्यम से पर्याप्त संख्या में हेलीकॉप्टर उपलब्ध रखने और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त हेलीकॉप्टरों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन सोमवार सुबह से रेस्क्यू अभियान की उच्चस्तरीय निगरानी कर रहे हैं। सचिव नागरिक उड्डयन विनय शंकर पाण्डेय के निर्देशन में यूकाडा के हेलीकॉप्टरों को अभियान में लगाया गया है। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतीक जैन भी अभियान का समन्वय कर रहे हैं। जिलाधिकारी उत्तरकाशी प्रशांत आर्य और अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा भी रेस्क्यू अभियान की निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन विभिन्न रेस्क्यू एजेंसियों और टीमों के साथ लगातार संपर्क में है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) से अभियान की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। रेस्क्यू अभियान में सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), नेहरू पर्वतारोहण संस्थान और जिला प्रशासन की टीमें शामिल हैं। सभी एजेंसियां आपसी समन्वय से दुर्गम और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटी हैं।

आत्मनिर्भरता की मिसाल: हौंसले और कठिन परिश्रम से टायर डॉक्टर व आइरन लेडी' बनी कमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जनपद के रामगढ़ विकासखंड की दाड़िमा ग्राम सभा निवासी 54 साल की कमला नेगी पिछले लगभग 20 वर्षों से रामगढ़-मुक्तेश्वर मार्ग पर ओड़ाखान गांव में वाहन मरम्मत का काम कर 'टायर डॉक्टर' व 'आइरन लेडी' जैसे नामों से अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। जहां शहरों में भी महिलाएं वाहनों की मरम्मत के कार्य करती नजर नहीं आती हैं और यह कार्य परंपरागत रूप से पुरुषों से जुड़े माने जाते हैं, इनके लिये ताकत की जरूरत भी मानी जाती है, ऐसे काम को कमला ने न केवल अपनाया, बल्कि अपने हुनर के बल पर क्षेत्र में भरोसे का नाम भी बनाया है। उनकी दुकान में साइकिल और दोपहिया वाहनों से लेकर कार, ट्रक, बस, डंपर और जेसीबी जैसे भारी वाहनों के टायरों की मरम्मत की सुविधा उपलब्ध है। वह सोशल मीडिया पर कमला नेगी आयरन लेडी ऑफ नैनीताल के नाम से भी सक्रिय हैं। कमला बताती हैं कि उन्होंने वर्ष 2004 के आसपास बच्चों को किराये पर साइकिल देने के छोटे से काम से शुरुआत की थी। साइकिलों में पंचर होने पर उन्हें ठीक कराने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति के पास ले जाने के बजाय उन्होंने स्वयं पंचर जोड़ना सीखना शुरू किया। धीरे-धीरे आसपास के लोग स्कूटर और मोटर साइकिल के पंचर लेकर भी उनके पास आने लगे। काम बढ़ा तो उन्होंने बड़े वाहनों के टायरों की मरम्मत का काम भी सीखा और उनका सफर साइकिल के छोटे पंचर से बढ़ते हुए कार, ट्रक, बस और अंततः बड़े भारवाहक डम्परों व जेसीबी जैसे भारी वाहनों के टायरों की मरम्मत तक पहुंच गया। उनकी दुकान की उपयोगिता इसलिए भी अधिक है क्योंकि इस पर्वतीय मार्ग पर शीतला से नथुवाखान के बीच लगभग 25 किलोमीटर के दायरे में कोई दूसरी पंचर और वाहनों की मरम्मत की दुकान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ रामगढ़-मुक्तेश्वर मार्ग से गुजरने वाले पर्यटकों और अन्य वाहन चालकों के लिए कमला की दुकान महत्वपूर्ण पड़ाव बन गई है। रास्ते में वाहन का टायर पंचर होने या कोई छोटी तकनीकी समस्या आने पर चालक यहां मरम्मत कराकर आगे की यात्रा जारी रख सकते हैं। दुकान के पास ही कमला का घर है और वहां उनका संपर्क नंबर भी उपलब्ध रहता है, जिससे रात में भी आपात स्थिति में जरूरतमंद उन्हें फोन कर सहायता के लिए बुला सकते हैं।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय   कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान   स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063